



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



नं० 174]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 30, 1988/चैत्र 10, 1910

No. 174] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 30, 1988/CHAITRA 10, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात-रक्षा नियंत्रण)

आदेश संख्या 1/88-91

नया सामान्य लाइसेंस सं 1/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का. का 329(अ) :- आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, पुनर्द्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संवर्धितों का छोड़कर किसी भी देश से भारत में कच्चे माल और तंत्रिका और उपकरणों के वास्तविक उपयोग (औद्योगिक) द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :-

(1) आयात की जाने वाली सब वस्तुएँ राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा दया-संगोषित आयात एवं निर्यात नीति, 1948-91 (खंड 1) के पैराग्राफ 2, 3, 5 और 8 के अंतर्गत न आती हों।

(2) इस लाइसेंस के अंतर्गत सभी जो आयात करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

(3) कच्चे माल, संघटक और उपयोज्य संबद्ध वास्तविक उपयोग (औद्योगिक) के लिए के उपयोग के लिए अपेक्षित हों, अर्थात् वास्तविक शर्तों के अधीन हों।

(4) वास्तविक उपयोग इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई वस्तुओं के उपयोग एवं उपयोग का निर्धारित प्रपत्र एवं विधिसूचक उचित सेवा लेना और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को उनके द्वारा निर्दिष्ट समय के भीतर प्रस्तुत करना।

(5) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोग (औद्योगिक) वास्तविक उपयोग के रूप में संबद्ध प्राधिकरण के पास अपने औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस पंजीकरण की म. और तारीख, विनिर्माण के उत्पाद (उत्पादों) के विवरण देने हुए और इस बात की पुष्टि करते हुए सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र भेजेगा कि (1) ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण यह नहीं किया गया है या वापस नहीं किया गया है या उसे अवस्था रूप में प्रभावित नहीं किया गया है और (2) इस लाइसेंस के अंतर्गत आयातित माल उनके औद्योगिक लाइसेंस/संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी के पास औद्योगिक यूनिट के रूप में पंजीकरण के नियम और शर्तों और उनके अनुबंधित चरणबद्ध विनिर्माण प्रपत्र के बिल्कुल अनुसार है। यदि प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा अवकाश में

लाइसेंस प्रमाणिकरण संख्या न हो गई हो तो आयातक को सीमा-शुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए इस संबंध में अन्य प्रमाण प्रस्तुत करते होंगे कि वह लाइसेंसधारी है/औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किये गये आयात के लिए पात्र है। माल की निकासी के समय, वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक), प्रायोजक प्राधिकारी या अन्य संबंधित प्राधिकारी द्वारा उनके लिए अनुमानित चरणबद्ध विनिर्माण प्रोग्राम यदि कोई हो तो उसकी एक प्रमाणित प्रति भी भेजेगा।

(6) उन मामलों में जहां यूनिट स्वदेशीकरण के चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अधीन है; वहां वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) द्वारा खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन संघटकों का आयात साक्ष्यपूर्ण सूची प्रक्रिया के अधीन होगा। ऐसी यूनिटों को आयात किये जाने वाले संघटकों की सूची उस प्राधिकारी द्वारा स्थापित करा जानी चाहिए, जिसने चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम का अनुमोदन किया था। लघु क्षेत्र की यूनिटों के मामले में सूची स्थापन विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली या विकास आयुक्त (लघु उद्योग) की ओर से लघु उद्योग विकास संघ द्वारा होना चाहिए। सीमा शुल्क प्राधिकारी संबंधित प्राधिकारी द्वारा स्थापित सूची के आधार पर खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित संघटकों की निकासी अनुमित करेंगे। जहां वास्तविक उपयोगिता संबंधित प्राधिकार द्वारा विधिवत स्थापित संघटकों की सूची स्थापन के लिए प्रस्तुत किये जाने वाले दिन से 30 दिनों के भीतर प्राप्त नहीं करता है तो उस मामले में सीमाशुल्क प्राधिकारी वास्तविक उपयोगिता द्वारा इस संबंध में घोषणा प्रस्तुत करने के आधार पर आयातित खेप की निकासी की अनुमति दे सकता है। जो यूनिटें स्वदेशीकरण के चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अधीन नहीं है या जिनका चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम पूरा हो गया है, उस मामले में, वास्तविक उपयोगिता सीमाशुल्क से निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारी को इस संबंध में एक घोषणा प्रस्तुत करेगा।

(7) जिन यूनिटों का चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम पूरा हो गया है उन पर उपर्युक्त शर्त सं. (6) से संबंधित सूची स्थापन प्रक्रिया लागू नहीं होगी। सीमाशुल्क प्राधिकारी आयातक द्वारा एक उचित घोषणा प्रस्तुत करने पर खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन संघटकों की निकासी अनुमित करेंगे, यदि आयात अन्यथा रूप से खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत आता है और संगत आयात नीति में निर्धारित अन्य शर्तों के समनुरूप है।

(8) जिन वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) के पास प्रायोजक प्राधिकारी के अस्थाई पंजीकरण है, वह भी इस लाइसेंस के अधीन कच्चे माल और संघटकों और उपभोग्यों का आयात करने के लिए पात्र होगा।

(9) लघु क्षेत्र में जिन वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) के पास प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया ऐसा पंजीकरण प्रमाण पत्र है जिसे विशेष रूप से "अंतिम" चिह्नित किया गया है तो वे भी कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्यों का आयात करने के लिए इस लाइसेंस के अधीन पात्र हैं, जब निकासी के समय यह साक्ष्य प्रस्तुत किया जाये कि संबंध वास्तविक उपयोगिता ने आयातित माल के लागत-सीमा भाड़ा मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर मूल्य के लिये बैंक गारण्टी के साथ इस संबंध में एक बाण्ड भेजा है कि वास्तविक उपयोगिता आयातित माल का उचित उपयोग करने वाले यूनिट के समर्थन में प्रायोजक प्राधिकारी से एक प्रमाण पत्र संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

(10) ये लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन भी होंगे।

(11) मानव निर्मित रेशों, मोटे सन, तागों, कच्ची ऊन/चिकनी ऊन/पटेला ऊन (ओ कि साफ अथवा कभी न की गई हो)/अंगारा बकरी के बाल (बोहेयर/अंगारा बकरी के चिकने बाल (मोहेयर), अंगारा बकरी के पटेला बाल (मोहेयर) (साफ अथवा कभी न किये हुए), ऊनी ऐस/ सखिल्ट

रैम्/पूर्ण रूप से कटी-फटी अवस्था से पहले की अवस्था में रखी ऊन के संबंध में पात्र आयातकों को अपनी संविदाये वस्त्र आयुक्त, बम्बई के पास पंजीकृत करवाती पड़ेगी। आयात नवी किये जायेंगे जब सर्वप्रथम संविदाओं पर वस्त्र आयुक्त, बम्बई द्वारा ऐसे पंजीकरण के माध्यम से मोहर लगा दी गई हो। इस उद्देश्य के लिए संविदा की दो प्रतियां वस्त्र आयुक्त के पास रखी जायेंगी और वह आयातक को माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों के प्रस्तुतीकरण के लिये एक प्रति वापस कर देगा जिसके प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत मोहर लगी होगी। वाक के ठेकों के पंजीकरण के समय पात्र आयातकों को एक विवरण भी प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें पूर्व पंजीकृत सभी ईंटों के संबंध में आयातों में की गई प्रगति और आयातित माल का उपयोग/निपटारा दर्शाया जाता चाहिए।

(12) जैसा कि ऊपर पैरा (11) में दिया गया है वस्त्र आयुक्त, बम्बई के पास संविदा के पूर्व पंजीकरण से संबंधित शर्त के अधीन पात्र वास्तविक उपयोगिताओं को विवरण के लिये मानक निर्मित रेशे, मोटा सन और धागे भी इस लाइसेंस के अधीन भारतीय राज्य व्यापार निगम (एस टी सी), नई दिल्ली द्वारा आयात किये जा सकते हैं।

(13) सोडा ऐश, पी वी सी रेजिन, तांबा कतरन/तांबा मिल स्केल के लिए, पात्र आयातकों को अपनी संविदायें महानिदेशक, तकनीकी विकास (आयात-निर्यात नीति सेल), उद्योग भवन, नई दिल्ली के पास पंजीकृत करवाती चाहिए। महानिदेशक तकनीकी विकास के पास पंजीकरण की प्रक्रिया सही होगी जो ऊपर पैरा 12 में दी गई है।

(14) (1) ऊनी चिथड़ों/रुई ऊन/सखिल्ट चिथड़ों के आयात की अनुमति केवल तब ही जायेगी जब कि इनका आयात पूर्णरूप से कटी-फटी अवस्था से पहले की अवस्था में किया जा रहा हो।

(2) इस प्रयोजन के लिए ऊनी चिथड़ों की परिभाषा इस प्रकार की गई है :

(क) "ताप" ऊनी कपड़े के अवशेष चाहे वह बुने हुए या कटाई किये हुए कपड़े के हों और जो वस्त्रों की कटाई करने के बाद बच जाते हों इन्हें बर्ज़ी द्वारा काट किये गये वास्तविक टुकड़े, न्याय दिये गये नमूने और मैक्वल के टुकड़े भी शामिल हैं।

(ख) "पुराने" ऊनी कपड़े के वे चिथड़े (कटाई किये हुए और काटे से बुने हुए कपड़ों सहित) जो रूई या न के विनिर्माण के लिए आवश्यक हों और उनमें मजाबूटी मर्दे या फटे हुए कपड़े मर्दे कपड़े या ऐसे कपड़े शामिल हों जिनकी सफाई या मरम्मत न की जा सकती हो।

(ग) विकृति को सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा उनकी अधिसूचना में विविष्ट आवश्यकताओं के समान रूप अवश्य होता चाहिए।

(3) यह परिभाषा सखिल्ट चिथड़ों के लिए आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होगी।

(15) कच्चे काजू की गिरी के मामले में, भारतीय काजू निगम, इस संबंध में नीति के अनुसार वास्तविक उपयोगिता (संग्राहक एककों) को विवरण करने के लिए इस लाइसेंस के अंतर्गत आयात करने के लिए पात्र होगा।

(16) कच्चे काजू की गिरी, के मामले में आयात संविदा उसके निष्पादन के 7 दिनों की अवधि के भीतर भारतीय काजू निगम के पास आयातक द्वारा पंजीकृत कराई जायेगी।

(17) इस लाइसेंस में आयात के लिए अनुमित, कार्बन इस्पात, गैर मिश्रित इस्पात की मर्दों और मिश्रित इस्पात की मर्दों के मामले में, पात्र आयातकों को ऐसी सविदा करने की तारीख से 30 दिनों के भीतर या साल के पानलदान की तिथि को, इनमें जो भी पहले हों, उसी को छोड़ा एवं इस्पात नियंत्रक, कलकत्ता या उसके किसी क्षेत्रीय कार्यालय के पास अपनी आयात सविदाओं का पंजीकरण कराना पड़ेगा। लोहा एवं इस्पात विकास अनुदान के पास पंजीकरण करवाने की प्रक्रिया वही होगी जो ऊपर पैरा (11) में दी गई है।

(18) महाभारी नाशक और घास पान नार्शा सहित जीटनाशक के मामलों में संबंध वास्तविक उपयोगता (आर्थिक) प्रत्येक साल के परेषण की तिकापी के साल दिनों के भीतर आयातित मर उनकी मात्रा और उसके लागत बांसा-भासा मूल्य के ब्यौर, कृषि विभाग (वनस्पति संरक्षण विभाग) नई दिल्ली का सूचित करेगा।

(19) पानिमिलिकान मिलकान मिश्रित मिश्रित इस्पात/बास/राउस बेफस और सेनपुञ्जकल ग्रेड मिश्रितकान के अलावा डिप्युड बाटर्स/बाइसिम/चिम के मामले में आयात सविदा साख्यत्र खालते से पहले इलेक्ट्रोनिकी विभाग, लोकनायक भवन, नई दिल्ली के पास पंजीकृत करवाई जाएगी ऐसी रजिस्ट्रेशन के साथ के रूप में इलेक्ट्रोनिकी विभाग द्वारा संबंधित सविदाओं पर मोहर लगाने के पश्चात ही आयात किया जायेगा।

(20) अतिनिमित हाथी दांत का आयात निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा :—

(क) साइटम के लिए आयात उन पाटियों से अनुमित है जिनका बापिक निर्यात कच्चा हाथी दांत कोटा उपलब्ध है। सभी आयातकों को परामर्श दिया जाता है कि अधिक विवरण साइटम प्रबन्ध प्राधिकारी से प्राप्त करें (निर्देशक, भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, जंगली जीव संरक्षण)।

(ख) केवल अफ्रीकी हाथियों के हाथी दांतों के उन खारों का आयात अनुमित होगा जिन पर देश का कोड प्रत्येक खार का भार इमित करने हुए बप संख्या चिह्नित है।

(ग) आयातक का खेप की गिआई से पहले कच्चे हाथी दांत के सभी आयात का परीक्षण पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के प्रतिनिधि द्वारा किया जाना है।

(घ) हाथी दांत की खेप के संवेध में मूल साइटम निर्यात या पुनः निर्यात परमिट का जंगली जीव संरक्षण के क्षेत्रीय उप-निर्देशक के पास जमा कराना अपेक्षित है।

(ङ) नोक्सीडोनता अफ्रीकाना के प्रतिरक्त किसी भी रूप में कच्चे हाथी दांत का आयात पूर्ण रूप में निषिद्ध है।

(21) ग्रीस और स्नेहक तेल के मामले में 10,000 कमी तक आयात किया जा सकता है बशर्ते कि भारतीय तेल निगम, मार्केटिंग डिबीजत बम्बई ने अवापति प्रमाण पत्र जारी कर दिया हो।

(22) आयात-निर्यात नीति, 1988-91 (खण्ड 1) के परिशिष्ट-6 की सूची 8 के भाग-1 में उल्लिखित कुछ मर्दों के मामले में विशेष उद्योग के नामों का उल्लेख किया गया है। इन मर्दों के लिए संबंधित उद्योगों में लगे हुए केवल वास्तविक उपयोगता (आर्थिक) ही आयात के लिए पात्र होंगे।

(23) आयात-निर्यात नीति, 1988-91 (खण्ड-1) भाग 1, सूची-8, परिशिष्ट 6 के भीतर आने वाली मर्दों निर्यात/व्यापार मर्दों द्वारा वास्तविक उपयोगता (आर्थिक) का विधी के लिए वास्तविक उपयोगता शर्तों के अधीन आयात कर सकेंगे।

(24) आयात-निर्यात नीति, 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-8, सूची-8 के भाग 2, के अधीन आने वाली मर्दों, खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन वास्तविक उपयोगता (आर्थिक) और अर्थों द्वारा बम्बई एवं विभी के लिए आयात की जा सकती है।

(25) कतरन के रूप में आयातित पीतल/तांबा, पाइप्स और ट्यूब्स के मामले में लम्बाई में उनका आकार 15 से.मी. से अधिक नहीं होना चाहिए जब तक कि उनका आयात हाइड्रोलिक सभी वेम्ड डिक्वेटम में कतरन के रूप में नहीं किया जाता।

(26) आयात-निर्यात नीति, 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 सूची-11, के अन्तर्गत आने वाली मर्दों का वास्तविक उपयोगता (आर्थिक विधी) द्वारा केवल तभी आयात किया जा सकता है जबकि वह इलेक्ट्रानिक मर्दों के विनिर्माण/पंजीकरण लाइसेंस रखता है।

(27) आयात-निर्यात नीति, 1988-91 (खण्ड-1) सूची-II, परिशिष्ट-6 में आने वाली मर्दों का आयात तेल एवं प्राकृतिक गैस आयात/आयल इयिया लि. (ओ. आई. एन.) भारतीय गैस प्राधिकरण जो पेट्रोलियम आपरेशन के संबंध में डाइविंग सेरायों के लिए तेल एवं प्राकृतिक गैस आयात/आयल इंडिया लिमिटेड/भारतीय गैस प्राधिकरण से सविदा प्राप्त कर रही है, कर सकती है। ऐसी मर्दों को तिकापी के समय संभाव्य प्राधिकारियों को तेल एवं प्राकृतिक गैस यायोग/आयल लिमिटेड/भारतीय गैस प्राधिकरण से इस बात का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए कि आयात की गई मर्दें उन्हें प्रदान की गई मर्ता के निष्पादन के लिए अपेक्षित है।

(28) इन लाइसेंसों के अधीन आयात द्वारा बम्बई आर्थिक एकक का उत्पादन स्थापित गतिवृत्त क्षमता से अधिक नहीं होगा और बम्बई एकक अपने अनुमानित चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अनुपालन का सुनिश्चय करेंगे।

(29) इस प्रकार आयात किया जाने वाला साल दक्षिण अफ्रीका संघ दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका/किजी में तैयार अथवा विनिर्मित नहीं किया गया हो।

(30) खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात के लिए अनुमित मर्दों का भारत के लिए पानलदान और माधन के आधार पर लाइसेंसित बर्ष की 31 मार्च या उनके पश्चे दिना जाता है। किन्तु, वास्तविक, उपयोगता (आर्थिक) द्वारा खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन कच्चे मान, संघटकों और अनुदेर उद्योगों का आयात करने के मामले में, पात्र वास्तविक उपयोगताओं को पहले आदेशों के मर्द पानलदान आयातों लाइसेंसित बर्ष की 30 जून तक अनुमित किया जा सकता है जिसके लिए अपरिचर्तनीय साख-पत्र लाइसेंसित बर्ष 1988-89, 1989-90 की 31 मार्च तक या उनके पहले और लाइसेंसित बर्ष 1990-91 की 28 फरवरी तक या उनके पहले खाले और स्थापित किये गये हैं। यह सुविधा उन मामलों में खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमित कच्चे मान का आयात करने वाले सभी व्यक्तियों को भी उपलब्ध होगी जहां आयातक वास्तविक उपयोगता (आर्थिक) हैं और आयात का आयात वास्तविक उपयोगता गणानुसार अन्ती फेक्टरी के उपयोग के लिए करना है।

(31) उपर्युक्त शर्तों में 32 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से भी गई किसी भी मर्द के मामले में, सरकार को एसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गये और स्थापित किये गये अपरिचर्तनीय साख-पत्र द्वारा समर्थित पहले आदेशों के मर्द पानलदान किया जाता है। ये संरक्षण के लिए अपरिचर्तनीय साख-पत्र के अतिरिक्त अन्य कोई पक्की व्यवस्था नहीं होगी।

(32) यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने हुए कोई अन्य निषेध या विनियम लागू हो तो इस लाइसेंस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(33) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोगकर्ताओं (औद्योगिक) आयातक को किसी ऐसे आयात/अनुपादन से किसी समय भी उत्सृजित, रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो इसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करेगा हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी :—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और अगला "लाइसेंसिंग वर्ष" का जहाँ भी "अवस" आता है उसका वही अर्थ है जो 1988-89 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

[काइल सं. आई पी सी/3/2/88 में जारी]

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

ORDER NO. 1/88—91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 1/88

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 329(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to import into India from any country, except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji raw materials, components and consumables by Actual Users (Industrial), subject to the following conditions :—

- (1) The items to be imported are not covered by Appendices 2, 3, 5 and 8 of Import & Export Policy for 1988—91 (Volume I) as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette.
- (2) Instruments shall not be allowed to be imported under this Licence.
- (3) The raw materials, components and consumables are required by the Actual User (Industrial) concerned for his own use, i.e. subject to the "Actual User" condition
- (4) The Actual User shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this Licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority, or any other Government authority within such time as may be specified by it.

(5) Actual User (Industrial), at the time of clearance of the goods, shall furnish to the Customs authorities a declaration giving particulars of their industrial licence/registration as Actual User with the concerned authority, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration and the end-product(s) of manufacture, and affirming that (i) such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative and (ii) the items imported under this Licence are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Registration with the sponsoring authority concerned as an Industrial unit and their approved phased manufacturing programme. In cases where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit and eligible to the import made. Actual Users (Industrial) shall also furnish at the time of clearance of goods a certified copy of phased manufacturing programme, if any, approved for them by the sponsoring authority or other concerned authority.

- (6) Import of components under Open General Licence by Actual Users (Industrial) shall be subject to List Attestation procedure in cases where the unit is under a Phased Manufacturing Programme of Indigenisation. Such units should get the list of components to be imported attested by the authority which approved the Phased Manufacturing Programme. In the case of Small Scale units the list attestation should be by the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi or by the Small Industries Development Organisation (SIDO) on behalf of DC(SSI). The Customs authorities will allow clearance of imported components under Open General Licence on the basis of list attested by the concerned authority. Where the Actual User does not receive the list of components duly attested by the concerned authority within 30 days of the date on which the list was submitted for attestation, the Customs authorities may allow clearance of the imported consignment on the basis of a declaration by the Actual User to that effect. In the case of units which are not subject to the Phased Manufacturing Programme of indigenisation or whose Phased Manufacturing

Programme is over, the Actual User shall furnish a declaration to that effect to the Customs authorities at the time of Customs clearance. Where import is cleared on such declaration, the components cleared and their quantity/value shall be intimated by the Actual User to DGTD/Textile Commissioner/DC(SSI) within 30 days of clearance through Customs.

- (7) List Attestation Procedure referred to in Condition number (6) above will not be applicable to the units whose phased manufacturing programme is over. The Customs authorities shall allow clearance of the components under the Open General Licence on production of a suitable declaration by the importer, if the import is otherwise covered by the Open General Licence and conforms to the other conditions laid down in the Import Policy.
- (8) Actual User (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence.
- (9) Actual Users (Industrial) in the small scale sector having registration certificate issued by the sponsoring authority specifically marked "provisional" will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence, on production of evidence, at the time of clearance, that the Actual User concerned has furnished a bond with a Bank guarantee for a value equal to 25 per cent of the c.i.f. value of the goods imported, to the effect that the Actual User shall furnish to the licensing authority concerned a certificate of the sponsoring authority in support of the unit having properly utilised the imported material.
- (10) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955
- (11) In respect of man-made fibre, tow, yarns, raw wool/greasy wool/scoured wool (not carded or combed)/angora goat hair (mohair)/greasy angora goat hair (mohair)/scoured angora goat hair (mohair) (not carded or combed), woollen rags/synthetic rags/shoddy wool in completely pre-mutilated condition, all eligible importers shall be required to register their import contracts with the Textile Commissioner, Bombay. Imports shall be made only after the connected contract has been stamped by the Textile Commissioner, Bombay, as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract shall be lodged with the Textile Commissioner. He will return one copy to the importer, duly stamped, on each page, for production to the Customs at the time of clearance of goods. At the time of registration of subsequent contract, the eligible importer shall also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation/disposal of the imported material in respect of all contracts earlier registered.
- (12) Import of man-made fibres, tow and yarns under this licence can be made by the State Trading Corporation of India (STC), New Delhi for distribution to eligible Actual Users subject to the condition regarding prior registration of contracts with the Textile Commissioner, Bombay as in (11) above;
- (13) In the case of Soda Ash, PVC Resin and Copper Scrap/Copper Mill Scale, all eligible importers shall be required to register their contracts with the DGTD (Import and Export policy Cell), Udyog Bhavan New Delhi. The procedure for registration of contracts with the DGTD shall be the same as in (11) above.
- (14) (i) Import of woollen rags/shoddy wool/synthetic rags will be allowed only when these are imported in completely pre-mutilated condition.
- (ii) Woollen rags for this purpose are defined as under :
 - (a) 'New'—waste woollen cloth woven or knitted which is left after a garment had been cut out including genuine tailor cutting piece ends, discarded pattern bunches and sample bits,
 - (b) 'Old'—Rags of woollen textiles fabrics including knitted and crocheted fabrics which are required for manufacture of shoddy yarn and may consist of articles of furnishing or clothing or other clothing so worn out, soiled or torn as to be beyond cleaning or repair.

- (c) The mutilation must conform to the requirements specified by Customs authorities in their Notifications.
- (iii) This definition shall apply mutatis-mutandis to synthetic rags.
- (15) In the case of raw cashewnuts, Cashew Corporation of India will also be eligible to import under this licence for distribution to Actual Users (Processing Units), in accordance with the Policy in force in this regard.
- (16) In the case of raw cashewnuts, the import contract shall be registered by the importer with the Cashew Corporation of India within a period of 7 days of its execution.
- (17) In the case of Carbon Steel (non-alloy steel) items and alloy steel items, permitted for import in this Licence, all eligible importers shall be required to register their import contracts with the Development Commissioner (Iron & Steel), Calcutta, or with any of his regional Offices, within thirty days from the date of entering into such contracts or the date of shipment of goods, whichever is earlier. The procedure for registration of contracts with the Development Commissioner (Iron and Steel) shall be the same as in (11) above.
- (18) In the case of insecticides including pesticides and weedicides, the Actual Users (Industrial) concerned shall, within seven days of the clearance of each consignment, send to the Department of Agriculture (Plant Protection Division), New Delhi, particulars of the items imported, the quantity and the c.i.f. value thereof.
- (19) In the case of Polysilicon, single crystal silicon ingots/bars/rods/wafers and diffused wafers/dices/chips other than Metallurgical grade silicon, import contract shall be registered with the Department of Electronics, Lok Nayak Bhavan, New Delhi, before opening letter of credit. Import shall be made after the connected contracts have been stamped by the Department of Electronics, as an evidence of such registration.
- (20) Import of Ivory unmanufactured shall be subject to the following conditions :—
- (a) Import is allowed from those parties to CITES for which annual quota of exportable raw ivory is available. All importers are advised to get further details from CITES Management Authority (Director, Wildlife Preservation, Department of Environment, Forests and Wildlife, Government of India).
- (b) Only those tusks of ivory of African elephants will be allowed for import which have been marked with a country code number and the serial number of the year indicating individual tusk weight.
- (c) All imports of raw ivory are to be examined by the representative of the Department of Environment, Forests and Wildlife before the consignment is released to the importer.
- (d) The original CITES export or re-export permit in respect of an ivory consignment is required to be deposited with the Regional Deputy Director, Wildlife Preservation.
- (e) Import of raw ivory in any form, of other than that of *Loxodonta Africana*, is strictly prohibited.
- (21) In case of greases and lubricating oils import can be made upto Rs. 10,000 provided Indian Oil Corporation, Marketing Division, Bombay has issued no objection certificate.
- (22) In respect of certain items mentioned in Appendix 6, List 8, Part I, of Import & Export Policy 1988—91, (Volume I) the names of specific categories/industries eligible for import have been mentioned for these items; only those categories/the Actual Users (Industrial) engaged in the respective industries will be eligible to import under this licence.
- (23) Items covered under Appendix 6 List 8 Part-I of the Import and Export Policy, 1988—91 (Volume I) can also be imported against Additional Licences by Export Houses/Trading Houses as per policy.
- (24) Items covered under Appendix 6 List 8 Part II of the Import and Export Policy 1988—91 (Volume I) can be imported under Open General Licence by Actual Users (Industrial) and others for stock and sale.
- (25) In the case of brass/copper pipes and tubes imported as scrap, their size shall not exceed 15 cms in length, unless they are imported as scrap in hydraulically pressed briquettes;
- (26) Items covered under Appendix 6 List 10 of the Import & Export Policy, 1988—91 (Volume I) can be imported only by an

- Actual User (Industrial) holding a Manufacturing Licence/Registration Certificate for electronic items.
- (27) Items appearing in Appendix 6, List 11, of the Import & Export Policy for 1988—91 (Volume I) can be imported by Oil & Natural Gas Commission/Oil India Limited (OIL)/Gas Authority of India Limited (GAIL) and by units receiving contracts for diving services in support of petroleum operation from ONGC/OIL/GAIL. Such Units should produce to the Customs authorities, at the time of clearance, a certificate from ONGC/OIL/GAIL to the effect that the items imported are required for execution of the contracts awarded to them.
- (28) By import under this Licence, the production of the industrial unit concerned shall not exceed the licensed/authorised capacity, and the unit concerned shall ensure adherence to its approved phased manufacturing programme;
- (29) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fiji
- (30) Shipment of items allowed for import under Open General Licence should be made on through consignment basis to India on or before the 31st March of the licensing year. However, in the case of raw-materials, components and consumables permissible for import under Open General Licence by Actual User (Industrial), the eligible Actual Users may be allowed to effect shipment upto 30th June of the following licensing year against firm orders for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before the 31st March of the licensing years 1988-89 and 1989-90 and on or before the 28th February of the licensing year 1990-91. This facility will also be available in the case of raw-materials allowed for import under Open General Licence by all persons where the importer is Actual User (Industrial) and imports the goods for use in his factory with Actual User condition.
- (31) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (30) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No firm commitment other than irrevocable letters of credit will be eligible for such protection.
- (32) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported;
- (33) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) / importers may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.
- Note : For the purposes of this Order, reference to "the licensing year" and the "following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1988—91
- [Issue from file No. IPC/3/2/88]
- आदेश सं. 2/88—91
- सुल्हा सामान्य लाइसेंस सं. 2/88
- नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988
- का.आ. 330(अ) :—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हेतु केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा यथासंशोधित 1988—91 (खण्ड-1) की आयात और निर्यात नीति के परिशिष्ट-1, भाग-ख में विशिष्टीकृत विवरण के पूर्यगत माल का दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिम अफ्रीका फिजी को छोड़कर किसी भी देश में निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—
- (1) आयातक, मर्यादित, तकनीकी विकास, नई दिल्ली का राज्य के सम्बद्ध उद्योग निदेशक या अन्य सम्बद्ध प्रयोजक या सरकारी प्राधिकारी, जो भी हो, के साथ पंजीकृत एक ऐसा वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक या गैर-औद्योगिक) हो जिसे ऐसी मदों की अपने निजी कारखाने, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, संस्थान, व्यावसायिक कार्यालय या अन्य सम्बद्ध परिसरों में "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन आवश्यकता हो। पूर्यगत माल के आयात की सुविधा आयात-निर्यात धारक युनिटों की भी उपलब्ध है।
- (2) (1) विशेष ध्येयों के लिए सूचीकृत पूर्यगत माल उन्नी ध्येयों के अन्तर्गत आने वाले वास्तविक उपयोगिताओं द्वारा आयात किया जा सकता है यदि वास्तविक उपयोगिता खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए अनुमति पूर्यगत माल का आयात करने का इच्छुक हो तो उस का आयात महानिदेशक, तकनीकी विकास से इस प्रावधान के प्राप्ति पर सीमा-शून्य द्वारा अनुमति दिया जाएगा कि वह मद उसके अपने कारखाने में उपयोग के लिए अधिस्त है।]

(2) ऐसे पंजीगत मान का मापन निम्नलिखित वर्गों के परीक्षण क्रम 1, 19, 30, 31, 37, 38, 59, 32, 53, 58, 63, 70, 80, 82, 83, 84, 85, 88, 89, 90, 97, 101, 102, 115, 121, 139, 147, 151, 156 के अन्तर्गत सूचीबद्ध मशीनों, औजारों को छँड़कर पुराने मान का अद्ययावत किया जा सकता है।

(3) उपर्युक्त (2) पर सूची मशीन दृश्य के तहत की गयी परीक्षा, अस्मिता की अनुमति नहीं किया जाएगा।

(4) खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत पंजीगत मान आयात के लिए निम्नलिखित आयु प्रतिबन्ध पुरानी निम्नलिखित आयातित मॉडल के सामने में लागू नहीं होगा।

(5) पुराने कम्प्यूटर/कम्प्यूटर असेम्बलिंग का आयात अनुमति नहीं किया जाएगा।

(6) अतिरिक्त पुर्जों (चाहे अनुमेय या प्रतिबन्धित किस्म के) जिसमें मुख्य उपकरण के मूल्य के 10% तक उपसहस्र और टूलिंग भी शामिल है का आयात भी खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत किया जा सकता है। यदि ऐसे अतिरिक्त पुर्जों, उपसहस्र और टूलिंग 10% से अधिक मूल्य के लिए अपेक्षित है, तो वास्तविक उपयोगता ने उन वास्तविक मूल्य को निर्दिष्ट करने हुए बिना बिना खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत मुख्य उपकरण के अतिरिक्त पुर्जों/उपसहस्र/टूलिंग के आयात की अनुमति दी जा सकती है कि निम्नलिखित महानिदेशक तकनीकी विभाग के पास करारी चार्ज और उगे विभागी के लिए गोपनीयता प्राधिकारी के पास प्रस्तुत किया जाए।

(7) अतिरिक्त पुर्जों, उपसहस्र और टूलिंग या तो मुख्य उपकरण के साथ या उनके तहत आयातित। जिन के लिए अनुमति दिए जाएंगे, लेकिन मुख्य उपकरण के पट्टों में पड़े नहीं।

(3) विपरीत पंजीगत मान के आयात द्वारा आवेदन का उत्पन्न लाइसेंस/प्राधिकृत क्षमता में अधिक नहीं होगा।

(4) इस प्रकार आयात किया गया मान तब निर्धन का होगा। यदि वे पुरानी या मरम्मत की गई मर्दें होंगी तो उनके आयात की अनुमति केवल तभी दी जायेगी जबकि मशीनरी केवल 7 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और इसका शेष जीवन 5 वर्ष से कम न हो और निकासी के समय आयतक आयात कि जाने वाले देश के किसी स्वतंत्र व्यावसायिक सतदीय इंजीनियर/किसी समतुल्य संस्थान से एक प्रमाण-पत्र सीमा-शुल्क प्राधिकारी की निम्नलिखित बातें निर्दिष्ट करने हुए प्रस्तुत करेंगे:

(क) निरीक्षण की गई मशीनरी का ब्योरा :-

(1) तकनीकी निष्पत्तीकरण के साथ विवरण : मशीनरी के तकनीकी पैमाने/फोटोप्राक भी साथ लगाए जाएंगे।

(2) देश के साथ, विनिर्माता का नाम।

(3) क्रम सं./मशीन का अन्य पहचान निशान (मार्क)।

(4) विनिर्माण की तारीख।

(5) वर्तमान विक्रेता द्वारा मशीन खरीदने का वर्ष/या मशीन नई या पुरानी खरीदी गई थी।

(ख) निरीक्षण का स्वरूप :-

(1) क्या मशीन का निरीक्षण वास्तविक स्थिति में किया गया था।

(2) किए गए परीक्षणों के तकनीकी ब्योरे/परीक्षण रिपोर्ट की प्रति भी साथ लगाई जाए।

(3) निरीक्षण के लिए, पात्र किए गए शास्त्रीय/कर्मचारी।

(ग) सतदीय इंजीनियर की टिप्पणी/निरीक्षण :-

(1) यदि कोई मुख्य सुधार/मरम्मत की गई है तो लागत बताते हुए, उस फर्म का नाम देते हुए, जिसने सुधार/मरम्मत की है और तारीख भी सूचित दें।

(2) मशीनरी की वर्तमान स्थिति और उतरी सम्भावित और आयु।

(3) निरीक्षण की गई मशीनरी में किसे प्रमाण का तत्वों की उल्लेख शामिल है। अन्तराष्ट्रीय मार्केट में अद्यतन उपलब्ध मशीनरी की तुलना में तत्वों की अंतर का ध्यान में रखते हुए की जाए।

(4) अन्तराष्ट्रीय मार्केट में उनके बजार की गई मशीनरी का अनुमानित लागत-ब्रीमा-भाड़ा मूल्य।

(5) सम्पर्क द्वारा माँगे गए मूल्य के औचित्य पर टिप्पणी और ऐसे विचार के लिए आधार। आयात को इन आगव की एक घोषणा करती होगी कि सारी निशानों द्वारा प्रमाणित पुरानी मशीनरी की प्राप्ति और वास्तविक अवधि उसकी अधिकतम जानकारी और विध्वंस के अनुसार सही है।

(5) आयातित मान की निकासी के समय वास्तविक उपयोगता (गैर-औद्योगिक) उसके द्वारा सारित उन पंजीकरण प्रमाण-पत्र की मूल रूप से या फोटोस्टेट प्रति बर्तमान समय में बैंक के रूप में सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को भेजेगा जो उपर्युक्त आयात करने के लिए पात्रता प्रदान करने हुए, आप्त एवं इस्टेब्लिशमेंट ऐक्ट, निम्नलिखित प्राधिकृत या सम्बद्ध स्थायी कानून के अन्तर्गत जारी किया गया हो।

(6) मान की निकासी के समय वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) प्रायोगिक प्राधिकारियों के साथ औद्योगिक एकक के रूप में अपने औद्योगिक लाइसेंस आयात-पत्र पंजीकरण का ब्योरा देते हुए, अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण की संख्या और दिनांक और विनिर्माण की प्रमाणित उत्पाद (वे) और वह पुष्टि करने हुए कि (1) ऐसे लाइसेंस आयात-पत्र पंजीकरण न हो रहे किए गए हैं या वास्तविक तौर पर अद्यतन रूप में प्रयत्न में हैं और (2) आयातित मान औद्योगिक एकक के रूप में उनके औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण प्राधिकारी के पास पंजीकरण की शर्तों के तहत प्रस्तुत हैं, एक घोषणा-पत्र सम्बद्ध सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे। उन मामलों में जहाँ सम्बद्ध प्रायोगिक प्राधिकारी द्वारा अल्प से लाइसेंस पंजीकरण संख्या देरी दी गई है, आयात को सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की अनुमति के लिए इस सम्बन्ध में शेष कोई प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए भी पात्र है।

(7) इस तरह आयात किया जाने वाला मान वक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका/हिरो से वैध अथवा विनिर्दिष्ट न किया गया हो।

(8) मशीनरी और उपकरण का परिवहन, विनियम आयात की अनुमति वास्तविक उपयोगता द्वारा खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत इस नीति के परिशिष्ट-1, भाग-ब द्वारा दी गई है, सम्बद्ध लाइसेंसिंग वर्ष की समाप्ति से पूर्व कर लिए जाने चाहिए। तथापि, उन मामलों में जहाँ आयातक उनमें निहित लम्बी सुपुर्दगी अवधि के कारण पक्षी संश्लेष कर लेता है।

परन्तु मास का पोतबंदी नही कर सकता है जो ऐसा करने में सक्षम हो। अध्यादेश के अन्तर्गत में आयाती लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च तक पोतबंदी की अनुमति दी जा सकती है बशर्ते कि लाइसेंसिंग वर्ष 1988-89 और 1989-90 के दौरान 31 मार्च को या उससे पहले या लाइसेंसिंग वर्ष 1990-91 के दौरान 28 फरवरी को या उससे पूर्व विदेशी मुद्रा निर्यात के व्यापारी (बैंक) के पास निवारणशील भविष्य पंजीकृत कर ली गई हो ऐसे विनिर्दिष्ट सामानों में जहां सुसंगत अवधि असी और अधिक लम्बी है, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, गई दिल्ली खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन बटोई गई विधि तक पोतबंदी की अनुमति दी जा सकती है।

(4) जो उपरोक्त शर्तों (3) में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकप्रिय में सरकारी राजस्व में सार्वजनिक सूचना जारी करने वाले सामान्य लाइसेंस में ले जा गई किसी भी मद के मामले में सरकार को ऐसे समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की शर्तों से पहले पाठ आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अंतरिमिकीय साक्ष्य द्वारा वर्धित विदेशी मुद्रा व्यापारी (बैंक) के साथ किए गए और पंजीकृत पत्रों के माध्यम से पोतबंदी किया जाता चाहिए। विदेशी मुद्रा व्यापारी (बैंक) के साथ किए गए पंजीकृत पत्रों में भिन्न देखा कि किन किसी भी तरह का सरलण प्रदान नहीं किया जाएगा।

(10) यह लाइसेंस आयात (निर्यात) आदेश, 1955 को अनुसूची-3 में शर्त-1 के अधीन होगा।

(11) यदि किसी साल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभावी होने हुए कोई अन्य विधेय या विनियम लागू हो तो उस लाइसेंस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(12) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोगकर्ताओं (ओरिजिनल)/आयातक का किया ऐसे आधार/अनुपालन से किया समय भी उपलब्ध, गिरावट का छुट्ट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करने हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी:—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अपना लाइसेंसिंग वर्ष" जहां समी मन्वर्ध में आता है उसका जहाँ अर्थ है जो 1988-91 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड 1) में उल्लिखित है।

[फाइनल से—आई.प.सी. 3/2/88 से जारी]

ORDER NO. 2/88—91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 2188

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 330(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to import into India from any country, except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji, Capital Goods of the description specified in Appendix 1, Part B of Import and Export Policy, 1988—91 (Volume 1), as amended from time to time by issue

of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions:—

(1) The importer is an Actual User (Industrial or Non-Industrial) registered with the DGTD or the concerned State Director of Industries or other sponsoring or Government Authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his factory, commercial establishment, institution, professional office or other premises concerned; subject to "Actual User" condition. The facility for import of capital goods is also available to units holding letters of intent.

(2) (i) Capital goods listed for a particular category can be imported by Actual Users falling under the same category. If an Actual User wants to import an item of capital goods permissible for import under Open General Licence by another category, its import shall be allowed by the Customs on the basis of a certificate from the DGTD that the item is also required for use in his industry.

(ii) Import of such capital goods can be made in second hand condition except the machine tools listed under Sl. No. 1, 17, 28, 29, 35, 36, 46, 48, 49, 54, 65, 66, 76, 78, 79, 80, 81, 84, 85, 86, 92, 96, 97, 108, 114, 130, 136, 140 and 145 under Entry No. 3(i) of Appendix 1, Part B, subject to the conditions laid down.

(iii) NC/CNC versions of the machine tools listed at (ii) above will also not be allowed.

(iv) The age restriction prescribed for import of second hand capital goods under Open General Licence will not be applicable in the case of moulds imported in second-hand condition.

(v) Import of second-hand computer/computer based systems will not be allowed.

(vi) Spares (whether permissible or restricted types) including accessories and toolings upto 10 per cent of the value of the main equipment can also be imported under Open General Licence. If such spares, accessories and toolings are required for a value more than 10 per cent, the Actual User should obtain written

clearance from the DGTD, New Delhi, indicating the actual value upto which such spares/accessories/toolings may be allowed for the main equipment under Open General Licence, and produce the same to the Customs authorities for clearance.

(vii) Spares, accessories and toolings may be allowed to be imported either along-with the main equipment or subsequent thereto, but not before the arrival of the main equipment.

(3) By import of the Capital Goods, in question, the production of the applicant shall not exceed the licensed/authorised capacity.

(4) The goods so imported shall be of new manufacture; if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than 5 years, and the importer shall produce to the Customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer/any Institution of Engineers in the country from which import is made, indicating;

(a) Details of Machinery Inspected :

(i) Description with technical specifications. Technical pamphlets/photograph of the machinery may also be enclosed.

(ii) Name of the manufacturer, with country.

(iii) Sl. No./other identification mark of the machine.

(iv) Year of manufacture.

(v) Year of purchase of the machine by the present seller. Whether the machine was purchased new or used ?

(b) Nature of Inspection :

(i) Whether the machinery was inspected in working condition.

(ii) Technical details of tests carried out. A copy of the tests report may be enclosed.

(iii) National/International Standards followed for the inspection.

(c) Comments/Assessment of the Chartered Engineer :

(i) Information on major reconditioning/repairs, if any carried out giving cost, name of the firm which carried out reconditioning/repairs and the date.

(ii) Present condition of the machinery and its expected residual life.

(iii) What generation of technology is involved in the machinery inspected. A comparison with latest machinery available in the international market, highlighting the technological gaps may also be made.

(iv) Estimated c.i.f. value of equivalent new machinery in the international market.

(v) Comments on reasonableness of price asked for by the suppliers and the basis for such opinion.

(5) The importer shall be required to give a declaration to the effect that the age and residual life of the second-hand machinery, as certified by the Chartered Engineer, are correct to the best of his knowledge and belief.

(6) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the imported goods furnish to the Customs authorities the original or a photostat copy of the currently valid Registration Certificate held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or concerned local statute, entitling them to effect the import.

(7) Actual User (Industrial) shall produce to the Customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his Industrial Licence/Letter of Intent/Registration, as an industrial unit with the concerned authorities, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Letter of Intent/Registration and the end product(s) of manufacture, and affirming that (i) such Licence/Letter of Intent/Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative and (ii) the items imported are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Letter of Intent/Registration with the sponsoring authority as an industrial unit. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit and is eligible to the import made,

- (8) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fiji.
- (9) Shipment of machinery and equipment which are allowed for import under Open General Licence by Actual Users vide Appendix I, Part B of the policy should be made before the end of the licensing year. However, in cases where the importer enters into a firm contract but the goods cannot be shipped on account of the longer delivery period involved, the shipment may be allowed upto 31st March of the following licensing year in pursuance of such a firm contract provided the contract in question has been duly registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the 31st March during the licensing years 1988-89 and 1989-90 and on or before the 28th February during the licensing year 1990-91. In specific cases where the delivery period is still longer, the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi may allow shipment under Open General Licence upto a further extended date.
- (10) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (9) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available for contracts other than those duly registered with a foreign exchange dealer (Bank).
- (11) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (12) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or the regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported;
- (13) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial or Non-Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOT : For the purposes of this Order, references to "the licensing year" and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1988-91.

[Issued from File No. IPC/3/2/88]

आदेश सं. 3/88-91

शुला सामान्य लाइसेंस सं. 3/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का. आ. 331(अ) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पुनः द्वारा दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका और फिजी संघ को छोड़कर विदेश के किसी भी देश से सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके समय-समय पर यथा संशोधित 1988-91 की आयात-निर्यात नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट 2, 3, 8 या 10 में प्रवर्णित मदों से निम्न अतिरिक्त अर्थात् पुर्जों के रूप में अर्जित सभी अनुमति पुर्जे जो वार्षिक उपयोगकर्ताओं द्वारा अपने निजी उपयोग के लिए उपसाधित, अनुमति उपस्कार, नियंत्रण और प्रयोगशाला उपस्कार और सुरक्षा उपकरणों सहित, लाइसेंसिंग वर्ष के अग्रिम माह की पहली तिथि को स्थापित या उपयोग किए जा रहे पूंजीगत माल के अनुरक्षण के लिए अर्जित हों, उनके आयात के लिए निम्नलिखित बातों के अंतर्गत भारत में आयात करने को सामान्य अनुमति देता है :—

- (1) वार्षिक उपयोगकर्ता (औद्योगिक) निवासों के समय सामान्य शुल्क प्राधिकारियों की यथा उपयुक्त अपने औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण प्रमाणपत्रों अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस/औद्योगिक एका के रूप में संबंध प्राधिकारों के पास पंजीकरण का सं. तथा बिलों और विनिर्दिष्ट अंतिम उत्पाद का विवरण देते हुए एक ऐसा घोषणा पत्र देंगे जिससे इस बात की पुष्टि होगी कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है अथवा वापिस नहीं लिया गया है अथवा उसका अथवा रूप से उपयोग नहीं किया गया है। जिन मामलों में संबंधित प्रायोगिक प्राधिकारियों द्वारा पृथक पंजीकरण संख्या आबंटित नहीं की गयी है, आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए अन्य कोई प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि वह लाइसेंस-धारी/औद्योगिक एका के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए पात्र है।
- (2) माल का निर्यात के समय वार्षिक उपयोगकर्ता (निर औद्योगिक) बुकान और स्वाभता अधिनियम, सिनेमाटोग्राफिक अधिनियम यथा उपयुक्त स्वाभता अधिनियम के अन्तर्गत उनके द्वारा प्राप्त पंजीकरण प्रमाणपत्र को मूल अथवा फोटोस्टैट (वर्तमान समय में वैध) प्रति जो उनको आयात के लिए अधिकृत करनी हो, सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे।
- (3) संगणक प्रणाली के मामले में, अनुमति अतिरिक्त पुर्जों के आयात को अनुमति आयातित संगणक के लागत-निर्माणा मूल्य के 5 प्रतिशत पर या वैसी निर्दिष्ट संगणक प्रणाली जरीद मूल्य के 2 प्रतिशत अथवा संगणक जो कि फोटो बनाने वाला यंत्रों का एक अंश है, के 5 प्रतिशत पर दो जगहों आयातित माल की निर्यात के समय जैसा भी मामला हो,

आयातकों सीमा शुल्क प्राधिकारी को सतरी निष्पत्ति/लागत निष्पत्ति या कम्पनी सचिव (अधिकांश) या सम्बंधित प्रायोजित प्राधिकारी को लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य या समानक प्रणाली के खरीद मूल्य को प्रदर्शित करते हुए एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए। उन्हें इस संबंध में एक घोषणापत्र भी देना चाहिए कि जिसे परेषण की निष्पत्ति को जाना है उसके लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य सहित उम्मीद अर्द्ध में इस प्रकार से पहले ही आयात किए गए माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य अनुमेय सीमा से ज्यादा नहीं हों/सतरी/लागत निष्पत्ति या कम्पनी सचिव को आवेदक फर्म या उसकी महायुक्त शाखाओं का भागीदार या संचालक या कर्मचारी नहीं होना चाहिए।

- (4) कम्प्यूटर मैन्टीनेंस कांफिगरेशन लि (सी एम सी) पुराने और रिफ्रेशण्ड पुर्जों का आयात, आयातित कम्प्यूटर सिस्टम के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य को पाँच प्रतिशत के समग्र मूल्य के भीतर अपनी जिम्मेदारी में अनुरक्षित किए जाने वाले या ऐसे माशिकों द्वारा मॉनीटर किए जाने वाले इसी प्रकार के सिस्टम जो कि अपने को सी. एम. सी. के साथ पंजीकृत कराएँ। आयातित माल की निष्पत्ति से समग्र सी. एम. सी. को सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को सतरी/लागत निष्पत्ति या कम्पनी सचिव (कार्यरत) का एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें उनकी अपनी जिम्मेदारी के अन्तर्गत अनुमति आयातित कम्प्यूटर सिस्टम या सी. एम. सी. के साथ पंजीकृत स्वामियों द्वारा अनुरक्षित इसी प्रकार के सिस्टमों का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य दिया गया हो।
- (5) उपर्युक्त किसी बाल के बावजूद भी, उपर्युक्त 3 में उल्लिखित अन्य शर्तों के अधीन कम्प्यूटर सिस्टम के मामले में गैर-अनुमेय पुर्जों का आयात की अनुमति भी समग्र सीमा के भीतर दी जाएगी।
- (6) वे लघु क्षेत्र के एकक जिनके पास संबद्ध प्रायोजित प्राधिकारियों के अंतिम पंजीकरण है, वास्तविक उपयोगों की उद्देश्य विनिर्दिष्ट शर्तों के अर्थात् इस लाइसेंस के अधीन माल आयात करने के पात्र होंगे।
- (7) वास्तविक उपयोगों इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित माल के उपयोग का निर्वहण रूप और विधि में उचित निष्पत्ति रखें और ऐसे निष्पत्ति को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकार प्राधिकारियों को उनके द्वारा विनिर्दिष्ट समय के भीतर प्रस्तुत करेंगे।
- (8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुच्छेद 5 में वर्णित की भी अधीन होगा।
- (9) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका, मध्य-दक्षिण पश्चिम अफ्रीका और फिजी में तैयार, प्रेषण विनिर्दिष्ट न किया गया हो।
- (10) ऐसे माल (संपद के रूप में आयातित पुंजीगत माल) का आयात संबंधित लाइसेंसिंग वर्ष की समाप्ति से पूर्व किए जाने चाहिए तथापि उन मामलों में जहाँ आयातक पक्की संविदा कर लेता है उसमें निहित सम्पत्ति युद्धवीर्य अर्द्ध के कारण माल का पोतवदान नहीं कर सकता है तो ऐसी पक्की संविदा के अनुमरण में आगामी लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च तक पोतवदान की अनुमति दी जा सकती है, बशर्ते कि लाइसेंसिंग वर्ष 1988-89 और 1989-90 के दौरान 31 मार्च को या उससे पूर्व या लाइसेंसिंग वर्ष 1990-91 के दौरान 28 फरवरी को या इनसे पूर्व विदेशी मुद्रा विनिर्देश

आयात (बैंक) के पास विनिर्देशित सचिव पंजीकृत कर, को गैर हो।

- (11) उपर्युक्त शर्त में (9) में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकल में सरकारों राजस्व से सार्वजनिक मूल्य जारी करके खर्च सामान्य लाइसेंस में से जो गई किम्वंदा मद के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक मूल्य जारी करने की तारीख से पहले पाव आयातकों द्वारा खर्च गए और स्थापित किए गए अपरिचालनीय साधन-पत्र द्वारा समर्थित पक्की आदेशों/संविदा बशर्ते कि प्रस्तावित संविदा सार्वजनिक मूल्य जारी होने से पूर्व किसी विदेशी मुद्रा के आधारों (बैंक) के पास विनिर्देशित रूप में पंजीकृत हो या फर्म के माल पोतवदान किता जाना चाहिए। आदेशों की अन्य किम्वंदा के मामले में ऐसा संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा।

- (12) यदि किसी माल के आयात के समग्र उनके आयात पर प्रभाव डालने हुए कोई अन्य नियंत्रण या विनियम लागू हो तो इस लाइसेंस का उनकी प्रयोगता पर कोई प्रभाव नहीं रहे।

- (13) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोगों (औद्योगिक) गैर-औद्योगिक)/आयातकों किता ऐसे अभाव/अनुपलब्ध से किसी समय या उन्मुक्ति रियायत या छूट प्रदान नहीं करेगा उन्मुक्त अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करने हों/आयातकों को उनके लिए लागू अन्य माल कानूनों के प्रावधानों की अनुपालना करनी चाहिए।

टिप्पणी 1—इस आदेश के प्रयोजनार्थ, 'लाइसेंसिंग वर्ष' और 'अपना लाइसेंसिंग वर्ष' जहाँ भी मदमें से आता है उसका वही अर्थ है जो 1988-91 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

[फाइल सं.—आई.पी.सी. 3/2/88 में जारी]

ORDER NO 3/88—91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 3/88

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 331(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to import into India from any country, except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji "permissible" spares, i.e. all those parts required as spares, other than the items appearing in Appendices 2, 3, 8 or 10, in the Import and Export Policy, 1988—91 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, as are required for their own use for maintenance of Capital Goods, including accessories, ancillary equipment, control and laboratory equipment and safety appliances, installed or in use as on 1st April of the licensing year,

by Actual Users (Industrial or Non-Industrial), subject to the following conditions :—

(1) Actual Users (Industrial) will furnish to the Customs authorities, at the time of clearance a declaration giving particulars of their Industrial Licence/Registration Certificates, as appropriate, namely, Number and Date of Industrial Licence/Registration with concerned authority as industrial unit and end-product(s) manufactured, and solemnly affirming that such Licence/Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. In cases where a separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authorities that he is licensed/registered as an industrial unit and is eligible to the import made.

(2) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the goods, furnish to the Customs authorities, the original or a photostat copy of the (currently valid) Registration Certificates held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or appropriate local statute, entitling them to effect the imports.

(3) In the case of computer systems, import of permissible spare parts will be allowed at 5 per cent of the c.i.f. value of imported computers or two per cent per annum of the purchase price of the indigenously manufactured computer systems or five per cent of the cost of the photocomposing machines of which computer is an integral part. At the time of clearance of the imported goods, the importers should furnish to the Customs authorities, a certificate from Chartered/Cost Accountant or Company Secretary (in practice) or the sponsoring authority concerned showing the c.i.f. value or the purchase price of the computer system, as the case may be. They should also furnish a declaration to the effect that the c.i.f. value of such goods already imported during the same financial year does not exceed the

permissible limit, including the c.i.f. value of the consignment to be cleared. The Chartered/Cost Accountant or Company Secretary should not be a partner or a Director or an employee of the applicant firm or its associates.

(4) The Computer Maintenance Corporation Ltd. (CMC) shall be eligible to import second-hand and reconditioned spares also within the overall value of 5 per cent of the c.i.f. value of the imported computer systems maintained under their own responsibility or in respect of similar systems maintained by owners who may register themselves with the CMC. At the time of clearance of the imported goods CMC should furnish to the Customs authorities a certificate from a Chartered/Cost Accountant or, Company Secretary (in practice) showing the c.i.f. value of the imported computer systems maintained under their own responsibility or similar systems maintained by owners who registered themselves with the CMC.

(5) Notwithstanding anything provided above import of non-permissible spares will also be allowed in the case of computer systems within the overall limits mentioned in (3) above subject to other conditions.

(6) Small Scale Units having provisional registration with the sponsoring authorities concerned will be eligible to import goods under this licence, subject to Actual User condition.

(7) The Actual User shall maintain proper account of utilisation of the goods imported under this licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.

(8) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

(9) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fiji.

(10) Shipment of such goods should be made before the end of the licensing year. However, in cases where the importer enters into a firm contract but the goods cannot be shipped on account of the longer delivery period involved, the shipment may be allowed upto 31st March of the following licensing year in pursuance of such a firm contract provided the contract in question has been duly registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the 31st March during the licensing years 1988-89 and 1989-90 and on or before the 28th February during the licensing year 1990-91.

(11) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (10) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm contracts provided the contract in question has been duly registered with a foreign exchange dealer (Bank) before the date of issue of the Public Notice or firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

(12) Nothing in this Licence shall effect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

(13) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial or Non-Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE : For the purposes of this Order, references to "the licensing year" and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import & Export Policy (Volume I) for 1988-91.

[Issued from File No. IPC/3/2/88]

आवेदन सं. 4/88-91

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 4/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का. आ. 332(अ) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका/किरिबाती की छोटकार विषय के किसी भी देश से मरम्मत राजात्र में गमन-वार पर जारी की गई मार्केजिनिक गुणना द्वारा यथासंशोधित नौवें विनिर्दिष्ट माप का आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करता है :—

1. विदेश में मरम्मत के पश्चात् लागत-बोमा-भाड़ा के आधार पर निशुल्क अथवा मुगनात (लागत-बोमा-भाड़ा) पर आ 16 अंशानि मशीनरी (उलैक्ट्रॉनिक और कम्प्यूटर उप-जुड़नारी के लागत-बोमा-भाड़ा मूल्य का 30 प्रतिशत) के लागत-बोमा-भाड़ा मूल्य का 10 प्रतिशत से अधिक न हो अथवा एक लाख रुपये, इनमें से जो भी कम हो, मरों का (टिक्कड़ उपभोज्य को छोड़कर) पुनः आयात किया जा सकता है बशर्ते कि सीमा शुल्क प्राधिकारी इस बात से सन्तुष्ट हों कि पुनः आयातित मद वही है जिसकी विदेश में मरम्मत के लिए भेजा गया था।

2. 2,000 रुपये मूल्य तक के व्यापार संबंधी सूची पत्रों और परिपत्रों के मुफ्त उपहार।

3. मशीनरी और संयंत्र स्थापना, कार्य और निर्माण, अनुवर्तन प्रक्रियाओं से संबंधित बी खाते और ड्राइंग (माइक्रो फिल्म सहित) जो मुफ्त में संभरित किए जाते हैं और जिनका कोई भी वाणिज्यिक मूल्य नहीं है।

4. एक प्रेषण में अधिकतम 20,000 रुपये के लागत-बोमा-भाड़ा मूल्य तक के मूल्य में संभरित किए जाने वाले मूल तकियों और व्यापार संबंधी नमूने जिनमें वस्तुनिष्ठ बीज, मनुष्य प्रशिक्षण, चाय और चूने भंडार शामिल नहीं हैं।

5. मुफ्त में संभरित की जाने वाली मूल विज्ञापन संबंधी वह सामग्री जो एक ही प्रेषण में 2,000 रुपये के लागत-बोमा-भाड़ा मूल्य से अधिक न हों।

6. विदेशी संभरकों द्वारा मुफ्त में संभरित माप का ऐसा माप जो पहले आयात किया गया हो परन्तु जो उपयोग के लिए त्रुटिपूर्ण/न अनुप-युक्त पाया गया हो या आयात के बाद खो गया हो/टूट-फूट गया हो, उसके बदले में किसी सीमा कंपनी द्वारा तय किए गए बोमा (नमूने) या समुद्री व विनिर्माता के दावे के मद्दे आयातित माप बशर्ते कि :—

(क) प्रतिस्थापन वाले माप का पोल लानत पहले आयात किए गए माप के सीमा-शुल्क के माध्यम से निकासी की तिथि से 24 महीनों के भीतर किया गया हो या मशीनों/अथवा उनके पुर्जों के मामले में यदि ऐसी अवधि 24 महीनों के अधिक हो तो पोल लानत गारन्टी अवधि के भीतर किया गया हो,

(ख) जिस मामले में विदेशी संभरक द्वारा माप का प्रतिस्थापन इन शर्तों पर किया गया हो कि आयातक प्रतिस्थापन के लिए सीमा अधिकारी को सूचित करेगा और घन परीक्षा

करने समय इस संबंध में सलाहों का प्रस्तुत किया गया हो तो ऐसे मामले के अतिरिक्त किसी भी प्रकार के धन-परेषण की अनुमति नहीं दी जाएगी;

(ग) प्रतिस्थापन माल की निकासी के समय निम्नलिखित शर्तों के सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे:—

- (1) मुफ्त में प्रतिस्थापन के मामले में विदेशी संभरक के साक्ष्य के रूप में यह प्रदर्शित करते हुए मूल पत्र-लि माल मुफ्त संभरित किया जा रहा है,
- (2) लाइसेंस ऐजेंट से या किसी अन्य प्राधिकृत बीमा सर्वेक्षक से सर्वेक्षण प्रमाणपत्र या मणों या उनके पुजों के मामले में व्यक्तताया स्वायत्तस्वी, नगदी इंजीनियर (या सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के स्थानों के मामले में मुख्य कार्य प्रभारी) से इस सम्बन्ध में प्रमाणपत्र कि पहले आयात किया गया माल वास्तव में पूर्णतः दूषित दशा में प्राप्त किया गया था और उसके प्रतिस्थापन की आवश्यकता थी,
- (3) जिस मामले के उपर्युक्त उप खंड (क) में निर्धारित 24 महीनों की अवधि के बाद पोल खदान किया गया हो तो उस मामले में मणों या उनके पुजों के लिए विदेशी संभरक या माल परेषक द्वारा गारंटी की अवधि प्रदर्शित करते हुए, साक्ष्य,
- (4) नए सिरे से धन परेषण वाले प्रतिस्थापन आयात के मामले में बीमा कम्पनी द्वारा मणि गए भुगतान का साक्ष्य लेकिन, यह सरकारी विभागों के मामले में आवश्यक नहीं होगा बशर्ते कि प्रेषित धन को प्राप्त करने के लिए विदेशी मुद्रा वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)/प्रशासनिक सलाहक द्वारा रिहा की गई हो। प्रतिस्थापन आयात की अनुमति बीमा कम्पनी द्वारा निर्णीत मांग के मूल्य तक दी जाएगी, परन्तु इस धनराशि में 2 प्रतिशत की वृद्धि की अनुमति प्रतिस्थापन के रूप में आयात की जाने वाली मणों/मणि के मूल्य में वृद्धि के कारण दी जा सकती है।

7. भारत के औपधि नियंत्रक, नई दिल्ली के पूर्व लिखित अनुमोदन के साथ और उनके द्वारा निर्धारित किसी जर्न के अधीन गैर विषयक परीक्षणों के लिए मुफ्त में संभरित भोजन और औषधियाँ/औषधि नियंत्रक का अनुमोदन माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

8. विदेशी संभरकों द्वारा भारत में थोक एजेंटों को प्राप्त में पेश किए भेषजों और औषधियों के मूल व्यापार नमूने जो एक परेषण में लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य में 10 हजार रुपये से अधिक न हो और भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली के लिखित सिफारिश के साथ जो माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

9. भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश जो माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी, के आधार पर मुफ्त में या भुगतान पर संभरित मानव टीके और सेरा।

10. गणपानत आयातक, भारत सरकार, नई दिल्ली की सिफारिश पर मुफ्त अथवा भुगतान पर भेज गए पशु टीके जिसमें सूची पावन-टीके भी शामिल हैं, के लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाती है।

11. कीटनाशी अधिनियम, 1968 के अन्तर्गत गठित पंजीकरण समिति द्वारा जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र के आधार पर मुफ्त संभरित किए गए कीटनाशी (महामारी नाशी और घाम-भातनाशी सहित) के तकनीकी और व्यापार नमूने और उपर्युक्त अधिनियम की अनुसूची में शामिल की गई मर्दों के संबंध में निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाने हैं।

12. उपर्युक्त क्रम सं. (9) से (11) में दर्शाई गई मर्दों के संबंध में, जहां पर मर्द मुफ्त में भेजी गयी हों, अनुमय माल के आयात की अनुमति उपभोक्ता या खुदरा पैकिंग में नहीं होती और प्रेषित माल पर साथ-साथ अक्षरों में नमूने बिंदी के लिए नहीं प्रेषित होगा।

13. इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित व्यापार सूची-युक्त एवं परिपक्व, खाके एवं ड्राईंग और तकनीकी अथवा व्यापार नमूने आयातक के निजी उपयोग के लिए हैं और उनको बेचा नहीं जाएगा अथवा अन्यथा रूप से हस्तांतरित नहीं किया जाएगा।

14. (क) इन व्यवस्था के अन्तर्गत व्यापार नमूने के रूप में प्रेषित उपयोगिता माल के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी। तथापि, औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण/आयात-युक्त धारक वास्तविक उपयोगिता इसके विनिर्माण के लिए ऐसी मर्दों को तकनीकी नमूनों के रूप में आयात करने के लिए पात्र होंगे।

15. यदि किसी माल के आयात के समय उनके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य विषय या विनियम लागू हो तो उस लाइसेंस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

16. प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) आयातक को किसी ऐसे आयात/अनुपालन में किसी समय भी उत्पन्न, रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत प्राप्त करने हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।

17. यह लाइसेंस खले सामान्य लाइसेंस सं. 4/87 का अतिक्रमण करता है जो कि आयात व्यापार निरंतरता अधिनियम संख्या 71/85-88 विनियम 1, अप्रैल, 1987 के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया था।

टिप्पणी:—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग बर्थ" और "अगला लाइसेंसिंग बर्थ" जहां भी संदर्भ में आता है उसका बही अर्थ है जो 1988-91 की आयात एवं निर्यात नीति (अध्या 1) में उल्लिखित है।

[काइल सं. -आ. 11. सी. 3/88]

ORDER NO. 4/88—91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 4/88

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 332(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991 for importation of the goods specified below, as amended from time to time by issue of Public Notice in the Official Gazette, from any country, except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji :

- (1) Re-import of items (excluding consumer durables) after repairs abroad, free of charge on c.i.f. basis or on payment (c.i.f.) not exceeding 10 per cent of the c.i.f. value of the imported machinery (30 per cent of the c.i.f. value of the imported parts or sub-assemblies in the case of electronic and computer sub-assemblies) or Rs. 1 lakh, whichever is lower, subject to the satisfaction of the Customs authority that the item reimported is the same which was sent abroad for repairs.
- (2) Free gift of trade catalogues and circulars upto a value of Rs. 2,000.
- (3) Blue prints and drawings (including micro films) relating to machinery and plant sites, work and building research data, supplied free of charge and having no commercial value.
- (4) *Bona fide* technical and trade samples supplied free of charge not exceeding Rs. 20,000 in c.i.f. value, in one consignment, excepting vegetable seeds, bees, tea and new drugs.
- (5) *Bona fide* advertising material supplied free of charge not exceeding Rs. 2,000 in c.i.f. value, in one consignment.
- (6) Goods supplied free of charge by foreign suppliers or imported against an insurance (marine) or marine-cum-erection insurance claim settled by an Insurance Company, in replacement of the goods previously imported but found defective or otherwise unfit/unsuitable for use or lost/damaged after import, provided that :—
 - (a) the shipment of replacement goods is made within 24 months from the date of clearance of the previously imported goods through the Customs or within the guarantee period in the case of machines or parts thereof, where such period is more than 24 months ;
 - (b) No remittance shall be allowed, except for payment of insurance and freight charges where the replacement of goods by the foreign suppliers is subject to the payment of insurance and/or freight by the importer and documentary evidence to this effect is produced at the time of making the remittance ;
 - (c) the following documents shall be produced to the satisfaction of the Customs authorities, at the time of clearance of the replacement goods :—
 - (i) Original letter from the foreign supplier as evidence of goods being supplied free of cost, in the case of free replacements ;
 - (ii) a survey certificate issued by the Lloyds Agents or any other authorised insurance surveyors or in the case of machine or parts thereof, a certificate from a professional independent Chartered Engineer (or Chief Executive in the case of Government Departments and Public Sector Undertakings) to the effect that goods previously imported were actually received in defective condition and required replacement ;
 - (iii) evidence showing the period of guarantees given by the foreign manufacturers of consigners in the case of machines or parts thereof, where shipment takes place after the period of 24 months stipulated in sub-clause (a) above ;
 - (iv) evidence of settlement of claim by the insurance company, in the case of replacement import involving fresh remittances. This will, however, not be necessary in the case of Government departments, provided foreign exchange has been released by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) [Administrative Ministry to cover the amount to be remitted. Replacement imports will be allowed upto the value of the claim settled by the insurance company but an increase upto ten per cent of this amount may be allowed owing to the increase in the value of the machinery to be imported in replacement.
- (7) Drugs and medicines supplied free of charge for clinical trials with the prior written approval of the Drugs Controller of India, New Delhi and subject to any conditions laid down by him. The approval of the Drugs Controller shall be produced to the satisfaction of the Customs authorities at the time of clearance.
- (8) *Bona fide* trade samples of drugs and medicines supplied free of charge to the sole agents in India of the foreign suppliers, not exceeding Rs. 10,000 in c.i.f. value in one consignment on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the Customs authorities at the time of clearance.

- (9) Human vaccines and sera supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of Customs authorities at the time of clearance.
- (10) Animal including poultry vaccines, supplied free of charge or against payment, on the specific recommendation of the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India, New Delhi, to be produced to the satisfaction of the Customs authorities at the time of clearance.
- (11) Technical and trade samples of the insecticides (including pesticides and weedicides), supplied free of charge, on the basis of the registration issued by the Registration Committee set up under the Insecticides Act, 1968, and the quantity specified by the Committee in respect of items included in the Schedule to the said Act, to be produced to the satisfaction of the Customs authorities at the time of clearance.
- (12) In respect of items covered by Sl. Nos. (9) to (11) above, where the items are supplied free of charge, import of the permissible material shall not be allowed in consumer or retail packing and the consignment shall be clearly marked "sample not for sale."
- (13) Trade catalogues and circulars, blue prints and drawings, and technical or trade samples imported under this licence are for the use of the importers themselves and shall not be sold or transferred otherwise.
- (14) Import of finished consumer goods as trade samples will not be allowed under this provision. However, import by actual users holding Industrial Licence/Registration/Letter of Intent for manufacture of the same will be eligible to import such items as technical samples.
- (15) This Licence is without prejudice to the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import that may be in force at the time when such goods are imported.
- (16) This Licence does not confer any immunity exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial)/importer may be subject to under other laws or regulations. The im-

porters should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

- (17) This Licence is in supersession of Open General Licence No. 4/87 published vide Import Trade Control Order No. 71/85-88 dated the 1st April, 1987.

NOTE :—For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1988—91.

[Issued from File No. IPC/3/2/88]

प्रादेश सं. 5/88--91

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 5/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का. आ. 333 (अ):—आयात तथा निर्यात (विशेषण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनडूद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी अनुसंधान एवं विकास यूनिट वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रयोगशाला, उच्च शिक्षा संस्थान एवं चिकित्सालय को केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत है कि उनके द्वारा अधेक्षित कच्चे माल, संघटकों, उपभोक्त्यों मशीनरी, उपकरण, यंत्रों, उप-साधकों और अतिरिक्त पुर्जों की सर्वों का दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका और किसी संघ को छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है:-

- (1) आयात निर्यात के समस्त सेवा शुल्क प्राधिकारियों को केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार को भी हो, द्वारा अपनी मान्यता का विवरण देने हुए और यह घोषणा करने हुए कि आयातित पदों, उनके निजी उपयोग के लिए अधेक्षित है, एन घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा। अनुसंधान और विकास एककों के मामले में, वह यह भी घोषणा करेगा कि आयातित माल अनुसंधान और विकास के लिए आवश्यक है।
- (2) उपभोक्ता माल का नये चाहे उसका विवरण किसी भी प्रकार से किया गया हो इन लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए अनुमति नहीं होगा। इन लाइसेंस के अन्तर्गत कार्यालय मशीनों का आयात भी अनुमति नहीं होगा।
- (3) इस प्रावधान के अन्तर्गत पुरानों मशीनरी का आयात अनुमित नहीं किया जाएगा।
- (4) कम्प्यूटर/कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर/कम्प्यूटर पेरिफेरल का आयात भी इलेक्ट्रॉनिकी विभाग से पूर्व स्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात् खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन किया जा सकता है। तथापि सभी व्यक्तियों द्वारा खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत अनुमित कम्प्यूटर के आयात के लिए इलेक्ट्रॉनिकी विभाग की पूर्व-स्वीकृति सेना आवश्यक नहीं होगी।
- (5) इस प्रकार आयातित माल का उत्पादन अथवा निर्यात दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ और किसी में न किया गया हो।

(6) अनुसंधान एवं विकास के प्रयोजनार्थ किसी भी प्रकार के जीवित एवं मनुकारी माहुरो आभूतजिम के आयात के मामले में सीमाशुल्क निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए भारत सरकार, कृषि विभाग के पञ्चायत आयात का पूर्य अनुमति प्रस्तुत करनी चाहिए।

(7) आयातक पक्ष से माल की निकासी के 30 दिनों के भीतर नीचे संकेतिक प्राधिकारी को प्रत्येक एक लाख रुपए अथवा इससे अधिक मूल्य के लिए उसके द्वारा आयातित माल का विवरण प्रस्तुत करेगा—

(1) अनुसंधान एवं विकास एककों और वज्ञानिक तथा अनुसंधान प्रयोगशालाओं के मामले में विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विभाग, नई दिल्ली एवं मुख्य नियंत्रक, आयातननयात को भी इसकी सूचना दी जाए।

(2) पूर्ववृत्तानिक मर्कों के संबंध में, एनेक्ट्रॉनि ईविभाग नई दिल्ली को।

(3) तकनीकी विकास महानिदेशालय नई दिल्ली को उन मामलों में जिनमें एकक उनके पास पंजीकृत किया गया हो।

(4) चिकित्सालय और उच्च शिक्षा संस्थान जो भा हा, के मामले में, केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार के सर्वप्रशासकीय मंत्रालय को।

(8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 की अनुसूची-5 में शर्त 1 के भी अधीन होगा।

(9) ऐसा माल जिसे किसी निर्यात अथवा के, चाहे यह अथवा 8% भी हो लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या उससे पहले भारत को लदान कर दिया गया हो अथवा लाइसेंसिंग वर्ष की करवरी की अन्तिम तिथि को या उससे पहले की गई और किसी मूद्रा के व्यापारी (बीक) के साथ पंजीकृत पत्रक संविदा के मध्य/नरिन्तरी/उपस्कर/धतिरिक्त पुर्णों के मामले में अगले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को अथवा इससे पहले भारत को परेषण को माध्यम से लदान कर दिया गया हो।

(10) उपरोक्त शर्तें सं 9 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोक-हित में सरकार राजनय में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लद्देश में से नी गई किसी भी मद के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले प्राप्त आयातों द्वारा छोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय राखपत्र द्वारा समर्पित उनके आदेशों के मध्ये पंक्तिबद्ध किया जाता चाहिए। प्रत्येक प्रकार के आदेशों के मामले में ऐसी कोई सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।

(11) यह माल के आयात के समय उसे आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई विशेष या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(12) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आयात या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, निर्यात या दीख प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगता (प्रौद्योगिक) या आयात अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उससे लागू अन्य सभी आभूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी : इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष और अगला लाइसेंसिंग वर्ष" का जहां भी संदर्भ में आता है उसका, वही अर्थ है जो 1988-91 के आयात एवं निर्यात नसि (खंड-1) में उल्लिखित है।

[फाइल संख्या आदेशी/सर्वा 3/2/88 ने जारी]

ORDER NO. 5/88—91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 5/88

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 333(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to import into India from any country except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji, items of raw materials, components, consumables, machinery equipment, instruments, accessories, tools and spares, required by any research and development unit, scientific or research laboratory, institution of higher education and hospitals, recognised by the Central or State Governments, subject to the following conditions :—

(1) The importer shall produce to the Customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of its recognition by Central or State Government, as the case may be, and declaring that the items imported are required for its own use. In the case of R&D units, they shall also declare that the imported item is required for R&D purposes.

(2) Items of consumer goods, howsoever described, shall not be permitted for import under this Licence. Import of Office machines shall not be allowed under this Licence.

(3) Import of second-hand machinery will not be allowed under this provision.

(4) Import of computer/computer sub-system/computer peripherals can also be made under O.G.L. after obtaining prior clearance of the Department of Electronics. However, prior clearance of the Department of Electronics will not be necessary for import of computer allowed under Open General Licence by all persons for their own use.

(5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fiji.

(6) In the case of import of live and attenuated micro organism in any form for R&D purposes, prior permission from the Animal

Husbandry Commissioner to the Government of India in the Department of Agriculture shall be produced to the satisfaction of the Customs authorities at the time of clearance.

- (7) The importers shall furnish to the authorities mentioned below within 30 days of the clearance of goods from Customs, the particulars of the goods so imported by them, for a value each of Rs. 1 lakh or more :—
- (i) Department of Science & Technology, New Delhi in the case of R&D units and Scientific and Research Laboratories, under intimation to the CCI&E, New Delhi.
 - (ii) Department of Electronics, New Delhi, in respect of electronic items.
 - (iii) DGTD, New Delhi, in the case of units registered with them.
 - (iv) Administrative Ministry of the Central or State Government concerned, as the case may be, in the case of hospitals and institutions of higher education.
- (8) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (9) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or, in the case of machinery/equipment/spares shipped on or before 31st March of the following licensing year against firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before last date of February of the licensing year, without any grace period whatsoever.
- (10) Notwithstanding what has been provided in Condition number (9) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (10) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof,

in force, at the time when such goods are imported.

- (11) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE : For the purposes of this Order, reference to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Vol I) for 1988—91.

[Issued from File No. IPC/3/2/88]

आदेश सं. 6/88—91

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 6/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का. आ. 334(अ)—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना के द्वारा यथा संशोधित आयात एवं निर्यात नीति 1988—91 (खंड 1) के परिशिष्ट-3 में निहित संबंध मरों के सामने उल्लिखित मनोनीत सार्वजनिक क्षेत्र (सरणीबद्ध) अधिकारों द्वारा उक्त परिशिष्ट में विहित-कृत माल का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है।

- (1) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के भंडे किया जाएगा।
- (2) आयातित माल का वितरण संबंध सरणीबद्ध अधिकरण द्वारा निर्धारित नीति और क्रियाविधि के अनुसार किया जाएगा।
- (3) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ/फिजी में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (4) भारत को ऐसे माल का लभान बिना किसी रियायती अधिक के चाहे जो कुछ भी हो अगले लाइसेंसिंग वर्ष की 30 सितम्बर को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाने हैं। बशर्ते कि लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पहले पहले पक्के आदेश कर दिए गए हों।
- (5) उपर्युक्त शर्तें सं. 4 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोक-हित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अतिरिक्तनीय राजपत्र द्वारा समर्पित पक्के आदेशों के मांडे पोतलदान किया जाता चाहिए।

(6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1965 की अनुसूची-5, शर्त-1 के भी अधीन होगा।

(7) इस प्रकार के माल का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध या उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

(8) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आयात या ऐसे किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मूलित, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है जिस आयात या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी:—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "मगला लाइसेंस वर्ष" जहाँ भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जहाँ 1988-91 का आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[फाइल नं.-आई.पी.सी.-3/2/88]

ORDER NO. 6/88-91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 6/88

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 334(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to import into India from any country except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji, the goods of the description specified in Appendix 5 of Import and Export Policy, 1988-91 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, by designated Public Sector (Canalising) Agencies mentioned against the relevant items in the said Appendix, subject to the following conditions :—

- (1) The imports shall be made against the foreign exchange released by Government for the purpose.
- (2) Imported goods shall be distributed by the Canalising Agency concerned in accordance with the Policy and Procedures laid down.
- (3) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fiji.
- (4) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 30th September of the following licensing year, without any grace period, whatsoever, provided firm order is placed on or before 31st March of the licensing year.

(5) Notwithstanding what has been provided in Condition number (4) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.

(6) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 in Schedule V to the Imports. (Control) Order, 1955.

(7) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods of any other prohibition or regulation, affecting the imports thereof in force, at the time when such goods are imported.

(8) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE : For the purposes of this Order, reference to "the licensing year" and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1988-91.

[File No. IPC/3,2/88]

आदेश नं. 7/88-91

खुला सामान्य लाइसेंस नं. 7/88

नई दिल्ली, 30 मार्च 1988

का. प्र. 335(प्र.)—आयात निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा जिम्मे, जुड़नारों मोल्डस, ड्राइज एवं वेदर्न (स्पीन रोलर ड्राइज सहित), मोल्डस (डायमंड के लिए मोल्डस सहित) और प्रैस सहित (और प्रैस ओजारों) सरकार के राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई मासिक सूचना द्वारा यथासंशोधित [1988-91 का आयात निर्यात नीति (खंड-1) के परिशिष्ट-1, भाग-क. 2 और 3 भाग के न प्रदर्शित में विषय] और उनके गुणों के भारत में आयात

की सामान्य, अनुमति दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन देयी है:-

- (1) आयातक अपने निजी सम्पत्ति में उपयोग के लिए ऐसी मशीनों की आवश्यकता रखते हुए महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या संबद्ध राज्य के उद्योग निदेशक या अन्य संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी, जो भी हो, के साथ पंजीकृत एक वास्तविक उपयोगकर्ता (औद्योगिक) हो,
- (2) इस प्रकार आयात किया गया माल तब निर्माण का होगा। यदि वे पुरानी या मरम्मत की गई मशीनें होंगी तो उनके आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जबकि मशीनरी केवल 7 वर्षों से अधिक पुरानी न हो और जब जीवन 5 वर्षों से कम न हो और आयातक निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारी को उन देश के स्वतंत्र व्यावसायिक सनदी अधिनियम/इंजीनियर्स के संस्थान से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा जहां आयात किया जाता है और उसमें निम्नलिखित को दर्शाया जाएगा:-

1. निरीक्षण की गई मशीनरी का उद्योग:-

- (1) तकनीकी विशिष्टकरण के साथ विवरण
मशीनरी के तकनीकी पैमाने/फोटोग्राफ के साथ लगाया जाए।
- (2) देश के साथ विनिर्माण का नाम
- (3) कम सं./मशीन का अन्य पहचान निशान (मार्क)
- (4) विनिर्माण की तारीख
- (5) वर्तमान विज्ञान द्वारा मशीन खरीदने का वर्ष। क्या मशीन नई या पुरानी खरीदी गई थी?

2. निरीक्षण का स्वरूप

- (1) क्या मशीन का निरीक्षण जालू स्थिति में किया गया था।
- (2) किए गए परीक्षणों के तकनीकी व्योम/परीक्षण रिपोर्ट की प्रति भी साथ लाई जाए।
- (3) निरीक्षण के लिए प्राप्त किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानक।

3. सनदी इंजीनियर की टिप्पणी/निर्धारण

- (1) यदि कोई मुख्य सुधार/मरम्मत की गई तो लागत बताते हुए, उस फर्म का नाम देने हुए जिसने सुधार/मरम्मत की है और तारीख की सूचना दे।
- (2) मशीनरी की वर्तमान स्थिति और उसकी सहायक शक्ति का आयु।
- (3) निरीक्षण की गई मशीनरी में किस प्रकार की तकनीकी उत्पत्ति शामिल है?
अंतर्राष्ट्रीय मार्किट के प्रचलित उद्योग मशीनरी की तुलना भी तकनीकी अक्षरों को ध्यान में रखते हुए की जाए।
- (4) अंतर्राष्ट्रीय मार्किट में उसके बराबर की नई मशीनरी का अनुमानित लागत सीमा भाषा सूच्य।
- (5) संभरक द्वारा मांगे गए मूल्य के औचित्य पर टिप्पणी और ऐसे विचार के लिए आधार।

आयातक को इस आशय का एक घोषणापत्र देना होगा कि सनदी निष्पत्ति द्वारा पुरानी मशीन की आयु और भीय आयु उनके विद्यमान और तालफारी के अनुसार ठीक है।

3. तथापि, खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित पुराने मोटोर्स पर उपर्युक्त शर्तें (2) में विनिर्दिष्ट आयु संबंधी प्रतिबन्ध लागू नहीं होगा।

4. औद्योगिक लाइसेंस पंजीकरण शर्तों अंतर्गत एकत्र के रूप में वास्तविक उपयोग को जारी किए गए औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण संस्था तथा दिनांक और विनिर्माण अवधि उत्पाद के व्योम देने हुए संबद्ध वास्तविक उपयोगकर्ता (औद्योगिक) माल की निकासी के समय संबद्ध सीमाशुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र यह शाय देने हुए प्रस्तुत करेगा कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, न बारा निरा गया है और न अन्य प्रकार से अस्माको किया गया है, जिन मामलों में संबंध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा अथवा पंजीकरण संस्था प्राबलित न की गई हो उनमें आयातक सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए अन्य उचित माध्य प्रस्तुत करेगा।

(5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त सं. 1 के भी अधीन होगा।

(6) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका और फिजी में उदादिता या विनिर्मित न हो।

(7) ऐसे माल या गोचरवान लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व भारत को प्रेषण के अधीन से या लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी की अंतिम तिथि को या इससे पहले खोले गए अंतर्राष्ट्रीय माखधनों के लिए परके आवेशों के मद्दे अगले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व कर दिया गया हो और जो कुछ भी हो, इसमें किमा किस्म की रिपायती प्रशिक्ष की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।

(8) उपर्युक्त शर्तें संख्या 7 में दो गई व्यवस्था के बावजूद भी मोचहित में सरकारी राजस्व में मार्चजितित सूचा जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मश के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा मार्चजितित सूचना जारी करने की तारीख में पहले पांच आयातकों द्वारा खोलेगा और स्थापित किए गए अंतर्राष्ट्रीय माख पत्र द्वारा समर्पित परके आवेशों के मद्दे पोतवान किया जाता चाहिए। अन्य प्रकार के आदेश के माध्यम में जिन सी प्रकार को सुरक्षा व्यवस्था उदावध नहीं होगा।

(9) इन प्रकार का मान आयात करने समय जालू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात का प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के संबंध किया भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

(10) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोगकर्ता (औद्योगिक) जब अन्तः आयात या विनिर्माण की शर्तों के अधीन आयात हो उसे वास्तविक या काल्पनिक आयातकता का आयातन करेगा न कोई उम्मुक्ति, छूट या डील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए जालू अन्तः शर्तों का अनुसरण करना चाहिए।

टिप्पणी:- इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है, उसका वही अर्थ है जो 1938-91 की आयात एवं निर्यात विनियम (खंड-1) में उल्लिखित है।

[प्रादेशिक सं. 10-आदेशों सं. 2/2/55]

ORDER NO. 7/88—91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 7/88

New Delhi : the 30th March, 1988

S.O. 335(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to import into India from any country, except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji, Jigs, Fixtures, Dies and Patterns, (including contour roller dies), Moulds (including moulds for diecasting), and Press Tools (other than those appearing in Appendices 1 Part A, 2 and 3 Part-A of the Import and Export Policy, 1988—91, Volume I, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette) and parts thereof, subject to the following conditions :—

- (1) The importer is an Actual User (Industrial) registered with the DGTD, or the concerned State Director of Industries or other sponsoring authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his own undertaking.
- (2) The goods so imported shall be of new manufacture. If they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years, and the importer shall produce to the Customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer/any Institution of Engineers in the country from which import is made, indicating :—

I. Details of Machinery Inspected :

- (i) Description with technical specifications. Technical pamphlets/photograph of the machinery may also be enclosed.
- (ii) Name of the manufacturer with country.
- (iii) Sl. No./other identification mark of the machines.
- (iv) Year of manufacture.
- (v) Year of purchase of the machine by the present seller. Whether the machine was purchased new or used ?

II. Nature of Inspection :

- (i) Whether the machinery was inspected in working condition.
- (ii) Technical details of tests carried out. A copy of the tests report may be enclosed.
- (iii) National/International Standards followed for the inspection.

III. Comments/Assessment of the Chartered Engineer :

- (i) Information on major reconditioning/repairs, if any, carried out giving cost, name of the firm which carried out reconditioning/repairs and the date.
- (ii) Present condition of the machinery and its expected residual life.
- (iii) What generation of technology is involved in the machinery inspected ? A comparison with latest machinery available in the international market, highlighting the technological gaps may also be made.
- (iv) Estimated c.i.f. value of equivalent new machinery in the international market.
- (v) Comments on reasonableness of price asked for by the supplier and the basis of such opinion.
- (3) The importer shall be required to give a declaration to the effect that the age and residual life of the second-hand machinery, as certified by the Chartered Engineer, are correct to the best of his knowledge and belief.
- (4) The age restriction prescribed for import of second-hand Capital goods under Open General Licence will not be applicable in the case of moulds imported in second hand condition.
- (5) The Actual Users (Industrial) concerned shall produce to the satisfaction of the Customs authorities concerned at the time of clearance a declaration giving particulars of his Industrial Licence/Registration Certificate, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration issued to the Actual User as an industrial unit and the end-product(s) manufactured, and affirming that such Licence/Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate registration number has not been

allotted by the sponsoring authority concerned, he shall produce appropriate other evidence to the satisfaction of the Customs authorities.

आदेश सं. 3/88-91

नया संस्करण सं. 1/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

- (6) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fiji.
- (8) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or on or before 31st March, of the following licensing year against firm orders for which irrevocable Letters of Credits are opened on or before the last date of February of the licensing year, without any grace period, whatsoever.
- (9) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (8) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (10) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (11) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

NOTE : For the purpose of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1988—91.

[File No. IPC/3/2/88]

ल. सं. 336(प)-प्रधान तथा निर्यात (निर्यात) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन.ए.आर. निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग (आ.ए.न.जी.सी.) आयन इंडिया लि., भारतीय गैस प्राधिकरण लि. सर्वोच्च न्यायिक स्वर्ण खान लि. द्वारा कच्चे तेल की मरों संयंत्रों उपरोक्त मशीनरी उपकरण और अन्य, उपसाधकों मशीनों और अनिश्चित पुर्जों (किन्तु उपरोक्त तेल को छोड़कर, चाहे उसका उल्लेख किसी भी प्रकार शर्तों में किया गया हो) भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है।

(1) तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग (आ.ए.न.जी.सी.) आयन इंडिया लि., और भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा आयात करने के लिए अनुमति सर्वे से होगी जिसकी पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संश्लेषण के अधीन तेल उद्योग में देशीय क्षमता के दृष्टिकोण पर अधिकार प्राप्त समिति ने देशीय दृष्टिकोण से अनुमति प्रदान कर दी हो। इसके लिए सार्वजनिक माल प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा। नीचे (3) और (4) के अधीन देशीय क्षमता के दृष्टिकोण में स्वीकृति अपेक्षित नहीं होगी। प्रसिद्धि-1 भाग ख में दी गई मशीनरी और अनुसंधान अनिश्चित पुर्जों के आयात के लिए तेल उद्योग में देशीकरण पर अधिकार प्राप्त समिति की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।

(2) सर्वोच्च न्यायिक स्वर्ण खान लि. द्वारा आयात करने के लिए अनुमति की गई वे मरें होंगी जिनका महानिदेशक तकनीकी विकास नहीं विलेख से देशीय दृष्टिकोण से अनुमति प्रदान कर दी हो। यदि कहीं 5 लाख रुपये या अधिक से प्रतिवर्षी उपकरणों सहित इलेक्ट्रॉनिक मरें और किसी भी मूल्य के सहायक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और पुर्जों शामिल हैं, या एक लाख रुपये से अधिक मूल्य के दूरसंचार उपकरण शामिल हों तो आयात केवल इलेक्ट्रॉनिक विभाग द्वारा अनुमति देने के पश्चात् ही अनुमति दिया जाएगा। इस बारे में सार्वजनिक माल प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा। नीचे (3) और (4) के अधीन देशीय क्षमता के दृष्टिकोण से स्वीकृति अपेक्षित नहीं होगी।

(3) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिटायर की गई विदेशी मुद्रा के सहित किए जाएंगे लेकिन नीचे के पैरा (3) और (4) में आने वाले को छोड़कर।

(4) जहां मरिचक मरिचक, उन विदेशी डेकर को दी गयी है, जो कार्य के निष्पादन के लिए उपकरण लाता है, बशर्ते कि (क) ऐसे उपकरणों के आयात के लिए अनुमति न किया जाना हो और (ख) तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग मैसर्स आयन इंडिया लि. / भारतीय गैस प्राधिकरण लि. यह वचन दे कि कार्य को समाप्त कर ऐसे उपकरण पुनः निर्यात कर दिए जाएंगे यदि आयातित उपकरण प्रोजेक्टर या कैमरा और किसी मरें के साथ जुड़ा हो और जो उसके पुर्जों के रूप में हो तो ऐसी कंप्यूटर प्रयुक्त का आयात, ओपनजीपी मूल्य उपकरण के साथ उसका पुनः निर्यात करने के लिए दिए वचन के अधीन होगा।

(5) जहां सर्वोच्च न्यायिक स्वर्ण खान लि. प्रथम मार्चनिक क्षेत्र के इसी प्रकार के किसी अन्य उपकरण को आफ गोर/प्रान गोर मरिचक दी जाती है और विदेशी इंजीनियरों/विशेषज्ञों की सहायता कार्य को पूरा करने में लगी हुई है और ऐसे इंजीनियरों/विशेषज्ञों, कार्यों के निष्पादन किए और यंत्र और उपकरण लाते हैं, बशर्ते कि (क) विषयाधीन

मान के आयात का समानांतर नहीं करना होगा और (ख) सर्वोच्च सार्वजनिक या अन्य सार्वजनिक क्षेत्र का संगठन यह बचन देता है कि आयातित औजार यंत्र और उपकरण उस कार्य को पूरा होने परवाना न नियमित कर दिए जाएंगे।

(6) ओ एन जी सी या आयात इंडिया लि. या भारतीय गैस प्राधिकरण लि. से आक शोर/ग्रान गोर संविदाएं प्राप्त करने वाले निजी क्षेत्र के संस्थानों द्वारा मान आयात किया जाता है और ऐसी संविदा के निष्पादन के लिए मान उनके द्वारा अर्पित है।

(7) आयात "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन होगा।

(8) यह लाईसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा।

(9) इस तरह आयात किया गया मान दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में और फिजी में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।

(10) भारत को ऐसे मान का लदान बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो, लाईसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं या मशीनरी और अतिरिक्त पूर्तों के मामले में इसका लदान लाईसेंसिंग वर्ष की फरवरी की अंतिम तिथि की इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत की गई पक्की संविदा के मुद्दे अगले लाईसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व कर दिया जाता है।

(11) उपर्युक्त शर्त सं. 10 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाईसेंस में से भी गई किसी भी मद के मामले में, सरकार का ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले कच्चे मान, संघटकों और उप-भोग्य के मामले में खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र द्वारा समर्थित पक्के आदेशों के मुद्दे और पंजीगत मान और अतिरिक्त पूर्तों के मामले में विदेशी मुद्रा व्यापारी (बैंक) के साथ किए गए और पंजीकृत किए गए पक्के ठेके के मुद्दे पोल लदान किया जाना चाहिए अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी।

(12) इस प्रकार का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला नियम इस लाईसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के मान के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

(13) यह लाईसेंस ऐसे किसी भी आधार पर ऐसे किसी भी शर्त का पालन करने के किसी भी समय उन्मूलित, रियायत या होल प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) या आयात अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनमें लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी:— इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाईसेंसिंग वर्ष" और अगला "लाईसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका बड़ी अर्थ है जो 1988-91 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[प्राईन सं. --प्राईन पी सी 3/2/88 में जारी]

ORDER NO. 8/88-91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 8/88

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 336(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to import into India from any country except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji, items of raw materials, components, consumables, machinery, equipment, instruments, accessories, tools and spares (but not consumer goods howsoever described), by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC), Oil India Limited, Gas Authority of India Limited and M/s. Bharat Gold Mines Ltd. subject to the following conditions :—

(1) The items permitted for import by the Oil India Ltd. and Gas Authority of India Ltd., Oil and Natural Gas Commission (ONGC), shall be those cleared by the Empowered Committee on Indigenisation in the Oil Industry under the Ministry of Petroleum and Natural Gas, from indigenous angle. Evidence to this effect shall be produced to the Customs Authorities. Indigenous clearance will not be required under (4) and (5) below. Clearance by the Empowered Committee on Indigenisation in the Oil Industry will not be necessary for import of machinery appearing in Appendix 1, Part B and permissible spares.

(2) The items permitted for import by M/s. Bharat Gold Mines Ltd. shall be those cleared by the DGTD, New Delhi from indigenous angle. No indigenous clearance will be necessary for import of machinery appearing in Appendix 1, Part B and permissible spares. In respect of any electronic item, including marine electronics and Communications equipment, prior clearance of the Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. The Customs authorities will allow clearance under Open General Licence on production of evidence to this effect.

(3) The import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose, except under (4) and (5) below.

- (4) Where a service contract has been awarded to a foreign contractor, who brings equipment for execution of work, provided that (a) import of such equipment is not to be paid for and (b) the Oil and Natural Gas Commission/Oil India Ltd./Gas Authority of India Ltd. undertakes that such equipment shall be re-exported after completion of the work. If the imported equipment is fitted with any item such as projector or camera which forms its part the import of such consumer durables shall be subject to ONGC/Oil India Ltd./GAIL undertaking their re-export alongwith the main equipment.
- (5) Where an off-shore/on-shore contract is awarded to M/s Mazagaon Docks Ltd. or to any other similar undertaking in the public sector, and services of Foreign Engineers/Specialists are engaged for completion of the work, and such Engineer/Specialist brings tools, instruments and equipment for execution of work, provided (a) the import of the goods, in question, is not to be paid for, and (b) M/s Mazagaon Docks or the concerned public sector organisation undertakes that the imported tools, instruments and equipment shall be re-exported after completion of work.
- (6) The goods are required to be imported by public sector undertaking receiving off-shore/on-shore contracts from ONGC or Oil India Ltd. or Gas Authority of India Ltd., and are required by them for execution of such contract.
- (7) The import shall be subject to "Actual User" condition.
- (8) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.
- (9) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fiji.
- (10) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year, or in the case of machinery and spares, these are shipped on or before 31st March of the following licensing year against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February of the licensing year, without any grace period what-so-ever.
- (11) Notwithstanding what has been provided in Condition number (10) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established in the case of raw materials, components and consumables and against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) in the case of capital goods, before the date of issue of the Public Notice. No. such protection will be available in case of other types of orders.
- (12) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force at the time when such goods are imported.
- (13) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note: For the purpose of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1988—91.

[Issued from File No. IPC/3/2/88]

आदेश सं. 9/88—91

मुद्रा सामान्य आदेश सं. 9/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का. आ. 337(अ) —आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सामान्य रूप से निम्नलिखित शर्तों के अन्तर्गत एयर हंडिया, हंडियन एयरलाईन्स और अन्य उन एयर लाईनों को जो आई ए टी ए के सदस्य हैं, और हमके अंतर्गत विनिर्दिष्ट श्रेणियों को अतिरिक्त पूर्जों, उपसोध्य सामग्री 1988—91 (खंड-1) की आयात निर्यात नीति के परिशिष्ट -5 भाग ख के अंतर्गत आने वाली ग्रीज और स्नेहक को छोड़कर एयरक्राफ्ट्स के टायर और द्रव्य पुस्तिकाओं, तकनीकी ड्राइंग और उनके द्वारा संघलित और, रक्षित एयर क्राफ्ट के प्लेट के सम्बन्ध

नियंत्रण और अन्य तकनीकी साहित्य और संबंधित परीक्षण और प्रशिक्षण उपकरणों को आयात करने की स्वीकृति प्रदान करती है :—

1. कोई भी उपरोक्त सामान्य चाहे उसका किसी भी प्रकार से उल्लेख क्यों न किया गया हो, इस खुले सामान्य लाईसेंस की व्यवस्थाओं के अधीन उसे आयात करने की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।
2. आयातित मदे "सार्वजनिक उपयोगिता शर्त" के अन्तर्गत होगी।
3. निष्कासी के समय आयातक एयरलाइंस और आई ए. टी. ए. के अंतर्गत वर्तमान सदस्यता के शर्तों को ध्यान में रखकर सामान्य प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा।
4. एयरक्राफ्ट संबंधित अथवा हवाई मार्ग से कर्जों पर, छिड़कने के कार्य में लगी हुई कम्पनियों (अनुमति एवं प्रतिबंधित दोनों) अतिरिक्त पुर्जों या अपने एयरक्राफ्ट के रख-रखाव के लिए आयात कर संपत्ति है, यद्यपि इसके साधन के रूप में मूलनिदेशक नगर विमानन से आयातक के आवश्यक अनुमति प्राप्त कर ली हो तथा उसके द्वारा अतिरिक्त पुर्जों के आयात की स्वीकृति दे दी गई हो, जिसे सीमांतक प्राधिकारों को प्रस्तुत किया जाएगा।
5. एक्जीक्यूटिव एयरक्राफ्ट के स्वामी चाहे निजी अथवा सार्वजनिक क्षेत्र में हों, अपने एयरक्राफ्ट के रख-रखाव के लिए सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा मर्यादित आयात और निर्यात नीति 1988-91 (खंड-1 के परिशिष्ट-2, 3, भाग के 8 या 10 में वर्णित से सिद्ध केवल शर्तों पर पुर्जों का आयात कर सकते हैं।
6. आयातित माल वणिज्य अर्थात् संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका और फिजी से और या बहा उतादिन या विभिन्न नदों द्वारा लाया।
7. भारत की माल या सदान बिना किसी व्यापारी अवधि के चाहे जो कुछ भी हो लाईसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या पूर्व परेषण माध्यम से कर दिया जाये है।
8. उपर्युक्त शर्त सं. 7 से दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करने के खुले सामान्य लाईसेंस में से भी कोई किसी भी मद के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय माखपत्र द्वारा संचालित पत्रों या बहा उतादिन या विभिन्न नदों द्वारा लाया। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में किसी प्रकार की सुरक्षा अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी।
9. यह लाईसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा।
10. इस प्रकार के माल का आयात करने समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाईसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।
11. यह लाईसेंस ऐसे किसी भी आयात या ऐसी किसी भी शर्त को अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है, जिस आयात या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनके लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी:— इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाईसेंसिंग वर्ष और भ्रमण लाईसेंसिंग वर्ष" जहाँ भी संदर्भ में आता है उसका यही अर्थ है जो 1988—

91 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[फाइल सं. आई.पी.सी.-3/2/88 से जारी]

ORDER NO. 9/88—91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 9/88

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 337(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to Air India, Indian Airlines and other Airlines who are members of the IATA and other categories specified hereunder, to import spares, consumables (excluding greases and lubricants covered by Appendix 5 Part B to the Import and Export Policy, 1988-91, Volume I), aircraft tyres and tubes, manuals, technical drawings, illustrations and other technical literature pertaining to the fleet of aircraft operated and maintained by them and the associated test and training equipment, subject to the following conditions :—

- (1) No consumer goods how-so-ever described shall be imported under the provisions of this Open General Licence.
- (2) The imported items shall be subject to the "Actual User" condition.
- (3) The importer shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of the airline and its current membership of the IATA.
- (4) Companies operating aircraft or engaged in the aerial spraying of crops can import spares (both permissible and restricted), for maintenance of their aircrafts, on production of evidence to the Customs that the importer has necessary permission from the Director General of Civil Aviation, New Delhi and import of the spares has been cleared by him.
- (5) Owners of executive aircraft, whether in private or public sector, can import spares only, other than those appearing in Appendices 2, 3 Part-A, 8 or 10 of Import & Export Policy, 1988-91 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, for maintenance of their executive aircrafts.
- (6) Notwithstanding what has been provided in and/or have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fiji.
- (7) Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year without any grace period whatsoever.
- (8) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (7) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of

Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

- (9) This licence shall also be subject to the Condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (10) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported.
- (11) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importers may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy, (Volume I) for 198—91.)

[Issued from File No. IPC/3/2/88]

आदेश सं. 10/88—91

खुले सामान्य लाइसेंस सं. 10/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का.आ. 338(अ)--आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सरकारी राजपत्र में एक सार्वजनिक सूचना जारी करके समय-समय पर यथा संशोधित इसमें संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट व्यौरों की मदों का, प्रत्येक मद के मामले संकेतिक पात्र वारसविक उपयोजताओं द्वारा दक्षिण अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिम अफ्रीका संघ/फिजी का छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देता है :-

- (1) अनुसूची में प्रत्येक मद के मामले संकेतिक मूल्य सीमा के भीतर और विनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए आयात किया जाएगा;
- (2) संलग्न अनुसूची में क्रम सं. 2, 4, 5 और 6 पर उल्लिखित शिकम्मा औजार आदि वैश्विक औजार और मोटर वाहन तथा कृषि ट्रैक्टरों के अतिरिक्त पुर्जों के मामले में, पात्र आयातक इस प्रावधान के अधीन उसी वित्तीय वर्ष में पहले से ही आयातित ऐसे माल के लागत सीमा भाड़ा मूल्य के बारे में सीमाशुल्क प्राधिकारी को निकासी के समय घोषणा पत्र देगा।
- (3) मोटर वाहन और कृषि ट्रैक्टरों के अतिरिक्त पुर्जों के मामले में, आयातक की सीमा शुल्क प्राधिकारी को, मोटर वाहन अधिनियम, 1939 के अधीन करों के अन्तर्गत भुगतान/छूट के माध्यम सहित, संबंधित वाहन या ट्रैक्टर का वैध पंजीकरण प्रमाणांक भी प्रस्तुत करना होगा।
- (4) पुराने कम्प्यूटर/कम्प्यूटर बेस्ड सिस्टम का आयात अनुमति नहीं किया जाएगा।
- (5) ये मान लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या उसके पूर्व बिना किसी रियायती अवधि के चाहिए जो भी हो, भारत की परेण के जरिए भेजे गए हों,

- (6) उपर्युक्त शर्त सं. (5) में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में, सरकार को ऐसे समय-सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अतिरिक्ततीय मात्र पत्र द्वारा संबंधित पक्के आदेशों के मुद्दे पोत-प्रदान किया जाता चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी।

- (7) आयात "जस्तविह उपायका" शर्त के अधीन होगा।

- (8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा।

- (9) इस प्रकार के माल का आयात में आयात करते समय लागू कोई भी विदेश अवस्था उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।

- (10) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आयात या निर्यात के लिए नहीं बनाया जाएगा जो किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोजता (ओबीजेक्ट) या आयातक अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उक्त लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी :- इस आदेश के प्रयोजनार्थ ("जस्तविह वर्ष" और "समय लाइसेंसिंग वर्ष" जहाँ भी संदर्भ में आता है) उसका वही अर्थ है जो 1988—91 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड 1) में उल्लिखित है।

ह/-

(राजीव लोचन मिश्र)

मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात

[काहल सं. आई.पी.सी. 3/2/88 से जारी]

खुले सामान्य लाइसेंस सं. 10/88, दिनांक 30 मार्च, 1988 के लिए अनुसूची

सं.	मद	पात्र आयातक, नूतन सीमा और आयात करने का उद्देश्य
1	2	3

1. मेपक और आयात

- (1) अस्साल और बिंदुता संस्था-नों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए जबसे कि किसी भी समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीना भारी मूल्य 50 हजार रुपए से अधिक नहीं होगा।

1	2	3	1	2	3
		(2) किसी भी व्यक्ति द्वारा उनके निजी उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य दस हजार रुपए से अधिक नहीं होगा, और	6. मोटर वाहन और कृषि ट्रैक्टरों के अतिरिक्त पुर्जों	वह व्यक्ति जिसके पास आयातित वाहन/कृषि ट्रैक्टर हैं, उसके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपए लागत बीमा भाड़ा मूल्य तक।	
		(3) पंजीकृत चिकित्सक द्वारा उनके स्वयं के व्यवसाय में उपयोग के लिए बशर्ते कि एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य दस हजार रुपए से अधिक नहीं होगा।	7. अव्यवसायी रेडियो संचार उपकरण जिसमें बिस्स, उपसाधित्र (ग्रैटीना, रोटर मोटर, फीड लाइन, स्टीडिंग वेव रेडियो प्रिज सहित) यंत्र अतिरिक्त पुर्जों और संघटक शामिल हैं। उपर्युक्त निम्नलिखित फ्रीक्वेंसी रेंज और पावर सीमाओं के अंतर्गत परमिट हों।	साहसिककारी रेडियो अव्यवसायियों द्वारा उनके निजी कार्यों के लिए (इस संबंध में सीमा शुरू प्राधिकारियों की सहाय प्रस्तुत किया जाएगा) बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष में आयात किए गए ऐसे माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य पन्द्रह हजार रुपए से अधिक न हो भारत सरकार संचार मंत्रालय, वायरलेस योजना एवं समन्वय स्कंध की पूर्ण अनुमति के बिना आयातित माल किसी भी पार्टी या व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं किया जाएगा।	
2. (क) चिकित्सा जिसमें शल्य चिकित्सा आण्टिकल और दस्त चिकित्सा संबंधी औजार, उपकरण और यंत्र और वव-साई के पुर्जों और उनके अनु-बंगी एवं दस्त चिकित्सा सामान भी शामिल है।	(1) अस्पताल या चिकित्सा संस्थाओं द्वारा उनके स्वयं के उपयोग आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान चार लाख रुपए से अधिक नहीं होगा।		1. हाई फ्रीक्वेंसी (एचएफ)		
(ख) आयात निर्मात नीति 1988—91 (खंड 1) के परिशिष्ट 6 की सूची में दर्शाई गई शल्य चिकित्सा के लिए सीबत और सुइयां	(2) पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान दस हजार रुपए से अधिक नहीं होगा।		मोटर बैंड	फ्रीक्वेंसी रेंज	पावर सीमांक उत्पादन
3. एक्च-रे इंटेंसिफाइंग स्क्रीन	अस्पताल और रेडियोलॉजिकल निस्सर्जकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य एक लाख रुपए से अधिक नहीं होगा।		160 एमएम	1.8 से 2.0 एमएम बैंड	150 वाट्स
4. वैज्ञानिक और मापन औजार एवं रसायन	विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग और औद्योगिक क्षेत्र के डाक्टरों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए (इस संबंध में सीमा शुरू प्राधिकारियों की सहाय प्रस्तुत करने पर) बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य दस हजार रुपए से अधिक नहीं होगा।		80 एमएम	3.5 से 4.0 "	150 वाट्स
			40 एमएम	7.0 से 7.5 "	150 वाट्स
			20 एमएम	14.0 से 14.50	150 वाट्स
			15 एएम	21.0 से 21.50	150 वाट्स
			10 एमएम	28.0 से 30.00	150 वाट्स
			2. इंटरमीडियरी (बी एचएफ)		
			फ्रीक्वेंसी 2एम	144 से 146 एमएम बैंड	25 वाट्स
			3. अल्ट्रा हाई फ्रीक्वेंसी (यूएचएफ)		
			70 सीएम एल	430 से 440 एमएम बैंड]	25 वाट्स
5. परीक्षण उपकरण, परीक्षण औजार और रसायन	राष्ट्र मोषध नियंत्रक की सिफारिश प्रस्तुत करने पर उनके स्वयं के उपयोग के लिए एक वर्ष में पचास हजार रुपए (लागत बीमा भाड़ा) तक के कुल मूल्य के लिए मोषध सहा अंगार प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अंतर्गत अनुमोदित परीक्षण प्रयोगशालाएं।		टिप्पणी :— व्यासमापन के प्रयोजनार्थ हाई फ्रीक्वेंसी ट्रांसमिटरों में या तो 10 एम एच बैंड या 15 एम एच बैंड माइक्रो फ्रीक्वेंसी रिसेपशन सुविधा भी शामिल है।		
			8. सभी व्यक्तियों द्वारा अपने स्वयं के उपयोग के लिए कंप्यूटर/कंप्यूटर बेस्ड सिस्टम्स। निम्नलिखित प्रकार के :—		
			(क) सीपीयू, 32 बिट वुड लन्वार्ड के न्यूनतम सहित		
			(ख) 60 मैगाबाइट्स की मुख्य मेमोरी, और		
			(ग) 100 मैगाबाइट्स की डिस्क स्टोरेज क्षमता		

(Volume I) for 1988—91.

(Issued from File No. IPC/3/2/88)

ORDER NO. 10/88—91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 10/88

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1988

S.O. 338(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to import into India from any country except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji, the items of the description specified in the Schedule annexed hereto, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, by eligible Actual Users mentioned against each item, subject to the following conditions :—

- (1) The import shall be within the value limit indicated against each item in the Schedule and for the purpose specified.
- (2) In the case of medical instruments, etc. scientific instruments and Chemicals and spare parts of motor vehicles and agricultural tractors referred to at Serial No. 2, 4, 5 and 6 in the annexed schedule, the eligible importer, shall, at the time of clearance, give a declaration to the Customs authority about the c.i.f. value of such goods already imported under this provision in the same financial year.
- (3) In the case of spare parts of motor vehicles, and agricultural tractors, the importer shall also produce to the Customs authority the valid Registration Certificate of the vehicle or the tractor concerned, with an evidence of up-to-date payment/exemption of taxes under the Motor Vehicles Act, 1939.
- (4) Import of second-hand computer/computer based system shall not be allowed.
- (5) The goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st

March, of the licensing year, without any grace period, whatsoever.

- (6) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (5) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (7) Import shall be subject to "Actual User" condition.
- (8) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when they are actually imported.
- (10) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, reference to "the licensing year", and "the following licensing year" wherever appears in this Order shall have the same meaning in this Order as in Import and Export Policy (Volume I) for 1988—91.

(Issued from File No. IPC/3/2/88)

OGL 10—Contd

Schedule to O.G.I. No. 10/88 dated the 30th March, 1988

S. No.	Item	Eligible importers, value limit and purpose of import
1.	Drugs and medicines	<p>(i) Hospitals and medical institutions for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed fifty thousand rupees;</p> <p>(ii) Any individual, for his personal use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed two thousand rupees; and</p> <p>(iii) Registered medical practitioners, for their own professional use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed ten thousand rupees.</p>
2.	<p>(a) Medical including Surgical, Optical and Dental instruments, apparatus and appliances and replacement parts and accessories thereof and Dental materials.</p> <p>(b) Sutures and needles for surgical purposes appearing in List 5 in Appendix 6 of Import and Export Policy, 1988-91 (Volume I).</p>	<p>(i) Hospitals and Medical institutions for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed four lakhs rupees, in a financial year.</p> <p>(ii) Registered medical practitioners for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed ten thousand rupees, in a financial year.</p>
3.	X-ray Intensifying screens.	Hospitals and radiological clinics for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed one lakh rupees.
4.	Scientific and measuring instruments and chemicals.	Professionals in the fields of science, technology, engineering and medicines, for their own purpose (to which effect evidence shall be produced to the Customs authorities) provided the c.i.f. value of such imported goods shall not exceed rupees ten thousand in a financial year.
5.	Testing equipment, testing instruments and chemicals.	Testing Laboratories approved under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, of a total value not exceeding Rs. 50,000/- (c.i.f.) in a year for their own use, on production of recommendation of State Drugs Controller.
6.	Spare parts of motor vehicles and agricultural tractors.	Persons owning imported vehicles/agricultural tractors, for their own use, upto a c.i.f. value of rupees five thousand in a financial year.

Schedule to OGL 10—*Concl'd.*

S. No.	Item	Eligible importers, value limit and purpose of import
7.	Amateur radio communication equipment including kits, accessories (including antennas, retarary motors, feed lines standing wave ratio bridge) instruments, spare and components. The equipment is to conform within the following frequency ranges and/or limitations :	By licensed radio amateurs for their own purpose (evidence shall be produced to the Customs authorities to this effect) provided the c.i.f. value of such goods imported in a financial year does not exceed Rs. 15,000/-. Goods imported shall not be transferred to any individual or any party without prior permission of the Wireless Planning & Coordination Wing of the Ministry of Communications, Government of India.

I. High Frequency (H.F.)

Meter Band	Frequency range	Output power limit
160 m	1.8 to 2.0 Mhz	150 Watts.
80 m	3.5 to 4.0 Mhz	150 Watts.
40 m	7.0 to 7.5 Mhz	150 Watts.
20 m	14.0 to 14.50 Mhz	150 Watts.
15 m	21.0 to 21.50 Mhz	150 Watts.
10 m	28.0 to 30.00 Mhz	150 Watts.

II. Very High Frequency (VHF)

2 m	144 to 146 Mhz	25 Watts.
-----	----------------	-----------

III. Ultra High Frequency (UHF)

70 cms	430 to 440 Mhz	25 Watts.
--------	----------------	-----------

NOTE : The H.F. transreceivers also incorporate either 10 Mhz or 15 Mhz standard frequency reception facility for calibration purposes.

8. Computer/Computer based system of the following configuration :— By all persons for their own use.

- (a) CPU with a minimum of 32 bit word length ;
- (b) Main memory of 60 megabytes; and
- (c) Disc storage capacity of 1000 megabyte.

आदेश सं. 11/88-91

ORDER NO. 11/88—91

शुलासा 17 मार्च 1988

OPEN GENERAL LICENCE NO. 11/88

दिनांक 30 मार्च, 1988

New Delhi, the 30th March, 1988

का. आ. 339(प्र).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके केंद्रीय सरकार अगला आदेश होने तक जहाज के मरम्मत कार्यों में लगे हुए वास्तविक उपयोगियों को निम्नलिखित शर्तों के अधीन (1) पूंजीगत माल, (2) कच्चे माल, (3) संघटकों, (4) उपभोग्यों एवं (5) किसी भी देश से अतिरिक्त पुर्जों के आयात की सामान्य अनुमति देती है, परन्तु ब्रिटीश अफ्रीका संघ/ब्रिटीश पश्चिमी अफ्रीका और फिजी इसमें शामिल नहीं हैं :—

(1) आयातक, महानिदेशक, जहाजरानी बम्बई के पास जहाजों की मरम्मत करने वाले एकक के रूप में पंजीकृत है।

(2) कस्टम बॉण्ड परिसर में माल का आयात किया जाएगा। आयातकों को जहाजों की मरम्मत करने के उद्देश्य से माल को कस्टम बॉण्ड परिसर के बाहर आयात करने की अनुमति दी जाएगी। मरम्मत करने के बाद भवों को कस्टम बॉण्ड में आपन लाया जाएगा। जहाजों की मरम्मत के लिए प्रयोग की गई मशीनों के संबंध में क्षेत्र के सीमा शुल्क समाहर्ता और महानिदेशक (पोल परिवहन) बम्बई को आवश्यक विवरणिका भेजी जाएगी। आयातक को उचित सेवा-शिक्षा रखना होगा जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के निरीक्षण के लिए रहेगा।

(3) आयातित माल का उपयोग मशीन जहाजों की मरम्मत के लिए चाहे वे जहाज भारतीय हों या विदेशी जिन मंत्रालय, राज्य विभाग को अधिसूचना सं. 211/83-कस्टम और सं. 212/83-कस्टम, दोनों दिनांकित 23 जुलाई, 1983 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(4) प्रत्येक वित्तीय वर्ष में अंत तक संबंध वास्तविक उपयोगिता आयातित मालों का लेखा और उनका लागत बीमा भाड़ा मूल्य तथा जहाजों की मरम्मत से कलाई गई विदेशी मुद्रा का लेखा बैंक द्वारा विधिवत प्रमाणित कराकर संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी एवं महानिदेशक, जहाजरानी, बम्बई को प्रस्तुत करेंगे।

(5) आयातक, महानिदेशक, जहाजरानी द्वारा उसकी जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र में दी गई सभी शर्तों का पालन करेंगे।

(6) इस प्रकार का माल आयात करने समय लागू कोई भी निवेश अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाले विनियम इन लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार से माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेंगे।

(7) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आयात या ऐसे किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मूलित किया या बीच प्रदान नहीं करता है, जिस आयात या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (प्रौद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी :— इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी आया है उसका वही अर्थ है जो 1988-91 की आयात-निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[फाइल सं.—आई.पी.सी. 3/2/88]

S.O. 339(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to the Actual Users engaged in ship repairing work, for import of : (i) capital goods, (ii) raw materials, (iii) components, (iv) consumables and (v) spares, from any country, except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji, subject to the following conditions :—

(1) The importer is registered with the Director General of Shipping, Bombay as a ship repairing unit ;

(2) The goods shall be imported in Customs bonded premises. The importer shall be allowed to take the imported goods outside the Customs bonded premises for the purpose of carrying out ship repairs. The items shall be brought back to the Customs bonded premises after carrying out the repairs. In respect of items consumed for the purpose of carrying out ship repairs, a periodical return shall be submitted to the Collector of Customs of the area and Director General of Shipping, Bombay. The importer shall maintain a proper account which will be open to inspection by the Chief Controller of Imports and Exports;

(3) The imported goods shall be used in repairs of ocean-going-vessels, whether Indian or foreign, in accordance with the provisions of Ministry of Finance, Department of Revenue, Notifications No. 211/83-CUSTOMS and 212/83-CUSTOMS both dated the 23rd July, 1983;

(4) At the end of each financial year, the Actual User concerned shall give an account of the items and their c.i.f. value, imported and used in the ship repairing work and the amount of foreign exchange earned in ship repairs, duly certified by the Bank, to the licensing authority concerned, and the Director General of Shipping, Bombay. This return shall be sent through the Customs Officer attached to the Unit concerned;

(5) The importer shall comply with all the conditions laid down in the Registration Certificate, issued to him by Director General of Shipping;

(6) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported;

- (7) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year" wherever appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1988-91.

[File No. IPC/3/2/88]

आदेश नं. 12/88-91

आयात सामान्य लाइसेंस नं. 12/88

दिनांक 30 मार्च, 1988

का. प्रा. 349(प्र).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) प्रविधिक 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ/फिजी के अनिवार्य किसी भी देश के सरकारी विभागों (केंद्रीय अथवा राज्य) अथवा सरकारी अथवा सरकार द्वारा नियंत्रित परियोजना में किसी भी माल के भारत में आयात की निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देता है:—

- (1) भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार विद्यमान माल का निःशुल्क आयात किया जाता है।
- (2) आयातित माल भारतीय सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के बीच किए गए संगत समझौते के अनुसार और इस संबंध में प्रशासनिक संज्ञा-य अथवा संबंधित परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाणपत्र निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा।
- (3) ऐसे माल का प्रेषण द्वारा भारत में लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को अथवा उससे पूर्व बिना किसी रियायती अवधि के चाहे तो कुछ भी हो भंडार किया जाता है।
- (4) ऐसे माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ तथा फिजी में उत्पादित अथवा विनिर्मित नहीं हो।

2. इस लाइसेंस के अंतर्गत दो सरकारों के बीच हुए समझौते के अधीन भारत में परियोजना का निष्पादन करने के लिए भारत आने वाले विदेशी विशेषज्ञों के व्यक्तिगत सामान के आयात की अनुमति भी निकासी के समय प्रशासनिक संज्ञा-य अथवा संबंधित परियोजना का इस संबंध में एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी। आयातित माल जिसका भीतर प्रमाणपत्र में दिया जाता है, भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के साथ हुए समझौते के अनुसार किया गया है। आयात इस शर्त पर भी होगा कि ज्यों ही संबंधित विदेशी विशेषज्ञ अपना कार्य पूर्ण कर भारत से जाने लगे तब (अपभोज्य माल से भिन्न) अन्य माल का पुनः निर्यात किया जाएगा।

3. यदि माल के आयात के समय उसे आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

809 GI/88-5

1. यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आयात पर ऐसा किसी भी शर्त का अवधान करने से किसी भी समय उन्मूलित रियायत या छूट प्रदान नहीं करता है जिस आयात या शर्त के लिए वास्तविक उन्मूलित (सोसायल) या आयातक अन्य कानून(नों) या विनियमों के अधीन हों। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी:— इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1988-91 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड 1) में उल्लिखित है।

[काइलस-अर्द्ध.पी.सी. 3/2/88]

ORDER NO. 12/88-91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 12/88

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 340(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to import into India from any country except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji, any goods by Government Departments (Central or State) or projects owned or controlled by Government, subject to the following conditions:—

- (i) The goods, in question, are imported free of cost, in pursuance of an agreement between the Government of India and the foreign Government concerned.
- (ii) The goods imported are in accordance with the relevant agreement entered into between the Government of India and the foreign Government concerned, and a certificate to this effect issued by the administrative Ministry or the Project Authority concerned shall be produced to the Customs Authorities at the time of clearance.
- (iii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year, without any grace period whatsoever.
- (iv) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fiji

2. Under this Licence, import will also be allowed of personal effects of foreign expert coming to India under Government to Government agreement for the execution of a project in India on production of a certificate of the Administrative Ministry or the Project Authority concerned, at the time of clearance, to the effect that imported goods (to be mentioned in the certificate) are in accordance with the agreement entered into by the Government of India with the foreign Government concerned. The import shall also be subject to the condition that the goods (other than consumables) are to be re-exported as soon as the foreign expert concerned leaves India after completion of his assignment.

3. Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

4. This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1988-91.

[File No. IPC/3/2/88]

आदेश सं. 13/88-91

खुला सामान्य लाईसेंस सं. 13/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का. आ. 341(अ) :— आयात एवं निर्यात (नियंत्रक) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका, फिजी को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन वास्तविक उपयोगिता द्वारा सरकारी राजपत्र में समय समय पर की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा यथा संशोधित आयात एवं निर्यात नीति 1988-91 (खंड 1) के परिशिष्ट-6 की सूची-1 में विख्यात हुए रत्न एवं आभूषण उद्योग के लिए अपेक्षित मशीनरी, उपकरण, परीक्षण उपकरणों, औजारों और सहायक पुर्जों के आयात के लिए सामान्य अनुमति देती है जितका सत्यापन रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किया गया हो :—

(1) आयात "वास्तविक उपयोगिता" शर्तों के अधीन होगा,

(2) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा, यदि वह माल पुराना या मरम्मत की गई मशीनों के रूप में होगा तो उसके आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जब मशीनरी 7 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और उसकी शेष आयु 5 वर्ष से कम न हो और जिस देश से आयात किया गया हो उस देश के सतदी इंजीनियर से माल की निकासी के समय इस संबंध में एक प्रमाणपत्र सीमा शुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाता हो,

(3) रत्न एवं आभूषण के पंजीकृत निर्यातक माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को अपने पंजीकरण का यह विवरण देते हुए कि वे रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के पास निर्यातक के रूप में पंजीकृत हैं और यह शपथ लेते हुए यह घोषणा पत्र प्रस्तुत करेंगे कि उक्त पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, न वापस लिया गया है, न अन्यथा रूप से अप्रभावी किया गया है। स्वर्णकारों और शिल्पकारों की सहकारिता समिति इसी प्रकार से सहकारी समिति के रूप में अपने पंजीकरण के विषय में एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगी,

(4) रत्न और आभूषण उद्योग रत्न एवं आभूषणों के लिए अनु-भंगन एवं विकास प्रयोगशालाओं से संबद्ध क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों की सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए संबंधित प्राधिकारियों को मान्यता वंशति हुए एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए,

(5) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ/फिजी में उत्पादित अथवा विनिर्मित न हो,

(6) ऐसा माल लाईसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को अथवा उसके पहले किसी भी त्रिमास के दिनांक भारत को परेषण के माध्यम से लाद दिया गया हो,

(7) उपर्युक्त शर्त सं. (6) में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाईसेंस में से की गई किसी भी मद के मामले में सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारण करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साखपत्र द्वारा समर्थित पत्रों के आदेशों के मद्दे पोन लदान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के मामलों में इस प्रकार कोई संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा,

(8) यह लाईसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा,

(9) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाईसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा,

(10) यह लाईसेंस ऐसे किसी भी आधार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति रियायत या ढील प्रदान नहीं करता है जिस आधार पर शर्तों के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) या आयात अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी :— इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाईसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाईसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1988-91 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[का. सं. आई. पी. सी.-3/2/88]

ORDER NO. 13/88-91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 13/88

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 341(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April 1988 to the 31st March, 1991, for import of machinery, equipment, testing apparatus, tools and implements, required for Gem and Jewellery Industry, appearing in List 1 of Appendix 6 of the Import and Export Policy, 1988-91 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, by Actual Users as certified by the Gem and Jewellery Export Promotion Council from any country except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji, subject to the following conditions :—

(1) The import shall be subject to "Actual User" conditions.

(2) The goods so imported shall be of new manufacture; if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years, and

evidence to this effect in the form of a certificate of a Chartered Engineer in the country from which the import is made, is produced to the satisfaction of the Customs Authority at the time of clearance.

(3) Registered Exporters of Gem and Jewellery will furnish to the Customs Authorities at the time of clearance of goods, a declaration giving particulars of his registration as an exporter with the Gem and Jewellery Export Promotion Council and affirming that such registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. A Co-operative Society of Goldsmiths and Artisans will, likewise, furnish a declaration about its registration as a Co-operative Society and certification of requirement by the Gem and Jewellery Export Promotion Council.

(4) Regional Training Institutes connected with the Gem and Jewellery Industry, Research and Development Laboratories for Gem and Jewellery, Gem Testing Laboratories shall furnish a certificate indicating recognition by the concerned authority to the satisfaction of the Customs Authority and certification of requirement by the Gem and Jewellery Export Promotion Council.

(5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fiji.

(6) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March of the licensing year, without any grace period whatsoever.

(7) Notwithstanding what has been provided in condition No. (6) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

(8) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

(9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof in force at the time when such goods are imported.

(10) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import & Export Policy (Volume I) for 1988—91.

[File No. IPC/3/2/88]

आदेश सं. 14/88—91

खुला लाइसेंस सं. 14/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का. प्र. 342(अ) :- आयात निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका फिजी, को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन: (क) सरकारी विभाग (केन्द्रीय या राज्य), (ख) विभागीय संस्थान, (ग) रेलवे, (घ) सार्वजनिक क्षेत्र में राज्य विद्युत बोर्ड/परियोजना संस्थान, और (ङ) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों को पूर्णतः माल, कच्चे माल, संघटकों उपभोग्य और प्रतिरिक्त पुर्जों का आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है:—

1. परिशिष्ट 1 भाग-क में आने वाला पूर्णतः माल और परिशिष्ट-8 में आने वाले उपकरण आयात के लिए अनुमति नहीं होंगे। अन्य पूर्णतः माल के आयात के लिए (परिशिष्ट 1, भाग-ख के अंतर्गत आने वालों को छोड़कर) महानिदेशक तकनीकी विकास की पूर्ण निकासी अनिवार्य होगी। मेरीन इलेक्ट्रॉनिक्स और दूर-संचार उपकरण सहित किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक माल के मामले में यदि ऐसे आयातों का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक हो जाता है तो इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग से पूर्ण निकासी अनिवार्य होगी।

2. जिम्मा, जुड़नारों, डाइज और नमूने (कट्टर रोलर डाइज सहित) मोल्डम (डाईकस्टिंग के लिए मोल्ड सहित) और प्रेस टूल्स का आयात भी किया जा सकता है।

3. परिशिष्ट-2, भाग-ख और 3 में आने वाले कच्चे माल, संघटकों उपभोग्य और प्रतिरिक्त पुर्जों के संबंध में महानिदेशक तकनीकी विकास और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग (यदि किसी इलेक्ट्रॉनिक माल का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक हो जाता है) से पूर्ण स्व कृति लेनी अनिवार्य होगी।

4. सरणीबद्ध मालों का आयात अनुमति होगा।

5. प्रशासकीय मंत्रालय/वित्त मंत्रालय (प्राथमिक कार्य विभाग) द्वारा दो गई विदेशी मुद्रा के मद्दे आयात किया जाएगा।

6. दूरदर्शन और आकाशवाणी, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुमोदन और उसके लिए की गई विदेशी मुद्रा के आधार पर प्रदर्शित फिल्मों, वीडियो टेप और साउण्ड टेपों के आयात के लिए भी पात्र होगा।

7. सार्वजनिक क्षेत्र के राज्य विद्युत बोर्ड/परियोजनाएं/संस्थान जो बिजली के उत्पादन में लगे हुए थे प्रशासकीय मंत्रालय/केन्द्रीय विद्युत विभाग/वित्त मंत्रालय (प्राथमिक कार्य विभाग) द्वारा दो गई विदेशी मुद्रा के मद्दे ही प्रतिरिक्त पुर्जों के आयात की सुविधा ले सकते हैं। परिशिष्ट 2, भाग ख, 3 और 10 में आने वाले प्रतिबंधित प्रतिरिक्त पुर्जों के आयात के लिए महानिदेशक तकनीकी विकास से पूर्ण निकासी अनिवार्य होगी किसी इलेक्ट्रॉनिक माल के उपबंध में यदि ऐसे आयातों का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक है तो इलेक्ट्रॉनिक विभाग की पूर्ण अनुमति लेनी अनिवार्य होगी।

8. रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक-संस्थान खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन परिशिष्ट 1, भाग ख में आने वाले पूर्णतः माल, परिशिष्ट 2, 3, 5 और 8 में आने वालों से भिन्न कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों और प्रतिरिक्त पुर्जों का आयात करने के लिए पात्र होंगे। लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान इस प्रकार के आयातों के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा तबधित मूल्य को अधिकृत विदेशी मुद्रा से अधिक मूल्य का कुल आयात नहीं

होगा और सीमाशुल्क से निकासी के समय आयातक यूनिट इस संबंध में एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा कि लाइसेंस वर्ष में संबंधित आयातक यूनिट की रक्षा सत्रालय इस उद्देश्य के लिए, कुल दो गई विदेशी मुद्रा की धनराशि से निकासी के अधीन है। जिसकी निकासी पहले हो कर की गई है, उसका मूल्य उससे ज्यादा नहीं है।

५. निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष महानिदेशक नकलीको विकास/इलेक्ट्रॉनिकी विभाग द्वारा स्वीकृत देशीय दुष्टिकोण से स्वीकृत एवं विमर्ज विदेशी मुद्रा का आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा।

टिप्पणी— इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंस वर्ष" और "अगला लाइसेंस वर्ष" का जहाँ भी संदर्भ आता है उसका वही अर्थ है जो 1988-91 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[फा. न. आदेश. पा. मा - 3/2/88]

ORDER NO. 14/88-91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 14/88

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 342(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991 to : (a) Government Departments (Central or State), (b) Departmentally run Undertakings, (c) Railways, (d) Posts, (e) Telecommunications, (f) Doordarshan, (g) All India Radio, (h) State Electricity Boards/Undertakings/Projects under the public sector, and (i) Public Sector Industrial Undertakings under the Ministry of Defence, to import Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares from any country except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji, subject to the following conditions :—

(1) Capital Goods appearing in Appendix 1 Part A and Instruments appearing in Appendix 8 will not be allowed for import. For import of other Capital Goods (except those appearing under Appendix 1 Part B) prior clearance of DGTD will be necessary. In the case of any electronic items including marine electronics and communication equipment, prior clearance from the Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs.

(2) Import of jigs, fixtures, dies and patterns (including contour roller dies) moulds (including moulds for diecasting) and press tools can also be made.

(3) In respect of raw materials, components, consumables and spares appearing in Appendices 2, Part B and 3, prior clearance from DGTD and Department of Electronics (if the value of any electronic item exceeds Rs. 25 lakhs) will be necessary.

(4) Import of canalised items will not be allowed.

(5) Import is made against foreign exchange released by the Administrative Ministry/Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) for the purpose.

(6) Doordarshan and All India Radio shall also be eligible to import exposed films, video tapes and sound tapes on the basis of approval of the Ministry of Information and Broadcasting and release of foreign exchange therefor.

(7) State Electricity Boards/Projects/Undertakings in the Public Sector and engaged in the production of electricity will have the facility for import of spares only against release of foreign exchange by the Administrative Ministry/Central Electricity Authority/Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). Prior clearance from DGTD will be necessary for import of Restricted Spares appearing in Appendices 2 Part B, 3 and 10. In respect of any electronic item prior clearance of Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs.

(8) Public Undertakings under the Ministry of Defence will be eligible to import under Open General Licence Capital Goods appearing in Appendix 1 Part B; raw materials, components, consumables and spares other than those appearing in Appendices 2, 3, 5, and 8. The total value of imports shall not exceed the foreign exchange allocated to the industrial unit concerned by the Ministry of Defence for the purpose of such imports during the licensing year and at the time of clearance through Customs, the importer unit shall submit a declaration to the effect that the value of goods under clearance/already cleared does not exceed the total amount of foreign exchange released for the purpose by the Ministry of Defence to the importing unit concerned for the licensing year.

(9) Necessary evidence of release of foreign exchange and indigenous clearance from DGTD/Department of Electronics as mentioned above will be required to be produced to the Customs Authorities at the time of clearance.

IFile No. IPC/3/2/881

आदेश संख्या 15/88-91

श्रुता सामान्य लाइसेंस सं. 15/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

फा. मा. 343 (ख)—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा-3 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा या संशोधित केन्द्रीय सरकार पत्रद्वारा इस प्रदेश से संलग्न अनुसूची में विशिष्टीकृत विवरण के माग का अधिनियम अफेका संघ/वसिणी पश्चिमी अफ्रीका/फोजी का छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन होती है:—

(1) क्रम सं. 1 में शामिल "अध्यापन साहित्य" के मामले को छोड़कर इस आदेश से संलग्न अनुसूची में शामिल अन्य सभी मर्चें किसी भी व्यक्ति द्वारा स्टॉक करने के लिए आयात की जा सकती हैं।

(2) "अध्यापन साहित्य" के मामले में आयात की अनुमति केवल साम्यताप्राप्त शैक्षिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और अनुसंधान संस्थानों, इन संस्थानों के पुस्तकालयों, केन्द्रीय या राज्य सरकार के विभागों, अनुसंधान और विकास कार्यों में लगी हुई औद्योगिक यूनिटों, पंजीकृत चिकित्सकों, ग्रन्थालयों

परामर्शदाताओं, मान्यताप्राप्त वाणिज्य मंडलों, उत्पादकता परिषदों, प्रबंध संघों और व्यावसायिक निकायों को उनके निजी उपयोग के लिए दी जाएगी। फिल्मों के आयातक (चाहे वैज्ञानिक या वीडियो हो) तकनीकी सहायता के रूप में फिल्म मेंसुर के केन्द्रीय बोर्ड से प्राप्त एक प्रमाण-पत्र की आयातित फिल्म में "पूर्णतया शिक्षाप्रद" है सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा।

- (3) दालों के मामले में, सभी पात्र निर्यातकों को भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) के पाम स्वयं को पंजीकृत करना होगा। आयात तभी किए जाएंगे जबकि ऐसे पंजीकरण के साध्य के रूप में संबंधित संबिदा पर नेफेड द्वारा मुहर लगा दी गई हो। हम उद्देश्य के लिए अनुबंध की प्रति नेफेड को दी जानी चाहिए। वे उसकी एक प्रति के प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत मुहर लगाकर आयातक को लौटा देंगे। जो माल की निकासी के समय सीमाशुल्क कार्यालय को प्रस्तुत की जाएगी।

- (4) शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकों के आयात के मामले में निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी :-

- (क) विदेशी संस्करण की उन पुस्तकों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी जिनके प्राधिकृत भारतीय पुनः मुद्रण के संस्करण उपलब्ध हैं।
- (ख) शिक्षा मंत्रालय नई दिल्ली की पूर्ण लिखित विशेष अनुमति के बिना भारतीय प्रकाशनों के विदेशी पुनः मुद्रणों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (ग) भारतीय समुद्र तट के केवल ऐसे ही परिवहन संबंधी चार्टों के आयात की अनुमति दी जाएगी जिनकी संख्या हाइड्रोग्राफर, भारत सरकार, देहरादून द्वारा विशेष रूप से निवासी कर दी गई हो।
- (घ) विदेशों में प्रकाशित पुस्तकों के यथाधिकृत पुनः प्रकाशनों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीमा शुल्क के माध्यम से निकासी के समय, आयातक यह वशति हुए एक घोषणापत्र प्रस्तुत करेगा कि आयातित पुस्तकों में वे पुस्तक शामिल नहीं है, जो आयात निर्यात नीति, 1985-88 में अनुमति नहीं है।
- (ङ) पुस्तक का संपूर्ण भाग बनाने वाली रिकार्ड/प्रो-रिकार्डिड आडियो तथा विडियो कैसेट/विडियो डिस्क तथा प्रो-रिकार्डिड फ्लोपी डिस्क का आयात जो कि पूर्णतया शिक्षाप्रद है किसी भी संगठन/संस्थान द्वारा किया जा सकता है, बशर्ते कि पूनिकर्ता ने प्रमाणित किया हो कि रिकार्ड/प्रो-रिकार्डिड कैसेट/वीडियो डिस्क/प्रो-रिकार्डिड फ्लोपी डिस्क जिससे मिलकर पूरी पुस्तक बनती हो तथा संबंध बोजक में रिकार्ड/प्रो-रिकार्डिड आडियो एवं विडियो कैसेट/प्रो-रिक/डिड फ्लोपी डिस्क या विडियो डिस्क का ब्यापार दिया हो। निकासी के समय, आयातक को इस आशय का एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करना होगा कि आयातित पुस्तकों में वे पुस्तक शामिल नहीं है जो कि आयात नीति 1988-91 में अनुमति नहीं है।

- (3) शोध संघों के मामले में, जहां कहीं आवश्यक हो, शोध एवं श्रंगार प्रावधान सामग्री अधिनियम, 1940 के अधीन वैश्व लाइसेंस रखने की आवश्यकता पूर्ण कर देनी चाहिए।

- (6) खजूरो, हार्मोपेयिक औषधियों, कैसर निरोधक भेषजों, जीवन रक्षक भेषजों और अपरिष्कृत भेषजों के मामले में, परम्परागत छोटे पैमाने का भी आयात अनुमति होगा।

- (7) इस प्रकार आयात किया गया माल वसिणी घड़ों/विडियो पश्चिमी अफ्रीका मंच/फीन में उत्पादित या विनिर्मित न हो।

- (8) ऊर्जा खचत/संरक्षण उपस्करों जिसमें ऊर्जा के नवीकरण और परिवर्तक पर काम करने/प्रयोग करने के सिस्टम और डिवाइस भी शामिल हैं। जहाँ आयातक को नाना कन्वेंशन एनर्जी स्रोत विभाग, ब्लॉक नं० 14, लोधी रोड, सी.जी. ओ. कम्प्लेक्स, नई दिल्ली-3 को सीमाशुल्क से माल की निकासी के 15 दिनों के भीतर आयातित उपस्कर से संबंधित निम्नलिखित सूचना भेजना होगा :-

- (1) आयातित उपस्कर का विवरण
- (2) उसका - लागत - बामा - माडा मूल्य
- (3) आयातित उपस्कर पर चुकाई गई सीमा शुल्क कर की धनराशि
- (4) वह देश जिससे आयात किया गया।

- (9) केवल उन व्यक्तियों, जो कि इन्सैटोमाइड अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत पंजीकृत हैं को द्वारा जिनलिंक एमिड का रियायती अनुमित किया जाएगा

- (10) ऐसा माल भारत को परेषण के माध्यम से किसी भी रियायती अवधि के बिना लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या उससे पहले पोत पर लाया गया हो।

- (11) उपर्युक्त शर्तें सं. 10 में दी गई अवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में, सरकार को किसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिनके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की सारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय सखपत्र द्वारा समर्थित पक्के आदेश के मद्दे पोतदस्तान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में ऐसा संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा।

- (12) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त सं. 1 के भी अधीन होगी।

- (13) यदि किसी माल के आयात के समय लागू उसके आयात को प्रभाव करने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होने तो उस पर इस लाइसेंस का कोई प्रभाव नहीं होगा।

- (14) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आधार पर या ऐसा किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मूलित, रियायत या डील प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातक को उनके लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पता करना चाहिए।

टिप्पणी :- इस आदेश के प्रयाचनाय "लाइसेंसिंग वर्ष" और "प्रगत लाइसेंसिंग वर्ष" जहाँ भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1988-91 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड 1) में उल्लिखित है।

[फा. सं. आई. पी. सी. 3/2/88]

राजीव लालन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

सूचना सामान्य व हर्षेय म. 15/88 दिनांक 20 मार्च, 1988 के लिए अनुसूची

1. निम्नलिखित अध्यापन सहायक सहित

(1) शैक्षिक कृति की रीडर एवं प्रिटर के सहित या बिना साइको-फिल्म और साइको फ़िजिज ; और

(2) ओडियोकैसेट के साथ या बिना शैक्षिक प्रकृति के फिल्म स्ट्रिप्स सलाइड्स ; शैक्षिक प्रकृति के ओडियो कस्सेट/वीडियो टेप्स और शैक्षिक प्रकृति की वीडियो डिस्कें ।

2. बैल टाइपराइटर सहित धन्धे व्यक्तियों के लिए अपेक्षित औजार और उपकरण

3. शैक्षिक वैज्ञानिक तथा तकनीकी पुस्तकें तथा पत्रिकाएं (विषय की एक निर्देशी सूची आयात-निर्यात नीति 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-5 की सूची-7 में दी गई है) समाचार पत्रिकाएं तथा समाचार पत्र ।

4. आयात और निर्यात नीति 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची-2 में आने वाले जीवनदायक उपकरण और उनके अतिरिक्त पुर्जें ।

5. परिवार कल्याण उपस्कर यत्न उपकरण अर्थात् निम्नलिखित :-

(1) (क) लप्रोस्कोप ,

(ख) कण्ड स्कॉप ;

(ग) हाइस्ट्रो-स्कॉप .

(घ) वैयक्म संकशत एपरेट्स

(ङ) उनके उपसहित और अतिरिक्त पुर्जें गै. और

(2) रबड़ कंट्रासेप्टिव यंत्र (केवल डाय फामास),

(3) इन्ट्रो-टेरिन कंट्रासेप्टिव यंत्र (रंगीन कंडाम्स, द्रायाकराम, जेली और फोम टिकिया, भारत के औषध नियंत्रक, नई दिल्ली द्वारा यथा अनुमोदित ।

(4) क्लेपिक रिग्स (सिलास्टिक बैण्डस)

6. आयात निर्यात नीति, 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची 3 में आने वाले परिष्कृत भेषज की परीक्षण, जीवनदायक और कैसर रोगी भेषज ।

. परिष्कृत रूप में होम्योपैथिक औषधियां या मूल रूप में और/वा किसी भी पोटेंसी के होम्योपैथिक भेषज (मिगल) 'बुध चीनी' सहित बोक में और बायोकेमिकल औषधियां ।

8. आयात निर्यात नीति 1988-91 (खंड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची-4 के अनुसार आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियां बनाने के लिए अपेक्षित अपरिष्कृत भेषज (जड़, मोतियों और मृगों के आयात की अनुमति केवल पूर्ण रूप में और केवल गैर आभूषण किस्म के लिए दी जाएगी ।

9. बाल

10. निम्नलिखित ममाल:-

(1) दातचीनी/तेजपात

(2) लीय

(3) जायफल

(4) जावित्री

11. खजूर (मीले या सूखे) भारतीय पात लाशनों द्वारा आयातित

12. सैबा नमक

13. (1) निम्नलिखित एक्स-रे फिल्में (चिकित्सा)

(1). साइन एनियोग्राफिक फिल्में

(2) कापिंग फिल्में (एक्स-रे रेडियोग्राफ कापिंग के लिए)

(3) वस्तु एक्स-रे फिल्में

(4) बिना स्क्रीन के उपयोग की जाने वाली फिल्में

(5) लो-डीज मेमो-ग्राफिक फिल्में

(6) माल मिनेएनरर फिल्म

(6) इप्लीकेटिंग फिल्मों के लिए 35 मि.मि. नेगेटिव और रिजर्वेशन किस्म की फिल्में

(8) परसोनल अनुभवण में फिल्म

(9) चैन्जर्व के उपयोग के लिए विशेष फिल्म की फिल्में एक्स-रे

(10) फेट स्कैनर्स के लिए एक्स-रे फिल्म

(2) एरो ग्राफिक फिल्में

(3) फोटो टाइप साइट ग्रा. सी/स्टेबिलाइजेशन पेपर

(4) मुद्रण उद्योग के लिए थर्मा ग्राफिक पोलिमिड रेजिंग और एम्बोसिंग पाउडर

(5) साइको-फाइल फिल्में

(6) उनफा रंस और माल्टा वायलेंट फिल्में

(7) गुर्दे शल्य चिकित्सा फिल्में

14. हाथ षड़ी/दीवार षड़ी और टाइम पोस के लिए स्नेह तेल

15. फिटिंग ब्रुस

16. (क) 16 एम. एम. या कम के गेज में शैक्षिक एवं निर्देशात्मक फिल्में (विडियो फिल्मों सहित) जो कि केन्द्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड द्वारा "प्रो-डोमोनेंटली शिक्षाप्रद" प्रमाणित किया गया हो ।

(ख) 16 एम. एम. या कम के गेज में विडियो फिल्मों सहित बच्चों की फिल्में जो कि लम्बाई में 800 मीटर या कम हों तथा केन्द्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड द्वारा "बच्चों की फिल्म" के रूप में प्रमाणित की गई हो ।

17. फोटो-ग्राफिक फिल्में (रंगीन)

18. फोटो ग्राफिक कलर पेपर

19. 120 साइज रोल्ल्स से विश्व फोटोग्राफिक फिल्में (सादा)

20. माया सीखने के लिए रिकार्ड

21. रुद्राक्ष मनके

22. निम्नलिखित मिनेमैटोग्राफिक फिल्में अनुप्रतिरिक्त:-

(1) 8 एम. एम. (रंगीन) और

(2) 8 एम. एम. (सादा नेगेटिव)

23. 1988-91 की आयात निर्यात नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 म सूची सं. 6 के अनुसार वस्तु सामग्री ।

24. आयात निर्यात नीति, 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची 9 के अनुसार आकालमिक मदें ।

25. ओशन जनरेटिंग अपरेट्स

26. रमोक सीटर्स-ड्राइज और बोस्च टाइप-आटोमोबाइल इगजास्ट के लिए

27. आटोमोबाइल इगजास्ट के लिए वाहनीय इगजास्ट से आने वाले सी. ओ., एच सी, एन ओ एम, सी ओ, (इन पॉलेटेड्स के एक या अधिक) के माप के लिए—इगजास्ट गैस एनेलाइजर्स।

28. निम्नलिखित ऊर्जा के नवीकरणीय और परिवर्तक स्त्रोतों पर काम करने/प्रयुक्त करने के सिस्टम और डिवाइस सहित ऊर्जा बचत/संरक्षण उपस्कर:—

- (1) वायु चालक जेनरेटर
- (2) सौर ऊर्जा उपस्कर
- (3) आटोमैटिक इलेक्ट्रॉनिक ट्रैकिंग टाइप के लिए वैरायलिक फोटोस्टैग सिस्टम जिनमें फोटो इलेक्ट्रॉनिक सेंसर भी शामिल है।
- (4) पोटेंसियल एगजास्ट गैस और फ्यूअर एनालाइजर
- (5) स्टीम ट्रिप लीक डिटेक्टर
- (6) थर्मोडायनमिक लीक डिटेक्टर
- (7) मोलर हीट कंट्रोल फिल्म
- (8) विड पम्प

29. आयात-निर्यात नीति, 1988-91 (खंड 1) के परिशिष्ट 2, 3, भाग क, 8 और 10 में सम्मिलित पुराने को छोड़कर अनिश्चित पुराने:—

- (1) मुद्रण मशीनरी,
- (2) मशीनी औजार धातु, लकड़ी, काच और प्लास्टिक को काटने, कूटने, घिसने और पालिश करने के लिए, जिनमें भी मानक या अनुषंगी उपस्कर सहित।
- (3) निम्नलिखित सहित सिनेमाटोग्राफिक उपस्कर:—
 - (i) पिकचर और साउन्ड प्रिंटिंग लैम्पस
 - (ii) प्रोजेक्शन लैम्पस-पैमोन या टंगस्टन
 - (iii) सिनेमास्कोप लैम्पों सहित लैंस/जूम लैस
 - (iv) प्रोजेक्शन बाल्बूम इंडीकेटर्स
 - (v) 10 के बी, 0 के बी, 2 के बी, 1 के बी तथा 500 वाट क्षमता के स्टूडियो लैम्पस।
- (4) ट्रायर्स

30. आऊट बोर्ड मोटर्स

31. 1988-91 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट 2, 3, 5 और परिशिष्ट-6 की किसी भी सूची में उल्लिखित से विभिन्न प्रयोगशाला और रीजेंट केमिकल्स

32. गिबबरीलिक एसिड

1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to import into India from any country except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji goods of the description specified in the Schedule annexed to this Order, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions :—

- (1) Except in the case of "Teaching Aids" covered by Serial No. 1, all other items covered by the Schedule annexed to this Order, may be imported by any person, for stock and sale purpose.
- (2) In the case of "Teaching Aids", import will be allowed only by recognised educational, scientific, technical and research institutions, libraries of such institutions, Central or State Government Departments, industrial units engaged in Research and Development work, registered medical institutions, hospitals, consultants, recognised Chambers of Commerce, productivity councils, management associations and professional bodies, for their own use. Importers of films (whether scientific or video) as teaching aids, shall produce to the Custom authorities a certificate from the Central Board of Film Certification that the films imported are 'predominantly educational'.
- (3) In the case of pulses, all eligible importers shall be required to register their contracts with the National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India (NAFED). Import shall be made only after the connected contracts have been stamped by NAFED as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the NAFED; they will return one copy to the importer, duly stamped on each page, for production to the Customs at the time of clearance of goods.
- (4) In the case of import of educational, scientific and technical books, the following conditions shall apply :—
 - (a) Import of foreign edition of books for which editions of authorised Indian reprints are available, will not be allowed.
 - (b) Import of foreign reprints of Indian publication will not be allowed without a specific prior written permission of the Ministry of Education, New Delhi.
 - (c) Import of only such navigational charts of Indian coastlines will be allowed as are specifically cleared by the Chief Hydrographer to the Government of India, Dehradun.
 - (d) Import of unauthorised reprints of books published abroad will not be allowed.
 - (e) Import of records/pre-recorded audio and video cassettes/video disks and pre-recorded floppy disks forming an integral part of the book which are of purely educational nature can be made by any

ORDER NO. 15/88-91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/88

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1988

S.O. 343(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the

organisation/institution subject to the condition that the supplier has certified that records/pre-recorded cassettes/video disks/pre-recorded floppy diskettes form an integral part of the book and the connected invoice indicates the details of the records/pre-recorded audio and video cassettes/pre-recorded floppy diskettes or video disks.

At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish a declaration to the effect that the books imported do not include those which are not allowed as per Import and Export Policy (Volume I), 1988—91.

- (5) In the case of drug items, the requirements regarding possession of a valid licence under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, wherever necessary, should be complied with.
- (6) In the case of dates, homeopathic medicines, anticancer drugs, life saving drugs and crude drugs, import will also be allowed in traditional small packing.
- (7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fiji.
- (8) In the case of energy saving/conservation equipment including systems and devices working on/used for Renewable and Alternate Sources of Energy, the importer shall furnish to the Department of Non-Conventional Energy Sources, Block No. 14, Lodi Road C.G.O. Complex, New Delhi-110003, the following information pertaining to the equipment imported within 15 days of the clearance of goods from Customs :
 - (i) Description of the equipment imported ;
 - (ii) Its c.i.f. value ;
 - (iii) Amount of customs duty paid on the imported equipment ;
 - (iv) Country from which imported.
- (9) Import of Gibberellic Acid will be allowed only by persons having valid registration under the Insecticides Act, 1968.
- (10) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year, without any grace period, whatsoever.
- (11) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (10) above in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in the case of other types of orders.

(12) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.

(13) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

(14) This Licence does not confer any immunity exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1988—91.

(Issued from File No. IPC/3/2/88)

SCHEDULE TO OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/88 DATED : THE 30TH MARCH, 1988

1. Teaching Aids, the following :

- (i) Microfilms and Microfiches of educational nature with or without readers-cum-printers; and
- (ii) Film strips/slides of educational nature with or without audio cassettes, audio cassettes/video tapes of educational nature and video discs of educational nature.

2. Instruments and equipment required by blind, including Braille type-writers.

3. Educational, scientific and technical books and journals/an illustrative list of subjects is given in List No. 7 of Appendix-6 of Import and Export Policy, 1988—91 (Volume I), news magazines and newspapers.

4. Life-saving Equipment appearing in List No. 2 of Appendix-6 of Import and Export Policy, 1988—91 (Volume I) and their spares.

5. Family welfare equipment/instruments, appliances, namely, the following :—

- (i) (a) Laproscope ;
- (b) Culdscope;
- (c) Hysteroscope;
- (d) Vacuum Suction apparatus ;
- (e) Accessories and spares of the above items ;

(ii) Rubber contraceptives (diaphragms only).

- (iii) Intrauterine contraceptive devices, coloured condoms, diaphragms, jolly and foam tablets, as approved by Drugs Controller of India, New Delhi; and
- (iv) Falope rings (silastic bands),
- 6. Finished drug preparations, life saving and anticancer drugs appearing in List No. 3 in Appendix 6 of the Import and Export Policy for 1988-91 (Volume I).
- 7. Homoeopathic medicines in finished form of Homoeopathic drugs (single) in basic form and/or of any potency, including Sugar of Milk in bulk and biochemic medicines.
- 8. Crude drugs required for making Ayurvedic and Unani medicines, as appearing in List No. 4 in Appendix 6 of Import and Export Policy for 1988-91 (Volume I) (Import of jade, pearls and corals will be allowed only in powder form and of non-jewellery quality only).
- 9. Pulses.
- 10. Spices, the following :—
 - (i) Cinnamon/Cassia.
 - (ii) Cloves.
- (iii) Nutmeg.
- (iv) Mace.
- 11. Dates (Wet or dry) (imported by Indian sailing vessels).
- 12. Rock Salt.
- 13. (i) X-Ray films (medical), the following :
 - (1) Cine angiographic films.
 - (2) Copying films (for copying X-ray radiograph).
 - (3) Dental X-ray film.
 - (4) Films for use without screens.
 - (5) Lo-dose mammographic films.
 - (6) Mass miniature film.
 - (7) 35mm negative and reversal types for duplicating films.
 - (8) Personal monitoring films.
 - (9) Special types of X-ray films used for changers.
 - (10) X-ray films for car scanners.
- (ii) Aero-graphic films.
- (iii) Photo type setting RCIStabilisation paper.
- (iv) Thermo graphic polyimid raising and embossing powder for printing industry.
- (v) Microfile films.
- (vi) Infra-red and ultra-violet films.
- (vii) Kidney surgery films.
- 14. Lubricating oils for watches, clocks, time-pieces and house service meters.
- 15. Fishing hooks.
- 16. (a) Educational and instructional films (including video films) in a gauge of 16 mm. or less certified by the Central Board of Film Certification to be "pre-dominantly educational".
- (b) Children's films including video films in 16 mm. gauge or less of 800 metres or less in length certified by the Central Board of Film Certification to be "Children's films".
- 17. Photographic films (colour).
- 18. Photographic colour papers.
- 19. Photographic films (black and white) other than 120 and 620 size rolls.
- 20. Records for learning languages.
- 21. Rudraksha beads.
- 22. Cinematographic films, not exposed, the following :—
 - (i) 8mm (colour) and
 - (ii) 8mm (black and white negative).
- 23. Dental items as per List No. 6 in Appendix 6 of Import and Export Policy for 1988-91 (Volume I).
- 24. Items of ophthalmic use as per List 9 in Appendix 6 of Import and Export Policy, 1988-91 (Volume I).
- 25. Ozone generating apparatus.
- 26. Smoke metres—Hurtrige and Bosch Types—for automobile exhaust.
- 27. Exhaust Gas Analysers for measurement of CO, HC, NOX, CO₂ (one or more of these pollutants) coming from vehicular exhaust—for automobile exhaust.
- 28. Energy saving[conservation] equipment including systems and devices working on/used for Renewable and Alternative Sources of Energy, the following :—
 - (i) Wind driven generators.
 - (ii) Solar Energy equipment.
 - (iii) Parabolic focussing systems of the automatic electronic tracking type, including photo-electric sensors.
 - (iv) Portable exhaust gas and combustion analysers.
 - (v) Steam trap leak detector.

- (vi) Ultrasonic leak detector.
- (vii) Solar heat control films.
- (viii) Wind pumps.

29. Spares, except those included in the Appendices 2, 3 Part A, 8 and 10 of Import and Export Policy, 1988—91 (Volume I) of :

- (1) Printing machinery.
- (2) Machine tools for cutting forming, abrading and polishing metals, wood, glass and plastic including any standard or ancillary equipment, and
- (3) Cinematographic equipment including the following :—
 - (i) Picture and sound printing lamps.
 - (ii) Projection lamps—Xanon or tungsten.
 - (iii) Lenses|zoom lenses including cinemascope lenses.
 - (iv) Projection volume indicators.
 - (v) Studio lamps of capacity 10 KW, 5 KW, 2 KW, 1 KW and 500 watts.

(4) Trawlers.

30. Cut beard Motors.

31. Laboratory and Reagent Chemicals other than those appearing in Appendices 2, 3, 5 and in any of the Lists of Appendix 6 of the Import and Export Policy, (Volume I) for 1988—91.

32. Gibberellic Acid.

आदेश सं. 16/88--91

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 16/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का.प्र. 344(प्र) :—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके समय समय पर यथा संशोधित, इसके साथ संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट विवरण की मदों आ बसिणी अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ/फिजी को छोड़कर निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी देश से आयात की सामान्य अनुमति देती है :—

(1) पाल्ट्री बैक्टीरिया के आयात के मामले में :—

- (1) सीमाशुल्क से माल की निकासी के समय आयातक पशुपालन प्रायुक्त, भारत सरकार, कृषि विभाग से (विवरण/मात्रा/मूल्य) की अनिवार्यता के संबंध में एक विशिष्ट सिफारिश पत्र प्रस्तुत करेगा।
- (2) सब्सिडी आयातक, सीमाशुल्क, से प्रेषण की निकासी के 15 दिनों के भीतर कृषि विभाग को आयातित मदों, उनकी मात्रा और उनके लागत बीमा भाड़ा मूल्य के व्यौरों के संबंध में सूचना भेजेगा।
- (3) आयातित माल सम्बन्धित कुपट फार्म/अण्डजशाला के हार्थों में "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन होगा।

(2) प्रोस्टाग्लोडिन पी जी-2 एनका के मामले में आयातक को निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को पशुपालन प्रायुक्त, नई दिल्ली द्वारा जारी किया गया "अनिवार्यता प्रमाण-पत्र" प्रस्तुत करना होगा।

3. चिकित्सा गैस सिलिंडरों के मामले में आयात की स्वीकृति उन वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) की दी जाएगी जिनके पास चिकित्सा गैस (आक्सीजन) और नाइट्रस आक्साइड के विनिर्माण के लिए औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण है और उनके पास अधिपक्ष तथा श्रृंगार प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अधीन जारी किया गया वैध लाइसेंस है। यह निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा :—

- (1) आयातित चिकित्सा गैस सिलिंडरों का उपयोग केवल चिकित्सा प्रयोजनार्थ चिकित्सा गैस कम्प्रेसिंग और सप्लाय के लिए हो होगा।
- (2) आयात किए जाने वाले सिलिंडरों और इसमें लगे वाल्व मुख्य नियंत्रक, विस्फोटक द्वारा अनुमोदित होने चाहिए और गैस सिलिंडर नियम, 1981 के अधीन उपयोग के लिए स्वीकृत हों।
- (3) गैस के आधानों के रूप में आयातित गैस सिलिंडरों ऐसी सामग्री से निर्मित होने चाहिये जो सामान्यतः ऐसी गैसों के लाने से जाने में प्रयुक्त की जाती है।
- (4) आयातक मुख्य नियंत्रक, विस्फोटक से गैस सिलिंडर नियम, 1981 के अधीन अपेक्षित आवश्यक अनुमति प्राप्त करेगा।

4. अग्निशमन के लिए 15 लीटर पानी की क्षमता तक के सी और गैस सिलिंडर के मामले में उपर्युक्त पैरा 2(2) से (4) में उल्लिखित शर्तें लागू होंगी।

5. ओकन इलेक्ट्रिक मोटरों के मामले में धातु कतरन व्यापार कारपोरेशन लि./मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात द्वारा अनुमोदित कोई अन्य राज्य अधिकरण प्राप्त आयातक होगा। आयातित माल (एस.एस.टी.सी.) धातु कतरन व्यापार कारपोरेशन, सम्बन्धित अधिकरण द्वारा रखा जाएगा और प्राप्त वास्तविक उपयोगिताओं को वितरित किया जाएगा।

6. मेन्टिक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वाटर फंडीशनिंग सिस्टम के मामले में स्थानीय निकाय (म्युनिसिपल कारपोरेशन आदि) सरकारी विभाग और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र संस्थान प्राप्त आयातित होंगे।

7. ग्रेप यार्ड पेपर के मामले में प्राप्त आयातक केन्द्र या राज्य सरकार/संघ शासित क्षेत्र के कृषि विकास निगम, सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त कृषकों की सहकारिता समितियां, कृषकों के संघ होंगे। आयातित माल केवल अगूर के उत्पादकों के विवरण के लिए होगी और आयातक आयातित माल के वितरण का उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को संबंध लाइसेंस प्राधिकारियों और सरकारी प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेगा।

8. अनुसूची की क्रम सं. 7 में उल्लिखित फोटो रसायनों के मामले में (1) शाय इस्टेबलिशमेंट के लिए लागू स्थानीय कानून के अधीन पंजीकृत वास्तविक उपयोगिता और (2) राज्य उद्योग निदेशक द्वारा प्रमाणित फिल्म स्टुडियो, फिल्म संसाधन प्रयोगशालाएं और परीक्षण प्रयोगशालाएं, प्राप्त आयातक होंगे।

9. अनुसूची की क्रम सं. 8 में उल्लिखित 3/4 इंच यू मैटिक और एक इंच बीडियो केसेट/टेप के मामले में प्राप्त आयातक बीडियो साफ्टवेयर उत्पादन के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पास पंजीकृत होंगे।

10. अनुसूची की क्रम सं. 9 में उल्लिखित किसी तरह के श्री कम्प्यूटर साफ्टवेयर के मामले में निम्नलिखित आयातक प्राप्त होंगे :—

(क) अपने उपयोग के लिए सरकारी विभाग और कम्प्यूटर विनिर्माताओं सहित वास्तविक उपयोगिता।

(ख) स्टॉक और बिजली के प्रयोजन के लिए इलेक्ट्रानिकी विभाग के साथ पंजीकृत किए हुए साप्टवेयर सदन।

(ग) स्टॉक और बिजली के लिए इलेक्ट्रानिकी विभाग।

11. अनुसूची में क्रम सं. 12 के अन्तर्गत आने वाले कीटनाशी, फफूंदनाशी, घासपाननाशी के मामले में, स्टॉक और बिजली के प्रयोजन के लिए आयात केवल भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी, कृषक भारतीय सहकारी और राज्य कृषि उद्योग निगम द्वारा अनुमित किया जाएगा।

12. पाली प्रेषित चमड़े के मामले में, आयात-निर्यात के प्रयोजन के लिए इन्स्पेक्शन बालों के विनिर्माण में रत वास्तविक उपयोगिता (प्रौद्योगिक) को अनुमित किया जाएगा और राज्य व्यापार निगम की निर्यात प्रयोजन के लिए इन्स्पेक्शन बालों के विनिर्माण में वास्तविक उपयोगिताओं की वितरण के लिए अनुमित किया जाएगा। यह भी निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा :—

- (1) निर्यात के लिए इन्स्पेक्शन बालों के विनिर्माण में रत ऐसे वास्तविक उपयोगिता जो राज्य व्यापार निगम (एम टी सी) से सीधे इस मद का आयात या प्राप्त करने के इच्छुक हैं तो उन्हें अपने ठेके खेल सामान निर्यात संवर्धन परिषद (एल जी ईपी सी) के पास पंजीकृत करने अर्थात् होने। आयात केवल ऐसे पंजीकरण के साथ के रूप में एल जी ईपी सी द्वारा मोहर लगाने के पश्चात् ही किए जाएंगे। इस प्रयोजन के लिए ठेके की दो प्रतिष्ठा एल जी ईपी सी के पास भेजी जाएंगी और वे इसमें एक प्रति माल के निकासी के समय सीमाशुल्क को प्रस्तुत करने के लिए प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत मोहर लगाकर आयातक को लौटा देंगे।
- (2) आयात के समय आयातक को खेल कूद सामान निर्यात संवर्धन परिषद से सीमाशुल्क प्राधिकारी को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि निर्यात के उद्देश्य के लिए आयातक इन्स्पेक्शन बाल का विनिर्माण है।
- (3) परवर्ती संविदा के पंजीकरण के समय पाल निर्यातक को यह निविष्ट करते हुए एक घोषणा प्रस्तुत करनी होगी कि इन्स्पेक्शन बालों के निर्यात एवं विनिर्माण के प्रयोजन के लिए पहले से ही पंजीकृत संविदा के आयातित माल की उपयोगिता एवं आयात का विवरण दिया हो।
- (4) राज्य व्यापार निगम के लिए खेल कूद सामान निर्यात संवर्धन परिषद के साथ आयात संविदा का पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा।

13. क्रैफिंग के लिए, हडिगत पैगै वैन के मामले में, निम्नानुसार सीमाशुल्क प्राधिकारियों को एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसमें बैसन की स्क्रैफिंग प्राधिकृत की गई हो :—

- (1) महानिदेशक, शिपिंग, बम्बई से एक प्रमाण-पत्र जिन मामलों में बैसन उनके साथ पंजीकृत हों; (नौसेना मुख्यालय)
- (2) रक्षा मंत्रालय (नौसेना मुख्यालय) से एक प्रमाण पत्र जिन मामलों में बैसन उनके स्वयं के हों; और
- (3) पोर्ट ट्रस्ट कोस्ट गार्ड आदि के बैसन के मामले में संबंधित संगठनों से एक प्रमाण-पत्र।

14. ताजे फलों के मामले में राष्ट्रीय कृषि विभाग के डरेगा (नेफ़) द्वारा वित्त मंत्रालय (अर्थिक कार्य विभाग) द्वारा विदेशी मुद्रा की उन्मुक्ति पर ही आयात अनुमति होगा। आयातित माल को निकासी के समय नेफ़ की सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पास इसमें संबंधित आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा।

15. माल की निकासी के समय आयातक संबंध प्राधिकारी के पास माप्यता/पंजीकरण के ब्यौरे अर्थात् माप्यता/पंजीकरण प्रमाण को संभाल एवं दिनांक के ब्यौरे देने हुए सीमाशुल्क प्राधिकारी को एक घोषणा प्रस्तुत करेगा कि ऐसी माप्यता/पंजीकरण रद्द नहीं किया है या वापस नहीं लिया गया है या अन्वया रूप से अन्वयाशी नहीं किया गया है। ऐसे मामलों में जहां संबंध प्राधिकारी द्वारा अनग माप्यता/पंजीकरण सं. आवंटित नहीं की गई है तो आयातक सीमाशुल्क प्राधिकारी को संतुष्टि के लिए अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

16. आयातक इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात किए गए माल के उपयोग और उपयोग का लेखा निर्वहित पत्र में निर्वहित तरीके से रखेगा और लेख को ऐसे समय के भीतर लाइसेंस प्राधिकारी को या अन्य सरकारी प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा जो इन प्राधिकारियों द्वारा निविष्ट किया जाए।

17. इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिम अफ्रीका और किजी में उत्पन्न या विनिर्मित न हो।

18. ऐसा मान किसी भी दिवाली अर्थात्, चाहे वह जो कुछ भी हो, के बिना लाइसेंस वर्ष के 31 मार्च को या इसके पहले परेवण के माध्यम से भारत के लिए लाया गया हो।

19. उपर्युक्त शर्तें सं. 13 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोह-हित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करते खुले सामान्य लाइसेंस में से सी गई किसी मद के मामले में, सरकार को ऐसा समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अंतरिमतीय साख्य द्वारा समर्पित पत्र आदेशों के मद्दे पोट सदान किया जाता चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में कोई सुरक्षा व्यवस्था प्रदान नहीं की जाएगी।

20. यह लाइसेंस आयात (निर्यात) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 की शर्त सं. 1 के भी अधीन होगा।

21. किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

22. अन्य कानून या विनियमों के अन्तर्गत वास्तविक उपयोगिता को जो अनिवार्यता या अनुपालन पूर्ण करने हैं, यह लाइसेंस उनके कोई उन्मुक्ति, छूट या रियायत किसी भी समय प्रदान नहीं करता है। आयातकों को सभी अन्य कानूनों के उल्लंघनों का पालन करना चाहिए जो उन पर लागू हैं।

टिप्पणी : इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "आगत लाइसेंसिंग वर्ष" का जहां भी संदर्भ आता है उनका वही अर्थ है जो 1988-91 की आयात एवं निर्यात नीति खण्ड-2 में उल्लिखित है।

ह/-

(राजीव सोहन मिश्र)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

[काहल सं. आई.पी.सी. 3/2/88 से जारी]

खुले सामान्य लाइसेंस सं. 16/88-91 दिनांक : 30 मार्च, 1988

की अनुसूची

1. पाहट्टी बेकसीन (सभी किस्में)

2. 10.2 पीटर पानी की श्रमता और कम श्रमता के मेडिकन गन सिस्तेन्डर

3. अग्नि शमकों के लिए 15 लीटर तक की पानी की क्षमता वाले डाइक्लोमेट गैस सिलिंडर
4. ब्रोकन इलेक्ट्रिक मोटर्स
5. मैग्नेटिक/इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वांटर कंडीशनिंग सिस्टम
6. ग्रेप गार्ड पेपर
7. फोटोग्राफिक केमिकल्स-डिजेलपरस, फिक्सचरस, इन्टेन्सिफायरस, रिड्यूसरस, टोनर्स और क्लीनिंग एजेंट्स।
8. 3/4 इंच यू.एन.ए. और एक इंच वीडियो कैसेट/टैप्स
9. किसी भी डिजा में कम्प्यूटर साफ्टवेयर, जिसमें 50 रुपये या उससे कम के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य प्रति जिसके सहित 'के' होपी डिस्कट साफ्टवेयर शामिल हैं।
10. पोलिम्युरीयेन लेडर
11. बैंकिंग के लिए इंडियन प्लेन बैसल
12. निम्नलिखित कीटनाशी, फफूंदीनाशी और वासपात नाशी :—
 - (1) मोनोप्रोटोफोस
 - (2) मिथाइल पैराथियोन
 - (3) डिमिथोमेट
 - (4) बी. एच. सी.
 - (5) मेलथियोन
 - (6) एन्डोसल्फान
 - (7) फॉरेट
 - (8) डिथेन
 - (9) जिनेब
 - (10) मातेब
 - (11) थिराम
 - (12) 2, 4-डी
 - (13) झूटी-क्लोरो
 - (14) डेथियोकार्ब
 - (15) आइसोप्रोट्युरोन
13. ताजे फल
14. प्रोस्टाग्लैंडिन पी जी एक 2 एल्का

[फाइल सं. आई पी सी 3/2/88 से जारी]

ORDER NO. 16/88-91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 16/88

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1988

S.O. 344(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, for importor the items of description specified in the Schedule annexed hereto as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette from any country except the Union of South

Africa, South West Africa and Fiji, subject to the following conditions :—

(1) In the case of import of poultry vaccines :—

- (i) The importer shall, at the time of clearance of goods from the Customs, furnish a specific recommendation from the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India, Department of Agriculture, New Delhi regarding the essentiality of the material (description|quantity|value) to the party concerned.
- (ii) The importer concerned shall, within 15 days from the date of the clearance of the consignment from Customs send to the Department of Agriculture, New Delhi, particulars of the items imported, their quantity, and c.i.f. value.
- (iii) The imported material shall be subject to the "Actual User" condition at the hands of the poultry farm/hatchery concerned.

(2) In the case in Prostaglandin PGF2 Alpha, the eligible importer shall produce to the Customs authorities, at the time of clearance an 'Essentiality Certificate' issued by the Animal Husbandry Commissioner, New Delhi.

(3) In the case of medical gas cylinders, import shall be allowed to Actual Users (industrial) having Industrial Licence/Registration for manufacture of medical gas (oxygen) and nitrous oxide and having valid licence issued under the Drugs and Cosmetics Act, 1940. It shall also be subject to the following conditions :—

- (i) Imported medical gas cylinders shall be used only for medical purposes for compressing and supplying medical gas.
- (ii) Cylinders and valves fitted thereto to be imported must be of a type as approved by the Chief Controller of Explosives and accepted for use under the Gas Cylinders Rules, 1981.
- (iii) Gas cylinders imported as containers of gas must be made of such material as is normally used for transporting such gases.
- (iv) The importer shall obtain necessary permission from the Chief Controller of Explosives as required under the Gas Cylinder Rule 1981.

(4) In the case of CO2 Gas Cylinders upto 15 litre water capacity for fire extinguishers, the condition referred to in sub-para 3 (ii) and (iv) above shall apply.

(5) In the case of Broken Electric Motors, the eligible importer will be Metal Scrap Trade Corporation Ltd. any other State agency approved by CCI&E, New Delhi. The imported material shall be salvaged by concerned agency and distributed to the eligible Actual Users.

(6) In the case of Magnetic|Electromagnetic Water Conditioning System, the eligible importers shall be Local Bodies (Municipal Corporations etc.), Government Departments and other Public Sector Undertakings.

(7) In the case of Grape Guard Paper, the eligible importers will be Agriculture Development Corporation of the Central or State Government/Union Territory, Cooperative Societies of Farmers and Associations of Farmers, recognised by Government. The imported material shall be for distribution to Grape growers only and the importer shall maintain proper account of distribution of the imported goods and produce such account to the licensing authority and other concerned Government authorities.

(8) In the case of photographic chemicals referred to in Serial No. 7 of the Schedule, the eligible importers will be (i) Actual Users registered under the local law applicable to Shops and Establishments and (ii) Film Studios, Film Processing Laboratories and Testing Laboratories certified as such by the State Director of Industries.

(9) In the case of 3/4 inch U-matic and 1 inch video cassettes/tapes referred to in Serial No. 8 of the Schedule the eligible importers will be units registered with the Ministry of Information and Broadcasting for video software generation.

(10) In the case of computer software in any media referred to in Serial No. 9 of the Schedule the eligible importers will be :—

- (a) actual users, including Government Departments, and computer manufacturers for their own use;
- (b) Software Houses registered with the Department of Electronics for the purpose of stock and sale.
- (c) Department of Electronics for stock and sale.

(11) In the case of Insecticides, Fungicides, Weedicides covered by Serial number 12 in the Schedule, import will be allowed only by Indian Farmers Fertiliser Co-operatives, Krishak Bharati Co-operative and State Agro-Industries Corporations, for stock and sale purpose.

(12) In the case of Polyurethane leather import shall be allowed to actual users (industrial) engaged in the manufacture of inflatable balls for the purpose of exports, and STC for distribution to actual users for manufacture of inflatable balls for export purposes. It shall also be subject to the following conditions:—

- (i) Actual Users engaged in the manufacture of inflatable balls for exports who wish to import directly or procure the item from State Trading Corporation (STC) shall be required to register their contracts with the Sports Goods Export Promotion Council (SGEPC).

Imports shall be made only after the connected contract has been stamped by SGEPC as evidence of such registration. For this purpose two copies of the contract shall be lodged with the SGEPC, and they will return one copy to the importer duly stamped on each page for production to the Customs at the time of clearance of goods.

(ii) Importer shall also produce to the Customs authorities at the time of importation, a certificate from the SGEPC to the effect that the importer is a manufacturer of inflatable balls for the purpose of exports.

(iii) At the time of registration of a subsequent contract, the eligible importer should also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation of the material imported against contracts registered earlier for the purpose of monitoring of manufacture and export of inflatable balls.

(iv) It shall not be necessary for STC to register the import contracts with SGEPC.

(13) Import of Indian Flag vessels for breaking will be subject to the condition of production by the importer a certificate authorising the scrapping of the vessel to the Customs authorities at the time of clearance as mentioned below :—

- (i) A certificate from the Director General of Shipping, Bombay, in the case of vessels registered with them,
- (ii) A certificate from the Ministry of Defence (Naval Headquarters) in respect of vessels owned by them,
- (iii) In the case of vessels belonging to Port Trusts, Coast Guard etc., a certificate from the concerned organisation.

(14) In the case of fresh fruits, import will be allowed only by the National Agricultural Marketing Federation (NAFED) against release of foreign exchange by the Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs). At the time of clearance of the imported goods NAFED will be required to produce necessary evidence to this effect to the Customs authorities.

(15) At the time of clearance of goods, the importer shall furnish to the Customs authority a declaration giving particulars of recognition/registration with the authority concerned, namely, number and date of recognition/registration certificate and affirming that such recognition/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases,

where separate recognition/registration number has not been allotted by the authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authority.

(16) The importer shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods, imported under this Licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.

(17) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fizi.

(18) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year, without any grace period, whatsoever.

(19) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (18) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in the case of other types of orders.

(20) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

(21) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(22) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users may be subject to under other laws or regulations. The importer should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume-I) for 1988—91.

SCHEDULE TO OPEN GENERAL LICENCE NO. 16/88.

DATED 30TH MARCH, 1988

1. Poultry vaccines (all types).
2. Medical Gas Cylinders of 10.2 litre water capacity and below.
3. CO₂ Gas Cylinders upto 15 litres water capacity for fire extinguishers.
4. Broken Electric Motors.
5. Magnetic/Electromagnetic water conditioning system.
6. Grape Guard Paper.
7. Photographic chemicals—developers, fixers, intensifier, reducers, toners and cleaning agents.
8. $\frac{1}{2}$ inch U-Matic and 1 inch video cassettes/tapes.
9. Computer software in any media including software floppy diskette with average c.i.f. Price of Rs. 50 or less per diskette.
10. Polyurethane leather.
11. Indian Flag vessels for breaking.
12. Insecticides, Fungicides and Weedicides the following :—
 - (1) Monocrotophos
 - (2) Methyl Parathion
 - (3) Dimethoate
 - (4) BHC
 - (5) Malathion
 - (6) Endosulfan
 - (7) Phorate
 - (8) Dithane
 - (9) Zineb
 - (10) Maneb
 - (11) Thiram
 - (12) 2, 4-D
 - (13) Butachlor
 - (14) Benthiocarb
 - (15) Isoproturon
13. Fresh fruits.
14. Prostaglandin PGF₂ Alpha.

आदेश संख्या 17/88-91

(ख) निरीक्षण का स्वरूप :—

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 17/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का. आ. 345(अ) :—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 1 अप्रैल, 1988 से 31 मार्च 1991 तक एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से पूंजीगत माल का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

(1) पात्र आयातक निम्नलिखित होंगे :—

- (1) सर्वश्री कोल इंडिया लि.
- (2) सर्वश्री नेवेसी लिगनाइट कार्पोरेशन लि.
- (3) सर्वश्री भारत कोलिंग कोल लि.
- (4) सर्वश्री सेन्ट्रल कोल फील्ड लि.
- (5) सर्वश्री ईस्टर्न कोल फील्ड लि.
- (6) सर्वश्री वेस्टर्न कोल फील्ड लि.
- (7) सर्वश्री सेन्ट्रल मार्शिन प्लानिंग एंड डिजाइन इंडस्ट्रीज लि.
- (8) सर्वश्री मिगरेनी कॉलरीज कम्पनी लि.
- (9) सर्वश्री साउथ ईस्टर्न कोल फोल्ड लि.
- (10) सर्वश्री नार्थन कोल फील्ड लि.

(2) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिश्व की गई विदेशी मुद्रा के सहित किया जायेगा।

(3) सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा यथासंशोधित में आयात निर्यात नीति, 1988-91 (खण्ड-1) के परिशिष्ट 1 भाग क में उल्लिखित पूंजीगत माल और परिशिष्ट 8 के अन्तर्गत आने वाले यंत्र के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी, पूंजीगत माल को अन्य मर्कों के संबंध में (परिशिष्ट, 1 भाग ख में वर्गीकृत) नहीं की जाएगी, आयात मशीननिर्देशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली में प्राप्त की जाने वाली देशीय दृष्टिकोण से निकासी के अधीन होगा। सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा यथासंशोधित परिशिष्ट 1, भाग ख में वर्गीकृत मर्कों के लिए देशीय दृष्टिकोण से निकासी की आवश्यकता नहीं होगी :—

(4) इस प्रकार आयातित माल नयनिर्दिष्ट हो, यदि वह पुराना या मरम्मतशुद्ध है तो आयात केवल सभी अनुमति किया जायेगा यदि मशीनरी 7 वर्ष से अधिक पुरानी नहीं है और उसकी बाकी की आयु पांच वर्षों से कम नहीं है, और आयातक माल की निकासी के समय सीमाशुल्क अधिकारी को जिस देश से माल आयात किया जाता है उस देश के स्वतन्त्र व्यवसायी सतवी अभिव्यक्ति/इंजीनियरों की गस्त्या से यह उल्लेख करते हुए एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा :—

(क) निरीक्षण की गई मशीनरी का ब्योरा :—

- (1) तकनीकी विशिष्टताओं सहित ब्योरा मशीनरी का तकनीकी पैम्फलेट/फोटोग्राफ भी संलग्न किया जाना चाहिए
- (2) विनिर्माण का नाम देश सहित
- (3) मशीन की क्रम सं./अन्य पहचान चिह्न
- (4) विनिर्माण का वर्ष
- (5) वर्तमान विज्ञेता द्वारा मशीन के क्रम का वर्ष/वर्ष मशीन नई या पुरानी खरीदी गई थी ?

(1) क्या मशीनरी का निरीक्षण कार्यरत रूप में किया था ?

(2) फिर गण परीक्षण का तकनीकी विवरण परीक्षण रिपोर्ट की प्रतिलिपि संलग्न की जाए।

(3) निरीक्षण के लिए आयात गण राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय मानक।

(ग) सतवी अभिव्यक्ति की टिप्पणी/मूल्यांकन :

(1) प्रमुख रिक्विजिटिंग/मरम्मत की सूचना, यदि कोई है तो, उस पर किया गया खर्च, रिक्विजिटिंग/मरम्मत करने वाली फर्म का नाम तथा तारीख।

(2) मशीनरी की वर्तमान स्थिति एवं इसकी संभावित आयु।

(3) मशीनरी के निरीक्षण में किस प्रकार की तकनीक का प्रयोग किया गया था। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध अद्यतन तुलनात्मक अध्ययन के तकनीकी अन्तर को दर्शाते हुए किया जाना चाहिए।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में समानांतर नई मशीनरी का लगभग लागत-बीमा-साइड मूल्य।

(5) संभावकों द्वारा मागे गए मूल्य के संबंध में राय तथा ऐसी राय का आधार।

(6) आयातक की इस आशय की घोषणा करती होगी कि सतवी लेखापाल द्वारा प्रमाणित पुरानी मशीनरी की आयु एवं संभावित आयु इसकी अधिकतम जानकारी एवं विवरण के अनुसार सही है।

(5) आयात (वास्तविक उपयोग) गर्ने के अधीन होगा।

(6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 की शर्त 1 के भी अधीन होगा।

(7) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ तथा फिजी में तैयार अथवा निर्यात न किया गया हो।

(8) भारत को ऐसे माल का लदान किसी भी निर्यातकी अवधि के बिना लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इसके पूर्व, या लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी की अन्तिम तिथि को या इसके पूर्व विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संविदा के सहित अगले वर्ष की 31 मार्च, को या इसके पूर्व भारत को कर दिया गया हो।

(9) उपर्युक्त शर्तों से 8 में दी गई दृष्टि के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करते हुए सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी मर्क के मामले में, सरकार को ऐसे समय संसाधित करने का अधिकार है जिस के द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा किए गए पक्के ठेके और विदेशी विनिर्माता डालर द्वारा आदेशों के सहित पंजीकृत किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में कोई ऐसी सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी।

(10) यदि माल के आयात के समय उनके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई विदेशी या विदेशी माल होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(11) यह तादर्थिक वस्तुओं को वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) जब शून्य कानून या निर्यातों की शर्तों के अन्तर्गत आता हो, तो उनके उच्च दायित्व या किसी आवश्यकता या अनुदान करने से कोई उन्मुखित छूट या डींग प्रशस्त नहीं करता है। आयातकों को इसके लिए लागू शून्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी :—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग बॉर्डर" और "अग्रणी लाइसेंसिंग बॉर्डर" यहाँ भी संदर्भ में आता है उसका यही अर्थ है जो 1988-91 की अवधि एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

[का. सं. आई. पी. सी.-3/2/88 गैजटरी]

ORDER NO. 17/88—91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 17/88

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 345(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to import into India from any country, except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji, Capital Goods, subject to the following conditions :—

(1) The eligible importers will be :—

- (i) Coal India Limited.
- (ii) Neyveli Lignite Corporation Limited.
- (iii) Bharat Coking Coal Limited.
- (iv) Central Coalfields Limited.
- (v) Eastern Coalfields Limited.
- (vi) Western Coalfields Limited.
- (vii) Central Mine Planning and Design Institute Limited.
- (viii) Singareni Collieries Company Limited.
- (ix) South Eastern Coalfields Ltd.
- (x) Northern Coalfields Ltd.

(2) Import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose.

(3) Capital Goods mentioned in Appendix 1 Part A and instruments appearing in Appendix 8 of Import and Export Policy, 1988—91 (Volume-1) as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, will not be allowed to be imported. In respect of other items of Capital Goods (excluding those appearing in Appendix 1 Part-B) import shall be subject to indigenous clearance to be obtained from DGTD, New Delhi. No indigenous clearance will be necessary for items appearing in Appendix-1, Part-B. In respect of any electronics item, including marine electronic and communications equipment, prior clearance of the Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. The Customs authorities will allow clearance under Open General Licence on production of evidence to this effect.

(4) The goods so imported shall be of new manufacture; if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years, and the importer shall produce to the Customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer or any Institution of Engineers in the country from which import is made, indicating;

(a) Details of Machinery Inspected :

- (i) Description with technical specifications. Technical pamphlets/photograph of the machinery may also be enclosed.
- (ii) Name of the manufacturer, with country.
- (iii) Sl. No./other identification mark of the machine.
- (iv) Year of manufacture.
- (v) Year of purchase of the machine by the present seller. Whether the machine was purchased new or used ?

(b) Nature of Inspection :

- (i) Whether the machinery was inspected in working condition.
- (ii) Technical details of tests carried out. A copy of the test report may be enclosed.
- (iii) National/International Standards followed for the inspection.

(c) Comments/Assessment of the Chartered Engineer :

- (i) Information on major reconditioning/repairs, if any, carried out giving cost, name of the firm which carried out reconditioning/repairs and the date.
- (ii) Present condition of the machinery and its expected residual life.
- (iii) What generation of technology is involved in the machinery inspected ? A comparison with latest machinery available in the international market, highlighting the technological gaps may also be made.
- (iv) Estimated c.i.f. value of equivalent new machinery in the international market.
- (v) Comments on reasonableness of price asked for by the suppliers and the basis for such opinion.

(5) The importer shall be required to give a declaration to the effect that the age and residual life of the second-hand machinery, as certified by the Chartered Engineer, are correct to the best of his knowledge and belief.

(6) The import shall be subject to Actual user condition.

(7) This Licence shall also be subject to the Condition No. (1) in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.

(8) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fiji.

(9) Such Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing Year or on or before 31st March of the following licensing year against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February of the licensing year without any grace period whatsoever.

(10) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (9) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm contracts entered into and duly registered with a foreign exchange dealer (Bank) by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in the case of other types of orders.

(11) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(12) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

Note: For the purposes of this Order, reference to "the licensing Year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume-I) for 1988-91.

[Issued from File No. IPC/32/88]

अदेश नं. 18/88-91

सूचा सामान्य लाइसेंस संख्या 18/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का. आ. 316 (अ) —आयात-नियंत्रण (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रवृत्त अधिनियमों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आयात नियंत्रण नीति 1988-91 (खंड 1) सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई गार्डशेडिंग सूचनाओं के द्वारा यथामणोहित के अन्तर्गत भारत में न रहने वाले भारतीयों को उपलब्ध सुविधाओं के अधीन वास्तविक उपयोगकर्ताओं (औद्योगिक) द्वारा पुंजीगत माल, कच्ची सामग्री, गंधक, उपकरणों और अनिश्चित पुर्तों का दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका मघा/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से आयात करने की निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देती है:—

- (1) पात्र आयातक भारतीय अग्रामी होगे (जिसमें वह भारतीयता प्राप्त कर चुकी है) और वह व्यक्ति विदेश में रहने वाला मूल रूप से भारतीय हो।
- (2) आयात की गई मटे सरकार की औद्योगिक नीति के अनुरूप नया औद्योगिक यूनिट लगाने अथवा वर्तमान यूनिट के विस्तार विविधता, आधुनिकीकरण के लिए या सेवा उद्योग लगाने के लिए होगी।
- (3) आयात में सम्मिलित भारी विदेशी मुद्रा की आयातक द्वारा व्यवस्था की जाएगी। आयात में भारत द्वारा कोई प्रेषण सम्मिलित नहीं है।
- (4) आयातक द्वारा न तो विदेशी की गई पुर्त और न ही लाभांश स्वदेश भेजने के लिए अनुमति होगी।
- (5) आयात "वास्तविक उपयोगकर्ता" की शर्तों के अधीन होगा। आयात की तिथि से 5 वर्ष की अवधि तक के लिए उम पुंजीगत माल को बेचने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (6) नमूनेवाला, ऐसे विदेशी केवल मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण, नई दिल्ली की पूर्वानुमति से ही की जाएगी।
- (क) सीमाशुल्क के माध्यम से निकासी के समय आयातक को एक घोषणा प्रस्तुत करनी होगी कि:—
 - (क) आयातित मशीनरी और अन्य माल आयातक द्वारा विदेश में कच्ची मटे/स्वतंत्रता से खरीदा गया है और उसमें भारत से कोई भी घन परेषण शामिल नहीं है और
 - (ख) सीमा शुल्क के माध्यम से निकासी की तिथि से तीन महीने के भीतर आयातक विपरीतधीन मशीनरी और अन्य माल के आयात के विषय में उम राज्य उद्योग निदेशालय को सूचित करेगा जिसमें मशीनरी का उपयोग किया जाएगा। परन्तु इलेक्ट्रॉनिक मटे के मामलों में सूचना इलेक्ट्रॉनिक विभाग, लोकतांत्रिक भवन, नई दिल्ली को भेजी जाएगी जिसकी एक प्रति संबंधित उद्योग निदेशक को भेजी जाएगी।
- (7) पात्र व्यक्ति परिशिष्ट-1, भाग-ख में निर्दिष्ट पुंजीगत माल का आयात कर सकते हैं। किसी औद्योगिक यूनिट को लगाने के लिए 35 लाख (अवतर्जित लागत) रुपये मूल्य तक के प्रति-बंधित सूची में निर्दिष्ट मटे के अनिश्चित, अन्य पुंजीगत माल का आयात किया जा सकता है।
- (8) इस लाइसेंस के अन्तर्गत पुर्तों मशीनरी के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- (9) जिस उद्योग में आयातित मशीनरी का प्रयोग किया जाएगा, उसमें आयात-नियति, 1988-91 के पैर 6 (5) में लघु उद्योग के लिए तय की गई ऊपरी सीमा से अधिक मूल्य का संबंध और मशीनरी में पूंजीगत निवेश नहीं होगा।
- (10) पहले वर्ष में आवश्यक कच्ची सामग्री, सघटकों, उपभोग्यो की अनुमति इस लाइसेंस के अन्तर्गत विशेष अनुमोदन समिति (एन. आर. आई.) उद्योग मंत्रालय द्वारा अनुमति के आधार पर दी जाएगी। आयातक द्वारा आयातित कच्चा माल, सघटक और उपभोग्य भारत में लगाए जा रहे उद्योग में प्रयोग किए जाएंगे।
- (11) संबद्ध औद्योगिक यूनिट को (यदि वे नहीं है) निर्धारित नीति के अनुसार पूंजीगत माल के आयात की निधि में एक वर्ष की अवधि के अन्दर संबद्ध प्रायोगिक प्राधिकारी के पास स्वयं को पूंजीकृत करवाना अपेक्षित होगा।
- (12) पात्र आयातक, विदेशी मूद्रा विनियमों का अनुपालन करेंगे। और लागू नियमों के अधीन यथापेक्षित विदेश में भेष विदेशी मूद्रा रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की आवश्यक अनुमति प्राप्त करेंगे।
- (13) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका मंच/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका/फिजी में निर्यात न हो।
- (14) भारत को ऐसे माल का लक्ष्य परेषण के माध्यम से किसी भी स्थायी अवधि के बिना चाहे जो कुछ भी हो लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व या नीचे तकेंतिक निधियों को कर दिया जाता हो —
- (क) उन कच्चे माल, सघटकों और उपभोग्य सामग्री के मामले में अगले लाइसेंसिंग वर्ष की 30 जून को या इससे पूर्व जिसके लिए जहां लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी मास की अंतिम तिथि को इससे पूर्व अपरिवर्तनीय साख-पत्र खोल दिए जाते हैं।
- (ख) उन पूंजीगत माल और अतिरिक्त पुर्जों के मामले में अगले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व जहां लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी मास की अंतिम तिथि का इससे पूर्व एक पक्षी संविदा कर ली गई हो और उसमें विशेषी मद्रा का लेनदेन करने वाले बैंक के पास पूंजी-कृत कर दिया गया हो।
- (15) उपर्युक्त शर्तें सं. 14 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके छुले सामान्य लाइसेंस में से भी गई किसी भी मद के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साख-पत्र द्वारा समर्थित पक्के आदेशों के मद्दे पोटलदान किया जाता चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में ऐसा कोई संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा।
- (16) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई दिवेष या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (17) यह लाइसेंस किसी भी समय आन्तरिक उपभोग्यता (औद्योगिक) या आयातक जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने के कोई उन्मुक्ति, छूट या खील प्रदान नहीं करता है। आयातक को उसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी:— इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1988-91 की याया एव नियति नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

[फा. सं. आई. पी. सी. 3/2/88]

ORDER NO. 18/88-91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 18/88

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 346(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1988 to the 31st March, 1991, to import into India from any country, except the Union of South Africa, South West Africa and Fiji, capital goods, raw materials, components, consumables and spares by Actual Users (Industrial) under the facilities available to Non-resident Indians/Persons of Indian origin in the Import and Export Policy for 1988—91 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions:—

- (1) The eligible importers shall be Non-resident Indians (which includes Non-resident Indians who have acquired foreign nationality) and Persons of Indian origin residing abroad.
- (2) The items imported will be for setting up a new industrial unit or for expansion, diversification or modernisation of an existing unit in conformity with the industrial policy of the Government or setting up a service industry.
- (3) The entire foreign exchange involved in the import will have to be provided by the importer. The import does not involve any remittance from India.
- (4) Neither the capital invested nor the profits would be allowed to be repatriated by the importer.
- (5) Imports shall be subject to 'Actual User' condition. No permission to sell the capital goods will be allowed for a period of 5 years from the date of import. Thereafter, such sale may be made only with the prior permission of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

- (6) At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish a declaration that :—
- (a) The imported machinery and other materials have been purchased out of importer's earnings/resources abroad, and do not involve any remittance from India; and
- (b) Within three months of the date of clearance from the Customs, the importer shall send information about the import of the machinery and other materials, in question to the Director of Industries of the State in which the machinery shall be used. However, in the case of electronic items, the intimation should be sent to the Department of Electronics, Lok Nayak Bhawan, New Delhi, with a copy to the concerned Director of Industries.
- (7) Eligible persons can import capital goods appearing in Appendix I Part B. Import of other capital goods except those in the Restricted List, can also be made upto a value of Rs. 35 Lakhs (landed cost) for setting up an industrial unit.
- (8) Import of second hand machinery will not be allowed under this Licence.
- (9) The industry, in which the imported machinery shall be used, will not have a total capital investment in plant and machinery of a value more than the upper limit fixed for Small Scale Industries, in paragraph 6(5) of Import and Export Policy, 1988—91.
- (10) Raw materials, components, consumables and spares required during the first year will be allowed under this Licence on the basis of approval by the Special Approvals Committee (NRI), Ministry of Industry. The imported raw materials, components and consumables shall be used in the industry being set up by the importer in India.
- (11) The industrial units concerned (if they are new) will be required to get themselves registered with the sponsoring authorities concerned within a period of one year from the date of import of capital goods in accordance with the policy laid down.
- (12) The eligible importers shall abide by the foreign exchange regulations and obtain necessary permission of the Reserve Bank of India to retain foreign currency balances abroad as required under the rules in force.
- (13) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Fiji.
- (14) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or on the dates mentioned below, without any grace period whatsoever :—
- (a) On or before 30th June of the following licensing year in the case of raw materials, components and consumables for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before the last date of February of the licensing year.
- (b) On or before 31st March of the following licensing year in the case of capital goods where a firm contract has been entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February of the licensing year.
- (15) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (14) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (16) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (17) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.
- Note :** For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", whether appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Imports and Export Policy (Volume I) for 1988—91.

आदेश नं. 19/88-91

ORDER NO. 19/88-91

सई लाईसेंस, 30 मार्च, 1988

OPEN GENERAL LICENCE NO. 19/88

खुला सामान्य लाईसेंस नं. 19/1988

New Delhi, the 30th March, 1988

का. आ. 347 (अ) —आयात एवम् निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार संबंधित क्षेत्रों में स्थापित वास्तविक उपयोगकर्ताओं को (1) पूंजीगत माल (बाहेर नया हो या पुराना) (2) कच्चा माल (3) संघटक, (4) अतिरिक्त पुर्जे (5) उपभोग्य सामग्री (6) पैकिंग सामग्री (7) औजार जिसमें फिक्स्चर्स और गैजिंग या (8) आदि रूप और तकनीकी नमूने को उत्पाद विविधीकरण और विकास या मूल्यवर्धन के लिए प्रत्येक किस्म के दो से अधिक नहीं हैं (9) मूलतः व्यापार क्षेत्र निर्यात संसाधन क्षेत्र में उद्योग अन्तर्गत सैट का आयात करने के लिये आगे के आदेश होने पर सामान्य अनुमति प्रदान करती है जो प्रत्येक मामले में उस माल के लिए लागू वास्तविक उपयोगकर्ता शर्तों के अधीन होगी। तथापि, इस नीति के परिशिष्ट 2, भाग-क के अधीन अनेक दूरबीन क्षेत्र में आयात के लिए निबंध मूल इस खुले सामान्य लाईसेंस के अन्तर्गत मूलतः व्यापार क्षेत्र में आयात करने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी।

2. पुराने पूंजीगत माल के आयात के लिए, आयातक माल की निकासी के समय सीमा शुल्क अधिकारी को ज्ञापन देना होगा कि आयात किया जाना है उस देश के स्वतंत्र व्यवसायी मन्दी अधिनियम 1988-91 के परिशिष्ट 3 में दिए गए प्रपत्र में प्रस्तुत करेगी आयातक से मशीन की मूल्य आगु के संबंध में एक निजी घोषणापत्र भी अर्पित होगा।

3. संबंधित क्षेत्र के विकास आयुक्त द्वारा सिफारिश करने पर, ऐसे वास्तविक उपयोगकर्ता अपने स्वयं के उत्पादन या उपयोग उत्पाद विविधीकरण और विकास पर या मूल्यवर्धन के प्रयोजनार्थ (1) पैरा 1 में न आने वाले आदि रूप और तकनीकी नमूनों (2) ड्राईंग ब्लू प्रिंट, चार्ट्स, माईक्रो फिल्मों सहित तकनीकी डाटा और (3) कार्यालय उपकरण, अतिरिक्त पुर्जे और उनके उपभोग्य का भी आयात कर सकते हैं।

4. ऐसे वास्तविक उपयोगकर्ता (1) क्षेत्र में उनके द्वारा, मरम्मत/सुधार करने के आदि पूनः निर्यात किए जाएंगे या (2) विदेशी प्रेषित की वास्तविक उपयोगकर्ता द्वारा प्रेषित माल की निधि में तीन वर्षों की अवधि के अन्तर (विदेशी मुद्रा विनियम, अधिनियम के अन्तर्गत संवत् औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद) उनके माल की वापसी के लिए प्राप्त माल का भी आयात कर सकते हैं।

5. आयातक, आयात प्रपत्र और सारे आयात माल का उपयोग और उसके द्वारा किये गए निर्यातों का निर्वहण प्रपत्र में ठीक प्रकार से लेखा रखेगा और उसे क्षेत्र के विकास आयुक्त को और संबंधित लाईसेंस प्राधिकारी को उनके द्वारा यथा अपेक्षित आवश्यक रूप से भेजेगा। आयातक इस मामले में सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मूल्य वर्धन की शर्त का अनुपालन करेगा। वह उसे जारी किए गए अनुमोदन पत्र/प्रमाण पत्र/औद्योगिक लाईसेंस में जाड़ी गई अन्य सभी शर्तों की पृष्टि भी पालन करेगा। किसी भी उक्त शर्त का पालन करने में असमर्थता को खुले सामान्य लाईसेंस का उत्प्रेषण माना जाएगा और आयातक पर आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के प्रावधानों और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अन्तर्गत की जाने वाली कार्रवाई की जाएगी।

6. इस लाईसेंस पर किसी माल के लिए उसके माल की प्रसार्थ करने वाला कोई अन्य प्रतिबन्ध या विनियमन जो ऐसे माल के आयात करने के बाद लागू होंगे उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

7. यह लाईसेंस आयात व्यापार नियंत्रण आदेश सं. 18/85, दिनांक 12 अगस्त, 1985 के परिचयन में है।

[फाइल सं. 6/108/87/आईसी/ईपीसी]

S.O. 347(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission, till further orders to the Actual Users located in the respective Free Trade Zones and Export Processing Zones for import of: (1) Capital Goods (whether new or second-hand), (2) raw materials, (3) components, (4) spares, (5) consumables, (6) packing materials, (7) tools, jigs, fixtures and gauges, (8) prototypes and technical samples not exceeding two in number of each type for product diversification and development or evaluation, (9) Diesel Generating set, into the Free Trade Zones/Export Processing Zones, subject to the Actual User condition as applicable thereto in each case. However, items banned for import in Domestic Tariff Area as specified in Appendix 2 Part-A of the Import and Export Policy 1988-91 (Vol. I) shall not be allowed to be imported in the Free Trade Zones and Export Processing Zones under this Open General Licence.

2. For import of second hand Capital Goods, the importer shall produce to the Customs authority at the time of clearance, a Certificate from a professional independent Chartered Engineer or an Institution of Engineers in the country from which import is made in the proforma given in the Handbook of Procedures, 1988-91. The importer would also be required to give a personal declaration about the age and the residual life of the machinery.

3. On the recommendation of the Development Commissioner of the concerned Zone, such Actual Users may also import for the purpose of their own use, product diversification and development or evaluation: (i) prototypes and technical samples not covered in para 1, (ii) drawings, blueprints, charts, technical data including micro-films, and (iii) office equipment spares and consumables thereof.

4. Such Actual Users may also Import goods received, (i) or repairs or reconditioning by them in the Zone and to be re-exported thereafter, or (ii) back from the overseas consignees within a period of three years from the date of their despatch to him by the Actual User (after following the related formalities under the Foreign Exchange Regulations Act, 1973 (46 of 1973)).

5. The importer shall maintain in the prescribed form proper account of the import, consumption and utilisation of all imported materials and of the exports made by him and submit them periodically as required to the Development Commissioner of the

Zone and to the licensing authority concerned. The importer shall conform to the minimum value added condition stipulated by Government in his case. He shall also conform to all other terms and conditions incorporated in the Letter of Approval or Letter of Intent or Industrial Licence issued to him. Failure to abide by any of the said terms and conditions shall be construed as violation of this Open General Licence and the importer shall be liable to action under the provisions of the Import-Export (Control) Act, 1947 and rules framed thereunder.

6. Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

7. This Licence is in supersession of the Government of India in the Ministry of Commerce Import Trade Control Order No. 18/85, dated the 12th April, 1985.

[File No. 6/108/87-EPC]

आदेश सं. 20/88-91

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 20/1988

ईई दिवसी, 30 मार्च, 1988

का.प्र. 348(अ) — आयात एवं निर्यात नियंत्रण अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा—3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा मुक्त व्यापार क्षेत्रों और निर्यात संसाधन क्षेत्रों में स्थित यूनिटों द्वारा विनिर्मित 'रिजेक्ट्स' को निम्नलिखित शर्तों के अधीन बरेन्ट टेरिफ क्षेत्र में आयात करने के लिए प्रस्ताव आदेश होने तक सामान्य अनुमति देती है, अर्थात् —

1. सभी व्यक्तियों की "रिजेक्ट्स" के आयात करने के लिए अनुमति दी जाएगी।

2. रिजेक्ट्स शब्द में वे उत्पाद आते हैं जिनमें निश्चित विनिर्माण की त्रुटि हो और इस प्रकार वे मुक्त व्यापार क्षेत्रों और निर्यात संसाधन क्षेत्रों में यूनिटों की भाषणा के अनुसार निर्यात करने के योग्य नहीं हैं। "रिजेक्ट्स" में एक सार्वजनिक उत्पाद भी शामिल है लेकिन इसमें अनिश्चित पूर्ण, औजार, छिजल (वेस्ट) अथवा सह उत्पाद शामिल नहीं हैं। "रिजेक्ट्स" का निर्यात करने के लिए निम्नलिखित विषय निर्देश आदेशों में हैं:—

(1) यूनिट को यह प्रमाणित करना चाहिए कि इसके उत्पादों के विनिर्माण में यूनिट द्वारा लगाया गया माल या प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी की कमी के कारण "रिजेक्ट्स" का होना अपरिहार्य था।

(2) बरेन्ट टेरिफ क्षेत्र में इसको रखावृत्ति के समय यूनिट द्वारा "रिजेक्ट्स" पर "रिजेक्ट्स" की मोहर लगाई जाए और बोझ पर भी "रिजेक्ट्स" लिखा जाए।

(3) सौदा शुरूक ग्राहक समारोह और कन्द्रीय भावकारी किनार क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार में ऐसे यूनिट आते हैं उनकी गतिविधि के लिये ही "रिजेक्ट्स" का निर्णय किया जायेगा। ग्राहक समारोह यह निश्चय करेगा कि निम्नलिखित के सक्षम में प्रमुख मद रिजेक्ट्स है —

(क) केना द्वारा विशिष्टकृत कोटि नियंत्रण विभाग

(ख) यूनिट को प्रौद्योगिकी कोटि नियंत्रण विभाग की रिपोर्ट; और

(ग) अन्य तकनीकी राय जिसे वह आवश्यक समझे।

3. यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय इसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होता हो तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4. यह लाइसेंस किसी भी समय जब आयातक अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उनके दायित्व या किता आवश्यकता का अनुपालन करने में कोई उम्मुक्ति, छूट या डील प्रदान नहीं करता है।

5. आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबंधों का अनुपालन करना चाहिए।

[फाइल सं. 6/108/87 ई.प्र.सं.]

ORDER NO. 20/88-91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 20/88

New Delhi, the 30th March, 1988

S.O. 348(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import into the Domestic Tariff Area 'Rejects' manufactured by the units located in Free Trade Zones and Export Processing Zones, subject to the following conditions, namely :—

(1) 'Rejects' shall be permitted to be imported by all persons.

(2) The term 'Rejects' shall cover the products which have definite manufacturing defect and as such are not exportable as per declaration of the units in Free Trade Zones and Export Processing Zones. 'Rejects' shall include sub-standard products but shall not include spares, tools, wastes or bye-products. The following guidelines may be observed for determining 'Rejects' :—

(i) the unit must certify that the 'Rejects' were unavoidable on account of flaws of technology, techniques or material deployed by the unit in the manufacture of its products;

(ii) the 'Rejects' are also invoiced and stamped by the unit as 'Rejects' at the time of clearance into the Domestic Tariff Area;

(iii) the 'Rejects' shall be established as such to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs and Central Excise having jurisdiction over such Units. The Assistant Collector may decide that an item is a 'Reject' with reference to—

(a) the quality control yard sticks specified by the buyer;

- (b) the report of the internal quality control department of the unit; and
- (c) other technical opinion which he may consider necessary.
- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations.
- (5) The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[Issued from File No. 6/108/87-EPC]

आदेश सं. 21/88-91

श्रुता सामान्य लाइसेंस सं. 21/88

नई दिल्ली, 30 मार्च 1988

का.प्र. 349(अ).—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, अगला आदेश होने तक एन.डी.आर. मुक्त व्यापार क्षेत्र और निर्यात संसाधन क्षेत्र में स्थित यूनिटों द्वारा विनिर्मित माल को घरेलू टैरिफ क्षेत्र में आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है, नामशः—

- (1) सभी व्यक्तियों को स्टाक करने एवं बिक्री के लिए आयात की अनुमति दी जाएगी।
- (2) मुक्त व्यापार क्षेत्र/निर्यात संसाधन क्षेत्र में स्थित यूनिटों द्वारा विनिर्मित माल के घरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसे आयात केवल तब किए जा सकते हैं जबकि संबंध मुक्त व्यापार क्षेत्र/निर्यात संसाधन क्षेत्र के विकास/युक्त न घरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसे माल की बिक्री की अनुमति दी गई हो।
- (3) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (4) यह लाइसेंस किसी भी समय जब आयातक अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या डील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबंधों का अनुपालन करना चाहिए।

[फा.सं. 6/108/87-ई.पी.सी. में जारी]

ORDER NO. 21/88—91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 21/88

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1988

S.O. 349(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control)

Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import, goods manufactured by the units located in Free Trade Zones, and Export Processing Zones, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely :—

- (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale.
- (2) Such imports into Domestic Tariff Area of goods manufactured by units in Free Trade Zone or Export Processing Zone can be effected only on the basis of permission granted by the Development Commissioner of the concerned Free Trade Zone or Export Processing Zone for sale of such goods in the Domestic Tariff Area.
- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[Issued from File No. 6/108/87-EPC]

आदेश सं. 22/88-91

श्रुता सामान्य लाइसेंस सं. 22/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का.प्र. 350(अ).—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, अगला आदेश होने तक एन.डी.आर. मुक्त व्यापार क्षेत्र और निर्यात संसाधन क्षेत्र में स्थित यूनिटों द्वारा उत्पादन के दौरान उत्पन्न स्क्रैप/वेस्ट/अवशेषों का घरेलू टैरिफ क्षेत्र में आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है, नामशः—

- (1) भण्डार करने एवं बिक्री के लिए सभी व्यक्तियों को आयात की अनुमति दी जाएगी।
- (2) मुक्त व्यापार क्षेत्र/निर्यात संसाधन क्षेत्र में स्थित यूनिटों द्वारा उत्पादन के दौरान उत्पन्न स्क्रैप/वेस्ट/अवशेषों का घरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसे आयात केवल तब किए जा सकते हैं जब सम्बंध मुक्त व्यापार क्षेत्र या निर्यात संसाधन क्षेत्र के विकास/युक्त न स्क्रैप/वेस्ट/अवशेषों का बिक्री की अनुमति दी गई हो।
- (3) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

- (4) यह लाइसेंस किसी भी समय जब आयातक अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो या उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता या अनुपालन करने से कोई उत्पत्ति छूट या छूट प्रदान नहीं करता है। आयातक को उसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

[फाइल नं. 6/108/87-ई.पी.सी. से जारी।]

ORDER NO 22/88-91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 22/88

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1988

S.O. 350(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import scraps/waste/remnants generated in the course of production by the units located in Free Trade Zones and Export Processing Zones, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely :—

- (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale.
- (2) Such imports into Domestic Tariff Area of scraps/waste/remnants generated in the course of production by units in Free Trade Zones or Export Processing Zone can be effected only on the basis of permission granted by the Development Commissioner of the concerned Free Trade Zone or Export Processing Zone for sale of scraps/waste/remnants in the Domestic Tariff Area.
- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[Issued from File No. 6/108/87-EPC]

आवेषण नं. 23/88-91

खुला सामान्य लाइसेंस नं. 23/88

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1988

का.प्र. 351(अ) : आयात-निर्यात नियंत्रण अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार जन प्रतिष्ठान नियमित अभिमुख यूनितों के रूप में सरकार

द्वारा अनुमोदित वास्तविक उपयोगकर्ताओं को आगे आदेश जारी होने तक निम्नलिखित के आयात की सामान्य अनुमति देती है :

- (1) पुंजाया माल (साहे नग हों या पुंजाये), जेतरेटिंग मेट सहित,
- (2) उत्पाद विविधीकरण और विकास या मूल्यवर्धन के लिए फाटो-टाइप और तकनीकी समूह, जो प्रत्येक टाइप की संख्या दो से अधिक न हों,
- (3) बच्चा माल संपटक, उपभोग्य और मध्यस्थों,
- (4) अनिरिक्त पुर्ण,
- (5) वैकल्पिक सामग्री,
- (6) सामान संवाहन उपकरणों से संबंधित सामान जैसे फॉर्म-लिफ्ट और ट्रेड थ्रेड (केवल यूनिट की प्रारम्भिक स्थापना के लिए) और श्रम विनिर्माण सामग्री,
- (7) (क) स्वयं उत्पादन करने के लिए/उपयोग या उत्पाद विविधीकरण या विकास या मूल्यवर्धन के लिए निम्नलिखित में प्रत्येक का एक नमूना :

(1) इलेक्ट्रिक/इलेक्ट्रॉनिक टाइपराइटर।

(2) इलेक्ट्रॉनिकी संवाहित कैलकुलेटिंग मशीन।

(3) फाटोकापिंग मशीन।

(4) डिस्टेंशन ट्रेड रिपार्डर।

(5) टेलीप्रिंटर, यदि संवाहन संवाहन द्वारा अनुमति दी जाती है।

(6) इलेक्ट्रॉनिकी संवाहित पी पी एम/पी ए की एक संख्या दो या एक या पी ए की एक संख्या।

(7) स्टाइल पेंसिलर।

(8) 8/16 एम. एम. प्रोजेक्टर।

(9) पेपर थोडिंग मशीन।

(10) बर्ड प्रोसेसर।

(11) फेमिमाइल मशीन जो कि एक लाख रु. (लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य) से अधिक की न हो।

(ख) फाटोकापिंग पेपर, कैलकुलेटिंग मशीन, पेपर रोलर्स, टेलर और फाटोकापिंग प्रयोजनों के लिए डिजाईन, ग्रुपयुक्त 7(क) में (1) से (11) तक मशीनों के अनिरिक्त पुर्ण और इन मशीनों के लिए, अपेक्षित प्रतिवर्ष 50000 रु. से कम के मूल्य के उपभोग्य औजार।

- (8) उपयोगकर्ताओं को वास्तविक उपयोगकर्ता बनने के प्रयोजन या किसी वाद सेवा (साहे निशुल्क हो अथवा मूल्य पर हो) के लिए जनप्रतिष्ठान नियमित अभिमुख यूनितों द्वारा विनिर्मित परिष्कृत उत्पाद संबंधी पुर्णों का आयात, इसके वार्षिक उत्पादन की फीकटों मूल्य के 1.5 प्रतिशत की दर से या आयातित मछटकों के लागत-बीमा भाड़ा मूल्य के 2 प्रतिशत, इनमें से जो भी अधिक हो, अनुमति किया जाएगा।

1. निम्नलिखित शर्तों के अधीन :

(क) आयात वास्तविक उपयोगकर्ता शर्तों के अधीन होगा।

(ख) माल कस्टम वॉरिड फौटरी में आयात किया जाएगा।

(ग) एक वर्ष की शर्तों की अनुपालना करेगा जो कि इस मामले में आयातित माल पर सीमा शुल्क के संग्रहाण की छूट की शर्त के अधीन हो।

(ग) पत्र में फेब्रुअरी मास माल के वाणिज्यिक वर्ष के प्रारंभ के लिए, इजिप्ट बांड मशीन कस्टम बांड के लिए, लाइन माल सामान्य परिभाषा अनुसार जाएगा।

(घ) पुराने उत्पादन और कार्य संचालन कस्टम बांड फेब्रुअरी में अंगीकृत होगा।

(ज) एम नॉमि के भाग-ए परिशिष्ट 2 में अनुमति धारक हर गुनो क्षेत्र में, आयात के लिए प्रतिस्थापन मशीन के आयात की अनुमति नहीं की जाएगी।

2. पुराने पंजीगत माल के आयात के लिए आयातक निवासों के समक्ष जहां से आयात किया जाता है उस देश के स्वतंत्र व्यावसायिक सनरी अभियंता/किरी समन्वय संस्था से एक प्रमाणपत्र प्रक्रिया पुराने के परिशिष्ट-3-ए में दिए गए प्रपत्र में सीमा शुल्क प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा। आयातक द्वारा मशीनरी का अवशिष्ट समयावधि के बारे में एक व्यक्तिगत घोषणा करना भी अपेक्षित होगा।

3. मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात के कार्यालय, तई दिल्ली में निर्यात आयुक्त की पूर्ण अनुमति पर ऐसे एककों को निगमनिर्वाह के आयात का अनुमति दी जाएगी—

(1) उपर्युक्त पैरा 1 के अनुमति न आने वाले प्रोटोटाइप और तकनीकी नमूने।

(2) इस्टिमेटिंग प्रिंटिंग, चार्टिंग, माइक्रोफिल्मों सहित तकनीकी आकड़े।

4. ऐसे एककों को, इस विनिर्देश उद्देश्य के लिए, उनके द्वारा निर्यातित मशीनरी/उपकरणों को विदेशों में सम्मान के बाद पुनः आयात की अनुमति दी जाएगी।

5. इस खूबे सामान्य लारमेंस के अर्थात् दिए गए प्रावधान कम से कम पिछले क्षेत्र विस्तीय वर्षों के दौरान पहले से ही अपने उत्पादन का 100 प्रतिशत निर्यात कर रहे औद्योगिक एककों द्वारा किन्तु जो मशीन 100 प्रतिशत निर्यात अभिमुख एककों की योजना के अर्थात् सरकार द्वारा अनु-मोडिफ़ाई नहीं है वस्तु किये जाने योग्य सीमा शुल्क के भुगतान करने पर निम्न लिखित शर्तों के अर्थात् पंजीगत माल (चाहे नया हो या पुराना हो) के आयात के लिए भी हो लाय होगा:

(1) जब पुराने माल का आयात किया जाता है तो आयातक सीमा शुल्क के माध्यम से निकासी के समय उपर्युक्त अनुच्छेद (11) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा,

(2) आयातक सीमा-शुल्क के माध्यम से निर्यात, के साथ संबंध आयात नीति में निर्धारित क्रियाविधि के अनुसार मुख्य निर्यातक आयात-निर्यात तई दिल्ली में प्राप्त निर्यात प्रमाण पत्र को पिछले तीन बिल्डर वर्षों में अपने 100 प्रतिशत निर्यातित उत्पादन के माध्य के रूप में प्रस्तुत करेगा।

(3) आयातक को इस बारे में एक घोषणा भी देना चाहिए कि इस प्रावधान के अन्तर्गत पंजीगत माल का आयात उनकी अनुज्ञापना अनुमोदित दायता से अधिक नहीं होगा।

(4) आयात वास्तविक उपयोगिता शर्त के अंगीकृत होगा।

6. यह नोटिसेम बाणिज्य मंत्रालय, आयात (निर्यात) अधिनियम, 1978 दिनांक 12 अप्रैल, 1985 के अन्विषण में है।

[फा. सं. 6/108/87-ई.पी.सी. (खण्ड-12) से शरणा]

ORDER NO. 23/88—91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 23/88

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1988

S.O.351(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947

(18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission till further orders, to the Actual Users approved by the Government as 100% export oriented units for the import of:-

(1) Capital Goods (whether new or second-hand) including Generating sets

(2) Prototype and technical samples not exceeding two in number of each type for product diversification or development or evaluation.

(3) Raw materials components, consumables and intermediates.

(4) Spares.

(5) Packing materials.

(6) materials handling equipment like Fork lifts, Overhead Cranes (for initial setting up of the unit only) and building construction materials.

(7). (a) One number each of the following for its own production, use or product diversification or development or evaluation :—

(i) electric/electronic typewriter,

(ii) electrically operated calculating machine,

(iii) photocopying machine,

(iv) dictation tape recorder,

(v) teleprinter, subject to clearance by the Ministry of Communication,

(vi) PBX/PABX including electronically operated PBX/PABX,

(vii) one slide projector,

(viii) one 8/16 mm projector,

(ix) one paper shredding machine,

(x) one word processor,

(xi) one facsimile machine of value not exceeding Rupees one lakh (c.i.f.).

(b) photocopying paper, calculating machine paper rolls, toner and dispersant for photocopying purpose, spares of the machine from (i) to (xi) in 7(a) above and consumable tools required for these machines for a value not exceeding Rupees five thousands per year.

(8) import of spares related to finished product manufactured by 100% Export Oriented Units will also be allowed at the rate of 1.5 per cent of the ex-factory value of its annual production or 2% of the c.i.f. value of imported components whichever is higher, for the purpose of providing warranty coverage or after sale service (whether free of cost or at a price) to their customers;

Subject to the following conditions :

(a) Import shall be subject to actual user conditions,

(b) the goods shall be imported in customs bonded factory,

(c) the unit shall comply with all the conditions subject to which payment of Customs duty on the imported materials is exempt.

(d) the normal procedure that is applicable for Customs bonding will be followed, including transit bond for the purpose of goods being taken from the port of importation to the factory.

(e) the entire production and operations shall be by/ under Customs bonded factory.

(f) import of items which are banned for import in the Domestic Tariff Area as specified in Appendix 2 Part A of the Imports and Exports Policy 1988-91 (Vol. I) will not be allowed.

2. For import of second hand Capital Goods the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, certificate from a professional independent Chartered Engineer or an Institution of Engineers in the country from which import is made in the proforma given in the Hand Book of Procedures 1988-91. The importer would also be required to give a personal declaration about the age and the residual life of the machinery.

3. On prior clearance of the Export Commissioner in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, such units may also be allowed to import the following:—

(i) prototypes and technical samples not covered by para 1 above;

(ii) drawings, blue prints, charts, technical data including micro films.

4. Such units will also be allowed to re-import after repairs abroad, machinery/equipments exported by them for this specific purpose. Any foreign exchange payment necessary for this will also be allowed.

5. The provisions of this Open General Licence will also apply for the import of Capital Goods (whether new or second hand) by industrial units exporting 100% of their production already, at least during the previous three financial years, but not approved as such by Government under the scheme of 100% export oriented units, on payment of customs duty as may be leviable, subject to the following conditions:—

(i) the importer shall produce at the time of clearance through customs, the certificate referred to in clause (2) above, when importing second hand Capital Goods;

(ii) at the time of clearance through customs, the importer shall produce Export Performance Certificate obtained from the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, in accordance with the procedures laid down in the relevant import policy, as an evidence of having exported 100% of its production in the previous three financial years;

(iii) the importer should also give a declaration to the effect that the import of capital goods under this provision will not result in exceeding his licensed/ approved capacity;

(iv) the import shall be subject to Actual User condition.

6. This Licence is in supersession of the Government of India in the Ministry of Commerce Import Trade Control Order No. 17/83 dated the 12th April, 1985.

[ISSUED FROM FILE NO, 6/108/87-EPC]

प्रदेश सं 24/88—91

खुला सामान्य लइसेंस सं 24/88

नई दिल्ली, मार्च 30, 1988

का आ 352 (अ).—आयात-निर्गत (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार, यहाँला आदेश होने तक एतद्वारा जन-प्रतिपात निर्गत अधिमुख यूनितों द्वारा विनिर्मित माल के धरेलू टैरिफ क्षेत्र में आयात की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देता है, नामशः

(1) सभी शर्तकों को पण्डित एवं विका के निर आयात की अनुमति दी जायगी।

(2) जन-प्रतिपात निर्गत अधिमुख यूनितों द्वारा विनिर्मित माल के धरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसे आयात सभी प्रमाकी हो सकते हैं जब कि वणिज्य मंत्रालय ने धरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसे माल की विका की अनुमति दे दी हो।

(3) यदि हम प्रकार के माल की अनुमति के समय उनके आयात पर प्रमाथ कलने वला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(4) यह लइसेंस की किमी की समय आयातक जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके वाय्यक या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मात, छूट या कोल प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके निर लागू अन्य सभी कानूनों के उपबंधों का अनुपालन करना चाहिये।

[क. म. 6/108/87- ई पी सी से जारी]

ORDER NO. 24/88—91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 24/88

NEW DELHI, 30TH MARCH, 1988

S.O. 352(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission till further orders, to import, goods manufactured by 100% Export Oriented Units, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely:—

(1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale;

(2) Such imports into Domestic Tariff Area of goods manufactured by 100% Export Oriented Units can be effected only on the basis of permission granted by the Ministry of Commerce for sale of such goods in the Domestic Tariff Area;

(3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported;

(4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[ISSUED FROM FILE NO, 6/108/87-EPC]

आदेश सं. 25/88-91

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 25/88

नई दिल्ली, दिनांक 30-3-88

का.आ. 253(अ): आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) की धारा-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे यूनिटों को शत-प्रतिशत निर्यात अभिमुख युनिटों को दिए गए अनुमोदन पत्र में दी गई अनुमति के अनुसार "बहिष्कृत माल" को घरेलू टैरिफ क्षेत्र में आयात करने के लिए अपना आदेश होने तक सामान्य अनुमति देती है, अर्थात्:—

- (1) सभी व्यक्तियों को "बहिष्कृत माल" के आयात करने के लिए अनुमति दी जाएगी।
- (2) "बहिष्कृत माल" शब्द में वे उत्पाद आते हैं जिनमें निम्नलिखित विनिर्माण की गूटि है और इस प्रकार से संश्लिष्ट पात्र-प्रतिशत निर्यात अभिमुख युनिटों की घोषणा के अनुसार निर्यात करने के योग्य नहीं है तथा "बहिष्कृत माल" में उप-मानकों का उत्पादन शामिल है जो कि इस प्रकार अतिरिक्त पुर्जों, ऑडिट, बीजा (नैचर) जैसी सार उत्पाद शामिल नहीं हैं। "बहिष्कृत माल" का आयात करने के लिए निम्नलिखित मानदण्डों को अपनाया जाए।

- (1) एकक को यह सत्यापित करना चाहिए कि इसके उत्पादों के विनिर्माण में एकक द्वारा लाया गया माल या प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी की कर्म के कारण "बहिष्कृत माल" का होना अपरिहार्य था।
- (2) घरेलू टैरिफ क्षेत्र में इसकी स्वीकृत के समय एकक द्वारा "बहिष्कृत माल" पर "बहिष्कृत" की मोहर लगाई जाए और बीजक पर भी "बहिष्कृत" लिखा जाए।
- (3) सीमाशुल्क सहायक समाहर्ता और केन्द्रीय आबकारी जिनके क्षेत्राधिकार में ऐसे यूनिट आते हैं उनकी, संयुक्ति के लिए "बहिष्कृत माल" को स्थापित किया जाएगा। सहायक समाहर्ता, नेता द्वारा दिशिष्टिकृत कोटि नियंत्रण मापदण्ड, एकक की आंतरिक कोटि नियंत्रण विभाग की रिपोर्ट और अन्य तकनीकी राय जिसे सहायक समाहर्ता मामले की आवश्यकतानुसार निर्णय से पूर्व जरूरी समझें, तो इस संदर्भ में निर्णय लेने से पूर्व कि यह मद बहिष्कृत है, उपर्युक्त की जानकारी संग्रह कर लेता है।

- (3) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

- (4) यह लाइसेंस किसी भी समय आयातक जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्त, छूट या ढील प्रदान नहीं करता है आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबंधों का अनुपालन करना चाहिए।

[फाइल सं. 6/108/87-ई.पी.सी. से जारी]

ORDER NO. 25/88—91

OPEN GENERAL LICENCE NO. 25/88

NEW DELHI THE 30TH MARCH 1988

S.O. 353(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general

permission till further orders, to import into the Domestic Tariff Area 'Rejects' as permitted in the Letter of Approval of the 100% Export Oriented Units issued to such units by the Central Government, subject to the following conditions:—

- (1) 'Rejects' shall be permitted to be imported by all

- (2) The term 'Rejects' shall cover the products which have definite manufacturing defect and as such are not exportable as per declaration of the 100% export oriented unit concerned and shall include sub-standard products but shall not include scrap, waste or by-products. The following particulars shall be kept in view for determining 'Rejects':

- (i) the units must certify that the rejects were an unavoidable feature on account of flaws of technology, deficiencies or material employed by unit in the manufacture of its products.

- (ii) 'Rejects' are also invoiced and stamped by the manufacturer as "REJECTS" at the time of clearance into the Domestic Tariff Area and

- (iii) Rejects shall be established as such to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs and Central Excise, having jurisdiction over such units, Assistant Collector shall decide that an item is indeed a 'Reject' with reference to quality control yardsticks prescribed by the buyer, report of the internal quality control department of the manufacturer, and other technical opinion which the Assistant Collector may consider necessary to call upon before deciding the matter.

- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported.

- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[Issued from File No. 6/108/87-EPC]

आदेश सं. 26/88-91

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 26/88

नई दिल्ली, दिनांक 30-3-1988

का.आ. 354(अ):—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, अगला आदेश होने तक एतद्वारा शत-प्रतिशत निर्यात अभिमुख युनिटों द्वारा के घरेलू टैरिफ क्षेत्र में उत्पादन के दौरान बचे स्कैप/वेस्ट/रिमेन्ड्स के आयात की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है, नामश:—

- (1) सभी व्यक्तियों को अण्डार एव बिक्री के लिए आयात की अनुमति दी जायेगी।

- (2) शत-प्रतिशत निर्यात अभिमुख युनिटों द्वारा उत्पादन के दौरान बचे स्कैप/वेस्ट/रिमेन्ड्स के घरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसे आयात तभी प्रभावी हो सकते हैं जबकि वाणिज्य मंत्रालय ने घरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसे स्कैप/वेस्ट/रिमेन्ड्स की बिक्री की अनुमति दे दी हो।

- (3) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (4) यह लाइसेंस की किसी भी समय आयातक जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके वायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या डील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिये लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिये।

राजीव लोखन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

[क्र. नं. 6/108/87-ई.पी.सी. सेजारी]

मंजुला सुब्रह्मणियम, सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

ORDER NO. 5088-87

OPEN GENERAL LICENSE NO. 2688

NEW DELHI, 7th 5th MARCH, 1988

S.O. 354(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import scraps waste remnants generated in the course of production by 100% Exports Oriented Units into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely:—

- (1) import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale;
- (2) such imports into Domestic Tariff Area of scraps/waste/remnants generated in the course of production by 100% Export Oriented Units can be effected only on the basis of permission granted by the Ministry of Commerce for sale of such scraps/waste/remnants in the Domestic Tariff Area;
- (3) nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported;
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[Issued from File No. 6/108/87-EPC]

R. L. MISRA, Chief Controller
of Imports & Exports

MANJULA SUBRAMANIAM, Jt. Chief Controller of
Imports & Exports

